CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 03-29-2026 23:20 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 30 मार्च 2026 > चैत्र 9 शक संवत 1948 चैत्र शुक्ल द्वादशी, विक्रम संवत 2083
WATCH GOD WATCHDOG
वर्ष 80, संख्या 74 > पेज 18* > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

बेलारूस की सबालेंका ने जीता मायामी ओपन p12

NBT नवभारत टाइम्स

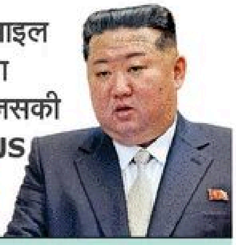

ऐसे मिसाइल इंजन का टेस्ट, जिसकी जद में US p14

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

दो सीट से चुनाव लड़ेंगे विजय, TVK ने जारी किया अजेंडा पेज 11

रेमंड को आसमान दिया, किराये पर रहे... विजयपत सिंघानिया को अंतिम विदाई पेज 14

ऐक्ट्रेस वामिका बोली- ऐक्टिंग न करती तो जानवरों को बचा रही होती DTMM

युद्धपोत USS त्रिपोली सैनिकों को लेकर आया, दोनों ओर से हमले रहे जारी

खाड़ी में पहुंचे 3500 अमेरिकी सैनिक, पाक में 4 देशों की बैठक

■ एपी, दुबई/इस्लामाबाद

पश्चिम एशिया में एक महीने से चल रहे युद्ध के बीच अमेरिका के लगभग 3,500 सैनिक इस क्षेत्र में पहुंच गए हैं। सैनिकों को युद्धपोत USS त्रिपोली लेकर आया। पिछले दो दशकों में अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य तैनाती है। उधर, ईरान युद्ध खत्म करने के लिए पाकिस्तान समेत चार देशों ने रविवार को इस्लामाबाद में मीटिंग की। उसमें पाकिस्तान के अलावा, इजिप्ट, तुर्किये और सऊदी अरब के विदेश मंत्री शामिल हुए। युद्ध को जल्द और स्थायी तौर पर खत्म करने के तरीकों पर चर्चा हुई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने कहा कि जल्द ही अमेरिका और ईरान के बीच हम बातचीत करवाएंगे।

पाक ने कहा, क्षेत्रीय हालात पर मिलकर चर्चा की गई

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि वह जमीनी फोर्स उतारने के साथ ही अपने सभी उद्देश्यों को हासिल कर सकते हैं। रविवार को ईरान ने खाड़ी के देशों में मौजूद इस्राइली और अमेरिकी यूनिवर्सिटी को निशाना बनाने की धमकी दी। ऐसा पहली बार है जब ईरान ने शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने की धमकी दी है। उसने कहा कि अमेरिका इन्हें बचाना चाहता है तो सोमवार दोपहर तक ईरानी यूनिवर्सिटी पर हो रहे हमलों की निंदा करे। शनिवार रात तेहरान पर भीषण हवाई हमले हुए। ईरान ने रविवार तड़के इस्राइल की ओर मिसाइलें दागीं।

नो किंग्स अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ बड़ी तादाद में लोगों ने प्रदर्शन किया।

वॉर अपडेट्स

- कुवैत की सेना ने बताया कि उसके मिलिट्री कैंप पर मिसाइल हमले में 10 जवान घायल हो गए।
- सऊदी अरब के एयरबेस पर ईरान के हमले में अमेरिकी विमान 'अवॉक्स' और रिफ्यूलिंग विमान तबाह हो गए।
- इस्राइल में मतरेशम प्लांट पर ईरानी मिसाइल से हमला हुआ। यह चीनी सिंजेटा ग्रुप की कंपनी है।
- इस्राइल का कहना है कि उसने तेहरान में मौजूद एक महत्वपूर्ण मिसाइल बनाने के ठिकाने पर हमला किया है।
- बहरीन ने समुद्री आवाजाही बैन की घोषणा की है।

बातचीत के साथ-साथ तकरार भी...

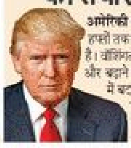

ईरान में ज़मीनी सैनिक अभियान की तैयारी में है पेंटागन: रिपोर्ट

अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि पेंटागन ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी सैन्य अभियानों की तैयारी कर रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को और बढ़ाने का फैसला लेते हैं, तो यह युद्ध एक खतरनाक चरण में बदल सकता है। संभावित जमीनी अभियान पूर्ण आक्रमण से कम होगा और उसमें स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज और पैदल सेना मिलकर छापेमारी कर सकती हैं।

ईरान ने कहा- सैनिकों का इंतज़ार है, उन्हें आग के हवाले कर देंगे

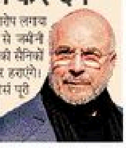

ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने आरोप लगाया कि कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद अमेरिका चुपके से जमीनी अभियान की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिकों के जमीन पर आने का इंतजार है। उन्हें आग लगाकर हराएंगे। उनके क्षेत्रीय सहयोगियों को भी सजा देंगे। ईरानी फोर्स पूरी तरह तैयार हैं। गोलीबारी जारी है। मिसाइलें तैनात हैं। आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है। पेज 13

सिलिंडर डिलिवरी नॉर्मल: सरकार

94,000 टन LPG के साथ आ रहे 2 जहाज़

- LPG का एक जहाज मंगलवार और दूसरा बुधवार को आएगा
- मार्च में अब तक 2.9 लाख से ज्यादा LPG उपभोक्ता PNG पर शिफ्ट हो चुके हैं

File Photo

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

युद्ध के हालात में अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील करते हुए सरकार ने रविवार को कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार है। केंद्र ने कहा कि यूरिया प्लांट्स को उनकी औसत खपत के 75% के बराबर गैस सप्लाई की जा रही है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर 2 जहाज भारत की ओर आ रहे हैं। इन पर करीब 94000 टन LPG है। केंद्र ने देश में LPG सिलिंडर की डिलिवरी सामान्य होने की बात कही। सरकार ने कहा कि मार्च में अब तक 2.9 लाख से ज्यादा LPG उपभोक्ता PNG पर शिफ्ट हो चुके हैं।

PDS के तहत डीलर को पंप से मिलेगा केरोसिन

सरकार ने तय किया है कि दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब समेत 21 राज्यों के हर जिले में अधिकतम दो पेट्रोल पंपों पर केरोसिन उपलब्ध होगा। वहां से डीलर या एजेंट ले जाकर PDS के तहत लोगों को खाना पकाने, रोशनी के लिए देंगे।

मोदी बोले, संकट में एकजुट रहें देशवासी

पीएम नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध से चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी है। उन्होंने कहा कि देश के सभी नागरिक इससे निपटने के लिए एकजुट रहें। देश इसका डटकर मुकाबला कर रहा है। अफवाहें फैलाने वाले लोग देश को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। मोदी ने कहा, 'हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे देश के 140 करोड़ देशवासियों ने पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर कठिन हालात से विजयी बनकर बाहर निकल जाएंगे।' साथ ही कहा कि खाड़ी देशों में भारतीयों की मदद के लिए वह उन देशों के आभारी हैं। (पीटीआई)

फटाफट खबरें

नीतीश MLC पद से आज देंगे इस्तीफा

बिहार के सीएम नीतीश कुमार सोमवार को राज्य विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। JDU विधायक अनंत कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की। हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए नीतीश कुमार ने पहले ही मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात कही थी।

मणिपुर: बैन संगठन के 4 मेंबर मारे गए

मणिपुर के कामजोंग जिले में एक प्रतिबंधित संगठन के चार कार्यकर्ताओं की प्रतिद्वंद्वी गुट के सदस्यों ने गोली मारकर हत्या कर दी। प्रतिबंधित एनएससीएन ईस्टर्न फ्लैंक ने कहा, प्रतिद्वंद्वी गुट ने गाड़ी को रोककर गोलियां चलाईं। चार की मौत हो गई। दो भाग निकले।

रोहित गोदारा गैंग का शूटर गिरफ्तार

दिल्ली के एक नामी ज्वेलर से 10 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले गैंगस्टर वीरेंद्र चरण के गुर्गे को स्पेशल सेल ने पकड़ा है। यह कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा-गोल्डी बराड़-वीरेंद्र चरण गैंग का शूटर है। आरोपी का नाम दीपक उर्फ दिलावर है। स्पेशल सेल डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गैंग ने वसूली के कॉल किए।

STAR WARS
IPL : आज का मैच
राजस्थान रॉयल्स Vs चेन्नै सुपरकिंग्स
गुवाहाटी, शाम 7:30 बजे से टेलिकास्ट : जियोहॉटस्टार पर

NBT नवभारत टाइम्स Wealth
क्या आपने NBT Wealth लिया?
पर्सनल फाइनैंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।
हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth
सिर्फ 6 रुपये में
अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।
NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।
कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

हैपी मॉर्निंग

पहला: सुबह तेरी नींद क्यों नहीं खुलती?
दूसरा: क्योंकि मेरा सपना अधूरा रह जाता है।
पहला: कौन सा सपना?
दूसरा: अमीर बनने का।

मौसम

अधिकतम तापमान 36.2°
19.8° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त सोमवार 6:38 | सूर्योदय मंगलवार 6:13
आज दोपहर में गरज के साथ बहुत हल्की बारिश हो सकती है।

नेपाल में छात्र राजनीति बैन, 5वीं क्लास तक कोई परीक्षा भी नहीं

- PM बालेन शाह की 'Gen-Z' सरकार ने पहली ही कैबिनेट में शिक्षा के क्षेत्र में कई बदलावों का किया ऐलान
- निजी अस्पतालों के लिए अनिवार्य नियम, अपने 10 प्रतिशत बेड जरूरतमंद मरीजों के लिए मुफ्त में रखें रिजर्व

■ NBT रिपोर्ट

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन) की अगुआई वाली नेपाल की 'Gen-Z' सरकार ने सत्ता संभालते ही शिक्षा के क्षेत्र में कई बदलावों की घोषणा की है। शाह प्रशासन ने कहा है कि वह कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में छात्र राजनीति को खत्म कर देगा। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों से अपनी छात्र इकाइयों को कैंपस से बाहर करने को कहा गया है। वहीं, 5वीं कक्षा तक अब कोई परीक्षा नहीं होगी। शिक्षा को ज्यादा समावेशी बनाना, कैंपस को राजनीति से मुक्त करना और पढ़ाई की गुणवत्ता को बढ़ाना इन सुधारों का मकसद है। इसके अलावा, निजी अस्पतालों के लिए यह अनिवार्य नियम सख्ती से लागू किया जाएगा कि वे अपने 10 प्रतिशत बेड जरूरतमंद मरीजों के लिए मुफ्त में रिजर्व रखें। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, सरकार ने शनिवार को प्रभावी शासन के लिए 100-सूत्री कार्ययोजना जारी की।

भावी शासन के लिए जारी की 100-सूत्री कार्ययोजना

नेताओं और सरकारी अधिकारियों की जांच

बालेन सरकार की पहली कैबिनेट ने एक और अहम निर्णय लिया है, जिसके तहत दूसरे जन आंदोलन (2006) के बाद से अब तक सार्वजनिक पदों पर रहे वरिष्ठ राजनीतिक पदाधिकारियों, उच्च-रैंकिंग वाले सरकारी अधिकारियों की संपत्तियों की जांच होगी। इसके लिए पहले चरण में 15 दिन में एक समिति बनाई जाएगी। इसमें कानून, वित्त, राजस्व और रिसर्च के विशेषज्ञ शामिल होंगे। समिति प्रधानमंत्री कार्यालय और मंत्रिपरिषद के अंदर काम करेगी। दूसरे चरण में, यह समिति 1991 से 2006 के बीच महत्वपूर्ण सार्वजनिक पदों पर रहे लोगों की संपत्तियों की जांच करेगी। पेज 14

20 अप्रैल से फ्लाइट्स की 60% सीटों पर नहीं लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज

■ **आईएएनएस, नई दिल्ली:** एयरलाइंस कंपनियां बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के 60 प्रतिशत सीटें 20 अप्रैल से ऑफर करेंगी। इससे उड़ानों में पारदर्शी सीट आवंटन को बढ़ावा मिलेगा। डीजीसीए के मुताबिक, इससे यात्रियों पर आर्थिक बोझ कम होगा, क्योंकि फिलहाल एयरलाइंस सीट आवंटन के लिए अलग से चार्ज वसूलती है। नागर विमानन मंत्रालय ने 18 मार्च को डीजीसीए को यह नियम लागू कराने को कहा था। इसे लेकर डीजीसीए ने 20 मार्च को संशोधित एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर जारी किया। इसमें यह भी कहा गया है कि एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वालों को साथ में बैठाया जाए।

सियासी हमले तेज

केरल को LDF, UDF ने लूटा: PM

नरेन्द्र मोदी

■ **पीटीआई, पलक्कड़ (केरल):** पीएम नरेन्द्र मोदी ने माकपा के नेतृत्व वाले LDF और कांग्रेस के नेतृत्व वाले UDF पर केरल को लूटने का आरोप लगाया। रविवार को वहां रैली में उन्होंने कहा कि BJP के नेतृत्व वाला NDA ही राज्य की 'असली ए-टीम' है, न कि किसी की 'बी-टीम।'

BJP नॉनवेज बंद कर देगी: ममता

■ **पीटीआई, पुरुलिया:** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार किया। कहा कि शाह के खिलाफ उनके 'पुराने कुकर्मों' के लिए आरोपपत्र आना चाहिए। रैली में उन्होंने कहा, 'बीजेपी यहां सत्ता में आई, तो लोग मछली, मांस और अंडा नहीं खा पाएंगे।'

असम में कांग्रेस की 'पांच गारंटी'

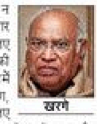

खरगे

■ **पीटीआई, नाओबोइचा (असम):** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को असम के लिए 'पांच गारंटी' की घोषणा की। इसमें महिला कल्याण, सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा, भूमि अधिकार और जुबिन गर्ग की मौत मामले में न्याय पर जोर दिया गया है। पेज 11

महिलाओं को कूपन देगी DMK

■ **पीटीआई, चेन्नै:** तमिलनाडु के सीएम और DMK अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने रविवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इसमें महिलाओं के लिए घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने/बदलने के लिए 8 हजार की 'इलैक्ट्रॉनिक' कूपन योजना की घोषणा की गई है। घोषणापत्र में स्टालिन ने कई और वादे भी किए।

हिमाचल में बर्फबारी, दिल्ली में चढ़ा पारा... बारिश के आसार

- हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले के सिस्सू में ताजा बर्फबारी हुई। इससे पूरा इलाका बर्फ से ढक गया।
- दिल्ली-एनसीआर में तापमान में इजाफा हो रहा है। रविवार को 17 दिन बाद तापमान बढ़कर 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।
- हालांकि सोमवार और मंगलवार को बूंदाबांदी से तापमान में कमी आ सकती है। अप्रैल के पहले हफ्ते में बारिश के आसार हैं। पेज 5

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में आग, कूदकर 4 ने बचाई जान

पार्किंग से फैली थी आग।

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के चांद बाग इलाके में शनिवार रात पांच मंजिला इमारत में आग लग गई। जान बचाने की कोशिश में तीन बच्चों समेत 4 लोगों ने बालकनी से छलांग लगा दी। नीचे पड़ोसियों ने पहले ही चादर तान दी थी, जिससे उनको मामूली चोटें आईं। यहां रहने वाले पांच परिवारों के 25 से 30 लोगों में अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग के अनुसार रात करीब 2:30 बजे सूचना मिली। 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 3:50 तक आग बुझा ली गई। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से पार्किंग में खड़े दो स्कूटर और बाइक में आग की बात सामने आई। इसके बाद लपटें तेजी से ऊपर पहुंचीं। पेज 5

गलती से गोली चली

कुपवाड़ा के आर्मी कैंप में फायरिंग, तीन जवान घायल

■ **पीटीआई, श्रीनगर:** जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गलती से हुई फायरिंग की एक कथित घटना में सेना के तीन जवान घायल हो गए। रविवार को सेना के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात ट्रेहगाम इलाके में सेना के एक कैंप में हुई। एक जवान का सर्विस हथियार गलती से चल गया। इससे उसके तीन साथी घायल हो गए। उनका मिलिट्री अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में और अधिक जानकारी का इंतजार है। इससे पहले, अधिकारियों ने कहा था कि यह फायरिंग आपसी झगड़े (fratricide) का संदिग्ध मामला लग रहा है। हालांकि, बाद में इसे खारिज कर दिया गया।

घायलों का मिलिट्री अस्पताल में चल रहा है इलाज

रखा अपना पक्ष SC में कहा, यह धार्मिक स्वतंत्रता में दखल के समान हो सकता है

मुस्लिम बोर्ड की दलील, धार्मिक प्रथाएं तय करने से बचें अदालतें

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि अदालतों को यह तय करने से बचना चाहिए कि 'आवश्यक धार्मिक प्रथा' क्या है? बोर्ड ने कहा कि इस तरह की न्यायिक जांच संविधान के अनुच्छेद-25 और 26 के तहत दी गई 'धर्म की स्वतंत्रता' में हस्तक्षेप के समान हो सकती है। सबरीमला रेफरेंस मामले में दाखिल लिखित दलील में बोर्ड ने तर्क दिया कि किसी धर्म के 'मूल' (कोर) की पहचान स्वभाव से व्यक्तिपरक होती है और यह अनुयायियों की आस्था पर निर्भर करती है। बोर्ड ने तर्क दिया कि किसी धर्म की आवश्यकताओं का निर्धारण आस्था, सिद्धांत और व्याख्या से जुड़े जटिल प्रश्नों से संबंधित है, जिन्हें अदालतों के बजाय धार्मिक विद्वानों और संप्रदायों पर छोड़ना ज्यादा ठीक है।

1. पांच जजों की बेंच ने 2019 में धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का मामला बड़ी पीठ को रेफर किया था। 7 अप्रैल से अंतिम सुनवाई।
2. इसमें सबरीमला मंदिर में हर उम्र की महिलाओं के प्रवेश, मुस्लिम महिलाओं की मस्जिद में एंट्री, पारसी महिलाओं से जुड़े अधिकार के मुद्दे शामिल हैं।

सबरीमला मामले में 7 से सुनवाई

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव से संबंधित याचिकाओं के समूह पर 9 जजों की बेंच 7 अप्रैल से अंतिम सुनवाई करेगी। इसमें केरल के सबरीमला मंदिर में हर उम्र की महिलाओं के प्रवेश समेत अन्य मामले शामिल हैं। इसके लिए चीफ जस्टिस पीठ का गठन करेंगे। 22 अप्रैल तक सुनवाई पूरी हो सकती है। कोर्ट ने सभी पक्षकारों से लिखित दलील मांगी थी।

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 30 मार्च 2026

> यदि आप स्वयं को जानते है, लेकिन शत्रु को नही, तो हर जीत के साथ आपको एक हार भी झेलनी पड़ेगी।
> – सन त्ज़ू, चीनी सेनानायक व दार्शनिक

उलझती लड़ाई

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए रविवार को पाकिस्तान में बातचीत शुरू हो गई। सऊदी अरब, तुर्किये और इजिप्ट के विदेश मंत्री भी इस्लामाबाद पहुंचे हैं। एक दिन पहले यानी शनिवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भरोसा जताया था कि युद्ध कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगा। पश्चिम एशिया में बढ़ती अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से जुड़ी चिंताओं को भी उन्होंने यह कहकर खारिज कर दिया था कि युद्ध में थल सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बात शुरू, जंग जारी

सीधी बात नहीं । यह पूरा सीन उम्मीदें जगाने वाला भी लगता है, लेकिन इसके साथ कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत से इनकार कर दिया है, यानी अब दोनों के बीच संवाद के लिए कोई तीसरा पक्ष सामने आएगा। अमेरिका ने समझौते के लिए जो शर्तें रखी हैं, ईरान उससे इनकार करता आ रहा है। सऊदी अरब का रुख भी अहम रहेगा, क्योंकि खबरें हैं कि वह ईरान पर अमेरिकी हमले के समर्थन में भी था।

इस्राइल की मुश्किल । फिर शनिवार को ईरान समर्थित हूती विद्रोही भी जंग में शामिल हो गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। इस्राइल भले ही कह रहा है कि वह कई मोर्चों पर लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन हालात पहले से अलग और चुनौतीपूर्ण हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ टकराव जारी है, जबकि गाजा में भी बड़े पैमाने पर सैन्य संसाधन लगे हुए हैं। ऐसे में इस्राइल पर दबाव और बढ़ता दिख रहा है।

अमेरिका में गुस्सा । इस लड़ाई का दुनिया पर बुरा असर पड़ रहा है। यूं तो डॉनल्ड ट्रंप दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से अमेरिका पर फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन वहां गैस के दाम 35% तक बढ़ चुके हैं, जबकि यूरोप में 80% तक। यह मामूली बात नहीं कि ट्रंप को सत्ता संभाले सवा साल भी नहीं हुए और उन्हें तीसरी 'नो किंग्स रैली' का सामना करना पड़ा। इस बार ट्रंप विरोधी विरोध-प्रदर्शन पूरे अमेरिका के अलावा यूरोप के कई देशों में भी हुए।

थोपा गया युद्ध । अमेरिका और इस्राइल ने शांति वार्ता पर भरोसा करने के बजाय सब जानते-समझते हुए भी लड़ाई का रास्ता चुना। उनके इस फैसले की कीमत अब दुनिया चुका रही है। तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से गरीब मुल्क सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। फर्टिलाइजर की कमी से वैश्विक खाद्य संकट पैदा होने का डर है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में ग्रोथ की रफ्तार धीमी पड़ने का डर है। इसलिए अच्छा यही होगा कि यह युद्ध जल्द रुके और इसका रास्ता बातचीत की टेबल से निकलता है।

नश्तर

लाइनजीवी हैं हम

सौरभ श्रीवास्तव

मोहल्ले में यह बात फैली हुई है कि फलां साहब का कुत्ता बात कर सकता है। पड़ोसी ने मुझे बताया तो मैंने पूछा, 'और क्या-क्या कर सकता है?' पड़ोसी बोले, 'तुम हर बात को हंसी में उड़ा देते हो, लेकिन इस बार मामला गंभीर है।' मामला गंभीर था तो हमने भी गंभीर ही लिया।

मैंने गौर किया कि फलां साहब का कुत्ता रोज सुबह आठ बजे घर से निकलता है और दो घंटे बाद लौट आता है। एक रोज मैं भी उसके पीछे हो लिया। थोड़ी दूर जाने पर कुत्तों की एक लंबी लाइन दिखी। फलां साहब का कुत्ता भी लाइन में खड़ा हो गया। दो घंटे बाद कुत्ते जब अपने घरों की ओर लौटने लगे, तो मैंने फलां साहब के कुत्ते से पूछा, 'तुम लोग क्या कर रहे थे?'

'लाइन लगाने की प्रैक्टिस। आने वाले समय में हमें भी लाइन लगानी पड़ेगी, हमारे मालिक भी तो यही करते हैं। थोड़े-थोड़े दिन बाद लाइन लगा कर खड़े हो जाते हैं। कभी वैक्सीन के लिए, कभी SIR के लिए, कभी सिलिंडर के लिए, कभी पेट्रोल के लिए। एक रोज तो मालिक के साथ मैं कार से कहीं जा रहा था, देखा लोग नदी के पुल पर खड़े हैं। मालिक ने भी कार किनारे लगाई और खड़े हो गए। सब नदी की ओर झांक रहे थे, मालिक भी झांकने लगे। मैंने मालिक से पूछा तो बोले, सब झांक रहे हैं...कोई तो बात होगी। इतने में झांकने वालों की लाइन लग गई। किसी को नहीं पता था कि वह क्यों झांक रहा है ... शायद कोई कूद गया है। एक शायद पर इतने लोग झांकने लगे कि ट्रैफिक रुक गया। असल में तुम मनुष्य लाइनजीवी हो। कई दिनों तक लाइन नहीं लगती तो बेचैनी होने लगती है कि कुछ हो नहीं रहा देश में। अब हम ठहरे मालिक भक्त। मालिक ने जिस दिन कह दिया लाइन लगानी है, लगा लेंगे। बस उसी की तैयारी कर रहे हैं।' कुत्ते के कठोर वचन सुनकर मैं घर की ओर लौटने लगा। रास्ते में फलां साहब दिखे, पेट्रोल के लिए लाइन में खड़े थे।

एकदा

संकलन : दीनदयाल मुरारका

ख़ुद पर भरोसा

विन्सेंट वैन गॉग एक डच चित्रकार थे। उन्होंने कलाकृतियों का ऐसा संग्रह तैयार किया, जो अपने जीवंत रंगों और सहज अभिव्यक्ति से दर्शकों को प्रेरित करता है। उनका जन्म 30 मार्च 1853 को हुआ था। बचपन से ही वैन गॉग को आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उनके अपने परिवार ने भी उनकी कला को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने जीवन में कई रास्ते अपनाए- कभी आर्ट डीलर बने, कभी पादरी बनने की कोशिश की, लेकिन हर जगह असफल रहे। लगातार असफलताओं ने उन्हें निराश किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आखिरकार 27 वर्ष की उम्र में उन्होंने चित्रकला को अपनाया। उस समय लोग उनकी पेंटिंग्स को अजीब और बेकार समझते थे। वह गरीबी, अकेलेपन और मानसिक संघर्षों से जूझते रहे, लेकिन अपनी आवाज पर हमेशा भरोसा किया। वैन गॉग ने अपने जीवन में केवल एक पेंटिंग बेची, लेकिन उन्होंने मेहनत और जुनून से Starry Night और Sunflowers जैसी अमर कृतियां रच दीं। उनकी मौत के बाद ही दुनिया ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और आज वह महान कलाकारों में गिने जाते हैं। वह कहते थे, 'हर बंद दरवाजा एक नया रास्ता दिखाता है, बस खुद पर विश्वास बनाए रखें।'

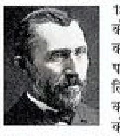

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक को हार या जीत के रूप में पेश करना ग़लत

नए क़ानून से सुरक्षा बेहतर होगी

अशोक कुमार

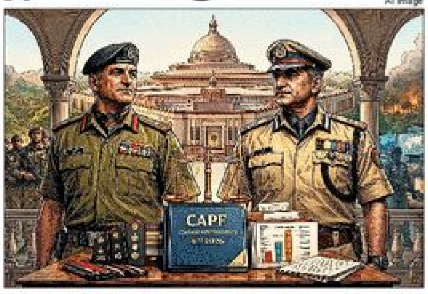

AI Image

भारत आज अंदरूनी और सीमा सुरक्षा की बढ़ती मुश्किलों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में देश ऐसी बहस का जोखिम नहीं उठा सकता, जिसमें नौकरी से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं को बड़ा अन्याय बताया जाए और सुधार की कोशिशों को संस्था को कमजोर करने के रूप में दिखाया जाए। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक 2026 को लेकर जो चर्चाएं चल रही हैं, उसे कुछ लोग ऐसे पेश कर रहे हैं जैसे देश को CAPF अधिकारियों और IPS नेतृत्व में से किसी एक को चुनना पड़ेगा। असल में ऐसा कोई चुनाव है ही नहीं। यह गलत और खतरनाक सोच है।

एकता के लिए । 34 बरसों के अपने करियर में मैंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और सीमा सुरक्षा बल (BSF) में सेवा दी है। इस दौरान मैंने कई नक्सल प्रभावित इलाकों और सीमा पर काम किया। अपने अनुभव से कह सकता हूं कि यह विधेयक अधिकारियों की जायज चिंताओं को हल करता है। यह केवल पदोन्नति का सवाल नहीं, देश की विविधता और केंद्रीय ढांचे में सुरक्षा बरकरार रखने का कदम है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश में केंद्रीय समन्वय और एकता के वास्ते अखिल भारतीय सेवाओं को स्टील फ्रेम माना था। IPS हमेशा केंद्र-राज्य, इंटेलिजेंस-ऑपरेशन और राज्य पुलिस-CAPF के बीच सेतु का काम करता रहा है।

बेहतर तालमेल । इस बहस को कैडर तक सीमित करने वाले लोग एक जरूरी बात भूल जाते हैं कि भारत की आंतरिक सुरक्षा अलग-अलग बलों के टुकड़ों से नहीं चल सकती। एक जिले का खतरा पूरे देश को प्रभावित कर सकता है। खुफिया सूचना पर तुरंत कार्रवाई की दरकार होती है। भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के अधिकारी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका करियर उन्हें राज्य की पुलिस, CAPF, CRPF, BSF, इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) जैसे संगठनों के बीच काम का अनुभव देता है। इससे उन्हें व्यापक परिचालन दृष्टि और बेहतर तालमेल की क्षमता मिलती है, जो देश की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

> **कानून क्यों जरूरी**
> - विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत होगा
> - बेहतर होगा प्रशासन, अफसरों की चिंताओं का हल
> - करियर को ध्यान में रखते हुए नए पद बनाए गए हैं

समन्वय से सफलता । CRPF और BSF में काम के दौरान मैंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमाओं की कठिनाइयां देखी हैं। नक्सल-विरोधी और उग्रवाद-विरोधी अभियानों की समीक्षा बताती है कि सफलता वहीं मिली जहां अधिकारियों ने राज्य की पुलिस, खुफिया एजेंसियों और केंद्रीय बलों में काम किया था। उनका अनुभव उन्हें एक तंत्र की तरह निर्णय लेने और काम करने में सक्षम बनाता है।

खींचतान होगी कम । मेरे ख्याल से न तो सभी IPS अधिकारी हर भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं और न ही सभी CAPF अधिकारी। हर सेवा में सक्षम अधिकारी के साथ कुछ अपवाद भी होते हैं। परिपक्व रास्ता यह है कि दोनों की शक्तियों का उपयोग करने वाली संरचना बनाई जाए ताकि आपसी खींचतान कम हो। CAPF विधेयक की भी यही कोशिश है। यह नियम तय करता है और पदोन्नति में पारदर्शिता लाता है। इसमें काम के समय के साथ और शिकायतों का निपटारा कैसे होगा यह भी तय किया गया है।

चिंता होगी दूर । CAPF में करियर की प्रगति हमेशा चिंता का विषय रही है। इस विधेयक में इसका समाधान है। इसमें DIG, IG और ADG स्तरों पर नए वरिष्ठ पद बनाए गए हैं और ऑर्गनाइज्ड ग्रुप ए सर्विस (OGAS) जैसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी लागू किए गए हैं। यह CAPF कर्मियों के लिए पारदर्शिता और सुधार सुनिश्चित करने के साथ IPS को आंतरिक सुरक्षा के शीर्ष स्तर पर बनाए रखता है। CAPF अलग नहीं चलते, वे राज्य की पुलिस के साथ काम करते हैं। दोनों में अनुभवी अधिकारी इस सेतु को बेहतर बनाए रखने में सक्षम होते हैं।

केंद्रीय समन्वय जरूरी । यह विधेयक IPS नेतृत्व को वरिष्ठ भूमिकाओं में बरकरार रखते हुए CAPF अधिकारियों के पदोन्नति अवसर बढ़ाता है। आज भारत के सामने सीमा सुरक्षा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध और साइबर खतरों जैसी कई चुनौतियां हैं। यह बिल पदोन्नति को आसान और प्रशासन को साफ-सुथरा बनाता है। साथ ही, IPS नेतृत्व बरकरार रखता है, ताकि देश की सुरक्षा और केंद्रीय समन्वय मजबूत रहे।

संतुलित निर्णय । इस बिल में सही संतुलन है। यह बिल CAPF अधिकारियों के लिए न्याय करता है, सरदार पटेल की सोच का सम्मान करता है और देश के हित में है। यह किसी एक सेवा की जीत या हार का सवाल नहीं है।

(लेखक पूर्व IPS अधिकारी हैं)

मशीनों में जान भरता है डेस्क पर रखा पौधा

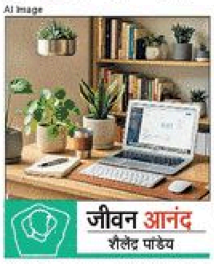
AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

50 से ऊपर ही सिस्टम लगे होंगे ऑफिस में एक के बाद एक कतार में। काले रंग के डेस्कटॉप, कीबोर्ड और माउस, काले रंग की कुर्सियां और स्लेटी मैट। कुछ सीट पर सामने पिन से लटके कैलेंडर और शिड्यूल। एक तरफ से नजर फिसलना शुरू होती है, तो एकदम आखिरी कोने पर जाकर ही रुकती है, बशर्ते आप इस तरह से न खड़े हों, जहां बीच में वे कुछ सीटें आती हैं, जहां काले-सफेद, भूरे और स्लेटी रंगों के अलावा भी एक और रंग मौजूद है - हरा। काम खत्म होने के बाद भी इन सीटों पर कुछ साथी हमेशा मौजूद रहते हैं - मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, जेड प्लांट।

काम करने की डेस्क पर एक छोटा-सा पौधा सजावट से बढ़कर है। स्क्रीन, डॉक्युमेंट्स और डेडलाइन के बीच इसका हरा रंग है राहत भरा। काम के बीच जब नजर इस पर जाती है, तो मन शांत हो जाता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि पौधा कितना छोटा है, उसमें हिम्मत होनी है बदलाव के लिए प्रयास करने की। वह कोशिश करता है हवा बदलने की, ताजगी लाने की। कई बार ऐसा होता है कि काम से जब दिमाग थक जाता है, तो बस कुछ सेकंड उस पौधे को देख लेना ही काफी होता है खुद को रीसेट करने के लिए।

मशीनों और कागजों के माहौल में जीवंतता ले आता है एक पौधा। आप उसे निर्जीव चीजों के बीच सांस लेता महसूस कर सकते हैं। डेस्क पर रखा पौधा अहसास दिलाता है कि आप अकेले नहीं। मनी प्लांट की बेल बढ़कर सिस्टम के इर्द-गिर्द फैल जाती है, मानो थोड़ा काम बांटने आई हो। लकी बैम्बू जितनी खामोशी से बढ़ते हैं, बताते हैं कि धैर्य रखिए, कुछ अच्छा ही होगा। स्नेक प्लांट बस देखने में ही टेढ़ा है, वह उस सहयोगी की तरह है जो मदद कर देता है और क्रेडिट भी नहीं लेता।

पौधे सिखाते हैं केयर करना। समय-समय पर पानी देना, धूप दिखाना, पीली पड़ चुकी पत्तियों को हटाना और उनको बढ़ता महसूस करना - बातें बहुत छोटी हैं, पर इतनी काफी कि जिम्मेदारी का अहसास कराएं। और यह जिम्मेदारी काम की जिम्मेदारी से अलग है। यह साबित करती है कि हम मशीनों के साथ काम कर रहे हैं, पर खुद मशीन नहीं हैं। मशीनें जीवन सरल बनाती हैं, पर खुशी तो जीवन देता है। डेस्क पर रखा पौधा जोड़ता है प्रकृति से। जैसे फाल्स सीलिंग के पीछे दौड़ते तारों और पाइप वाली बिल्कुल अलग छत है, वैसे ही शीशे-सी चमचमाती इमारतों के बाहर एक अलग दुनिया। अपने साथ उसी दुनिया को भीतर ले आते हैं पौधे।

अगर आपकी डेस्क अभी तक सूनी है, तो उस पर किसी हरे-भरे साथी को जगह देकर देखिए - दुनिया से टूटा कनेक्शन फिर जुड़ने लगेगा।

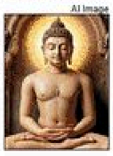
AI Image

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

किसी को न डराना अहिंसा है, किसी से न डरना आत्मज्ञान

निर्मल जैन

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर वर्धमान की 'महावीर' बनने तक की यात्रा केवल उनके व्यक्तिगत मोक्ष की कथा नहीं, बल्कि मानव चेतना के लोकतंत्रीकरण की शुरुआत थी। इसलिए उनका जन्म-कल्याणक किसी जाति, धर्म विशेष का धार्मिक उत्सव न होकर शांति-अहिंसा के मार्ग पर चलकर हृदय में मानवता जगाने वाला एक 'आध्यात्मिक अलार्म' है, आत्म-विजय का महापर्व है। उनके सिद्धांत अस्तित्व के संकट के एकमात्र समाधान के साथ पूरी मानवता के लिए सर्वाइवल गाइड की तरह हैं।

अशांति और युद्ध के ज्वालामुखी के ताप से झुलस रहे विश्व के लिए उनकी अहिंसा का व्यापक अर्थ है - 'किसी को न डराना' अहिंसा है, और 'किसी से न डरना' आत्मज्ञान। जब समाज अभय को धारण कर लेता है, तो आतंक का मनोवैज्ञानिक ढांचा ढह जाता है। 'मैं और मेरा' का जहां अंत होता है वहीं से महावीर की अहिंसा प्रारम्भ होती है। जब तक हमारी इच्छाएं अनंत रहेंगी, तब तक हिंसा और तनाव खत्म नहीं हो सकते।

सभी युद्ध अक्सर 'मैं सही हूं और तुम गलत' के अहंकार के परिणाम हैं । महावीर कहते हैं, 'सत्य के कई पहलू हो सकते हैं, दूसरा पक्ष भी आंशिक रूप से सही हो सकता है। हो सकता है, हमारी खिड़की से दिखने वाला आसमान नीला हो और दूसरे की खिड़की से दिखने वाला बादल भरा।' सत्य को स्वयं खोजें।

युद्ध हमें बर्बर आदिम युग में ले जाते हैं और परमाणु युग में तो आवेश की एक गलती पूरी सभ्यता को मिटा सकती है। महावीर के विचार हमें एक सभ्य और सह-अस्तित्व वाले भविष्य की ओर ले जाते हैं। आतंकवाद कहता है 'तुम मरोगे तभी मैं जीवित रहूंगा।' महावीर कहते हैं, 'सब सुरक्षित रहेंगे तभी मैं सुरक्षित रहूंगा।' आज की मिसाइलों और ड्रोन के युग में, महावीर का 'मौन' और 'अहिंसा' सबसे शक्तिशाली जवाब है । महावीर जयंती पर हमें यह समझना होगा कि आतंक का अंत हथियारों से नहीं, बल्कि हृदय परिवर्तन और वैचारिक लचीलेपन से ही संभव है।

कांटे की बात

नरेंद्र मोदी, मन की बात में

2 अप्रैल को वर्ल्ड ऑटिज्म अवेयरनेस डे है। WHO के अनुसार, दुनिया में हर 100 में से 1 बच्चा, जबकि भारत में लगभग 1.8 करोड़ लोग ऑटिज्म से प्रभावित हैं। 2021 के एक अनुमान के अनुसार, वैश्विक स्तर पर करीब 6.18 करोड़ लोग ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर थे।

Autism पीड़ितों को रोज़गार में मुश्किल

प्रस्तुति : अभिषेक मिश्र

जनता जंक्शन — इरफान

कैसा होने जा रहा है स्पेस रेस का भविष्य

मृत्युंजय राय

'Open Space: From Earth to Eternity- the Global Race to Explore and Conquer the Cosmos' नाम की किताब में इसके लेखक डेविड अरिओस्तो (David Ariosto) ने कंपनियों और राष्ट्रों के बीच चल रही स्पेस रेस के बारे में बताया है। डेविड जर्नलिस्ट रहे हैं। इसलिए चीन के स्पेस प्रोग्राम और Intuitive Machines जैसी स्पेस एक्सप्लोरेशन में शामिल कंपनियों तक उनकी पहुंच रही है। इस किताब में उन्होंने ऐसे अनुभवों और जानकारियों का इस्तेमाल किया है।

उन्होंने किताब में लिखा है कि Intuitive Machines के इंजीनियरों को चांद पर अंतरिक्ष यान की लैंडिंग की कोशिशों को लेकर किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने चांद की रेस में शामिल कई स्टार्टअप्स के अधिकारियों के जो इंटरव्यू किए, उससे मिली कई दिलचस्प जानकारियां उन्होंने रीडर्स के सामने रखी हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि स्पेस रेस में चीन किस तरह से अमेरिका को पीछे छोड़ने की कोशिश कर रहा है। इससे रीडर्स को यह समझने में सहूलियत होती है कि यह इंडस्ट्री किस तरह से लगातार बड़ी हो रही है और भविष्य में इसका स्वरूप कैसा रहने वाला है। डेविड यह भी लिखते हैं कि इस क्षेत्र में कई ऐसी कंपनियां हैं, जिन्हें अरबपतियों से जबरदस्त पैसा मिल रहा है और किस तरह से इनमें से कई कंपनियां सरकारी फर्मों को चुनौती देती दिख रही हैं। हालांकि, वह यह भी मानते हैं कि इस क्षेत्र में सरकार का समर्थन कितना जरूरी है।

किताब को 47 छोटे-छोटे चैप्टरों में बांटा गया है। इनमें अलग-अलग चैप्टरों में डेविड ने चांद पर जाने वाले अभियानों, साइबर सिक्योरिटी, माइक्रोग्रैविटी दवाओं, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर जैसी विषयों की चर्चा की है। किताब का पहला हिस्सा बहुत रोचक है, जो रीडर्स को बांधे रखता है। मगर दूसरे हिस्से में लेखक कहीं बहुत आशावादी तो कहीं बहुत निराशा से जकड़े हुए दिखते हैं। दूसरे हिस्से में डेविड ने अंतरिक्ष के मलबों से बढ़ रहे जोखिम से लेकर मंगल ग्रह पर इंसानी बस्तियां बसाने के प्रॉजेक्ट तक का जिक्र किया है।

विचार विंडो

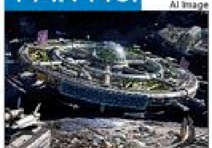
AI Image

स्पेसएक्स के संस्थापक इलॉन मस्क और ब्लू ओरिजिन-एमेजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस जैसे लोगों ने अंतरिक्ष को लेकर दुनिया को जो सपने दिखाए हैं, इस किताब में उन्हें पूरा होते हुए माना गया है। हालांकि, सच्चाई यह है कि इन अभियानों को लेकर बहुत ज्यादा संशय बने हुए हैं और उनके भविष्य के बारे में पक्के तौर पर कुछ भी कहना संभव नहीं है। डेविड जहां चांद को लेकर निजी क्षेत्र के अभियानों को बहुत तवज्जो नहीं देते, वहीं रोशनी से तेज गति से ट्रैवल और अंतरिक्ष में इंसानी बस्तियों जैसे विवादित आइडिया को मंच देते हुए नजर आते हैं।

वह लिखते हैं कि मस्क के रीयूजेबल रॉकेट स्पेस रेस के लिहाज से बहुत बड़ी क्रांति है और अभी दुनिया इसके असर को पूरी तरह समझ नहीं पाई है। डेविड यह भी बताते हैं कि इस कामयाबी से अंतरिक्ष अभियानों में जो आगे की राह खुलने वाली है, हम अभी उसके शुरुआती दौर में हैं। वह यह भी बताते हैं कि इस रेस पर वैश्विक शक्ति संतुलन टिका हुआ है।

डेविड ने इस किताब में स्पेस पॉलिसी, टेक्नॉलजी और होड़ की जो बात की है, वह इस विषय में दिलचस्पी रखने वालों को प्रभावित करेगी। किताब उन लोगों के लिए भी अच्छी है, जो इस विषय से नावाकिफ हैं और इसके बारे में जानकारी हासिल करना चाहते हैं। हालांकि, गंभीर रीडर्स को किताब से निराशा भी हो सकती है। कुल मिलाकर, 'Open Space' स्पेस रेस के रोमांच को रीडर्स के सामने लाने में तो कामयाब रही है, लेकिन इसमें गहराई की कमी है।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

समाधान पर हो ध्यान

28 मार्च का संपादकीय 'नई मोहलत' पढ़ा। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का 6 अप्रैल तक मोहलत देने का फैसला राहत भरा हो सकता है, लेकिन ईरान पर लगातार हमले और अनिश्चित बयानों से वार्ता पर शक बरकरार है। अमेरिकी 15 सूत्रीय प्रस्ताव शांति का इरादा दिखाता है, पर उसकी सच्चाई पर सवाल है। तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और वैश्विक बाजार नकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जरूरी है कि दोनों पक्ष गंभीर वार्ता करें और तनाव बढ़ाने के बजाय सार्थक समाधान पर ध्यान दें।

रणविजय कुमार, नोएडा

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

[illegible]

फटाफट खबरें

तमिलनाडुः 2 सीटों से चुनाव लड़ेंगे विजय

■ पीटीआई, चेन्नै: अभिनेता से नेता बने विजय ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी टीवीके के सभी 234 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। उन्होंने ऐलान किया कि वह अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत दो सीटों से करेंगे। विजय चेन्नई की पेरंबूर सीट और तिरुचिरापल्ली (ईस्ट) से चुनाव लड़ेंगे। पेरंबूर को डीएमके का मजबूत गढ़ माना जाता है, ऐसे में यह मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है।

ड्यूटी में लापरवाही, 3 जवान निलंबित

■ आईएएनएस, कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में सीआरपीएफ के तीन जवानों को निलंबित कर दिया। मामला बीरभूम जिले का है, जहां गश्त के दौरान जवान टीएमसी के स्थानीय दफ्तर में चले गए और वहां कार्यकर्ताओं के साथ कैरम खेलते रहे। एक घंटे तक ड्यूटी पर नहीं रहे। चुनाव आयोग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए तीनों जवानों को निलंबित कर दिया।

गुजरात में दलितों पर अत्याचार बढ़े : राहुल

■ भाषा, नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में गुजरात में दलितों और आदिवासियों के खिलाफ नफरत, भेदभाव और अत्याचार का माहौल लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने 2016 के ऊना कांड के पीड़ितों के साथ एकजुटता जताते हुए कहा कि करीब 10 साल बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला है। राहुल गांधी ने कहा कि यह केवल कुछ घटनाएं नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता है, जहां कमजोरों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस में हालात पहले से कहीं ज्यादा गंभीर हो गए हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि लोगों को बेरहमी से पीटा गया।

LDF-UDF दोनों भ्रष्ट, केरल से बदलाव का संदेश: मोदी

■ पीटीआई, पलक्कड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केरल में चुनावी रैली के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (UDF) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दशकों से ये दोनों गठबंधन मिलकर राज्य को लूटते रहे हैं और राजनीतिक अवसरवादिता में लगे रहे हैं।

मोदी ने कहा, कांग्रेस और वाम दल एक-दूसरे पर झूठे आरोप लगाकर जनता को गुमराह करते हैं, लेकिन असल में दोनों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि केरल अब बदलाव का संदेश दे रहा है और बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के प्रति लोगों का समर्थन बढ़ रहा है।

पश्चिम एशिया युद्ध पर सतर्क: मोदी ने कहा, पश्चिम एशिया में युद्ध को लेकर सरकार सतर्क है। वहां भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भारत लगातार संबंधित देशों के संपर्क में है। दूतावास 24 घंटे लोगों की मदद कर रहे हैं। कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह इस संवेदनशील मुद्दे पर गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है।

पारंपरिक वेश में दिखे पीएम: मोदी पलक्कड़ में पारंपरिक मुंडू पहनकर जनसभा में पहुंचे। उन्होंने कहा कि केरल में नई ऊर्जा और बदलाव की लहर महसूस हो रही है। इस बदलाव का श्रेय उन्होंने जनता और बीजेपी कार्यकर्ताओं को दिया।

PTI

कांग्रेस, वाम दल एक-दूसरे पर झूठे आरोप लगा गुमराह करते हैं। दोनों से सावधान रहने की जरूरत।-पीएम मोदी

असम दौरे में अमित शाह ने कहा- हर अवैध प्रवासी को वापस भेजेंगे

■ भाषा, ढेकियाजुली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि असम में घुसपैठ रोकना काफी नहीं है, बल्कि हर अवैध प्रवासी को उसके देश वापस भेजना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में घुसपैठ पर काफी हद तक रोक लगाई है। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी घुसपैठियों को संरक्षण देने के लिए मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का विरोध कर रहे हैं। अमित शाह ने असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई से भी इस मुद्दे पर रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया गया है। अमित शाह ने लोगों से भाजपा को वोट देकर हिमंत बिस्व शर्मा को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में ही असम को घुसपैठिया मुक्त बनाया जा सकता है।

मन की बात में फिटनेस पर ज़ोर

■ भाषा, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों से फिटनेस को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि खानपान में छोटे बदलाव बड़े स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं। मोदी ने लोगों से चीनी का सेवन कम करने और खाना पकाने के तेल में करीब 10 प्रतिशत तक कटौती करने को कहा। उन्होंने बताया कि इससे मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव संभव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छी सेहत के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है। उन्होंने योग और दैनिक शारीरिक गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फिटनेस सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी जरूरी है।

पीएम ने व्यायाम और संतुलित आहार को जरूरी बताया

ज्ञान भारतम सर्वे में भाग लेने की अपील: देशवासियों से 'ज्ञान भारतम सर्वे' में भाग लेने की अपील की। कहा कि लोग अपने पास मौजूद पांडुलिपियों की जानकारी और फोटो ऐप के जरिए साझा करें।

महिलाओं को कैश, 25 लाख का बीमा...असम कांग्रेस की पांच गारंटी

■ पीटीआई, नाओबोइचा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को असम विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की 'पांच गारंटी' का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी सत्ता में आई तो महिलाओं, आदिवासियों और गरीब वर्गों के लिए कई बड़े कदम उठाए जाएंगे। खरगे ने कहा, कांग्रेस सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने नकद सहायता दी जाएगी और कारोबार शुरू करने या बढ़ाने के लिए 50,000 रुपये की अतिरिक्त मदद भी मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि हर परिवार को 25 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य बीमा सुविधा दी जाएगी। 10 लाख आदिवासी लोगों को स्थायी भूमि पट्टे देने और वरिष्ठ नागरिकों को 1,250 रुपये मासिक पेंशन देने का वादा किया गया है।

PTI

असम के नाओबोइचा में जनसभा के दौरान खरगे को सम्मानित किया गया।

ये गारंटियां

- महिला उद्यमियों को ₹50,000 की अतिरिक्त मदद
- हर परिवार को ₹25 लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा
- ₹10 लाख आदिवासियों को स्थायी भूमि पट्टे
- वरिष्ठ नागरिकों को ₹1,250 मासिक पेंशन
- जुबीन गर्ग मामले में 100 दिन में न्याय

पंजाबः 1000 रुपये वाली योजना मंजूर

■ पीटीआई, चंडीगढ़ : पंजाब कैबिनेट ने रविवार को 'मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना' को हरी झंडी दे दी है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। अनुसूचित जाति से जुड़ी महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये मिलेंगे। सीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग के बाद जारी बयान में बताया गया कि इस योजना से 97 प्रतिशत से ज्यादा महिलाओं को सीधा फायदा होगा।

भगवंत मान

तमिलनाडु में स्टालिन का वादा, किसानों को फ्री बिजली देंगे

■ पीटीआई, चेन्नै: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा चुनाव से पहले डीएमके का घोषणापत्र जारी करते हुए कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की आय बढ़ाने और कल्याणकारी योजनाओं को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को मुफ्त बिजली दी जाएगी।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना की सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये सालाना की जाएगी। महिलाओं को मिलने वाला मासिक अनुदान बढ़ाकर 2,000 रुपये करने और मुख्यमंत्री नाश्ता योजना को कक्षा 8वीं तक विस्तार देने का वादा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा अनुदान 1,000 से बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रति माह किया जाएगा।

घोषणापत्र जारी करते स्टालिन।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
आईसीएआई भवन, इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली–110002

निविदा आमंत्रण सूचना

आईसीएआई फोरेंसिक लैबों के लिए हार्डवेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर की आपूर्ति, स्थापना, विन्यास और कमीशनिंग के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी)

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) पात्रता मानदंड के अंतर्गत उपरोक्त परियोजना के लिए योग्य, अनुभवी और प्रतिष्ठित ओईएम/अधिकृत डीलरों/सिस्टम इंटीग्रेटर्स से बिना शर्त सीलबंद निविदाएं (तकनीकी और वित्तीय निविदाएं) आमंत्रित करता है। विस्तृत आरएफपी, पात्रता मानदंड और जमा करने के दिशानिर्देश यहां उपलब्ध हैं: https://www.icai.org/post/icai-eoi-tenders जमा करने की अंतिम तिथि: 13 अप्रैल 2026 सायं 5:00 बजे तक। आईसीएआई बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

सचिव, आईसीएआई

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, अलीगढ़ वृत्त, लो०नि०वि०, अलीगढ़

अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना (प्रेस विज्ञप्ति)

पत्रांक-1766/केशिया (निविदा0830)-अल्प0-2025-26 दिनांक - 19.03.2026

1. महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अलीगढ़ वृत्त, लो.नि.वि., अलीगढ़, द्वारा निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु सुसंगत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मदवार दरों के आधार पर ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिए न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा निर्देशिका के क्लॉज 6 का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें।

क्र.सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	निर्माण की अनुमानित लागत	5 वर्ष के अनुरक्षण की अनुमानित लागत (लाख रु. में)	कुल अनुमानित लागत (लाख रु. में)	धरोहर धनराशि (लाख रु.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता के कार्यालय का पता	मुख्य अभियन्ता कार्यालय का पता	ठेकेदारों की श्रेणी/अनिवार्य पंजीकरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
स्वीकृति की प्रत्याशा में												
1	कासगंज	जनपद कासगंज में [illegible] का कार्य	1130.00	28.25	1158.25	23.17	2000 + 360 + 414 Rs. 2774.00	12 माह	अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., कासगंज	अधीक्षण अभियन्ता, अलीगढ़ वृत्त, लो.नि.वि. अलीगढ़	मुख्य अभियन्ता, अलीगढ़ क्षेत्र, लो.नि.वि., अलीगढ़	श्रेणी ए

2. कार्य पूर्ण करने की अवधि में वर्षा ऋतु भी सम्मिलित है एवं बिड अपलोड करने की तिथि से 120 दिन तक बिड स्वीकृति हेतु वैध रहेगी।
3. अनुबन्ध गठन के समय प्रथम न्यूनतम निविदादाता को जमानत धनराशि एवं अतिरिक्त जमानत धनराशि शासनादेश सं0-692/23-7-2024 लो0नि0वि0, अनुभाग-7, लखनऊ दिनांक 09.08.2024 के अनुसार जमा करनी होगी तथा यदि भविष्य में उच्च स्तर से कोई भी आदेश/निर्देश प्राप्त होते हैं तो तदनुसार मान्य होगी।
4. वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डॉक्यूमेन्ट्स ऑन लाइन देखे जा सकते हैं तथा दिनांक 07.04.2026 से 16.04.2026 तक देखे जा सकेंगे। ऑनलाइन बिड दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 12:00 बजे या इससे पूर्व ई-निविदा http://etender.up.nic.in पर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन जमा कर दी जाये। ऑनलाइन प्राप्त समस्त निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनांक 16.04.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।
5. शासनादेश संख्या-17/2024/980-113/23-1-2024-23-1099/113/2023 दिनांक 16.01.2024 एवं प्रमुख अभियन्ता 3090 लो0नि0वि0 लखनऊ का पत्रांक-3669/[illegible]/पूल-23-24 दि0 17.02.2024 के क्रम में अनुबन्ध में 05 वर्षीय अनुरक्षण का प्रावधान होगा।

(नन्द किशोर)
अधिशासी अभियन्ता
नि0खं0, लो.नि.वि., कासगंज

UPID 249032
dt 27.03.2026.
www.upgov.nic.in

(प्रभात कुमार चौधरी)
अधीक्षण अभियन्ता
अलीगढ़ वृत्त, लो.नि.वि., अलीगढ़

नेवल शिप रिपेयर यार्ड (Koc) और नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (Koc) में नामित ट्रेडों में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण के लिए नामांकन

1. कोपा, इलेक्ट्रीशियन, ई-मैक, फिटर, एमसीटी, एमएमवी, एमआरएसी, टर्नर, वेल्डर, आई-मैक, फाउंड्रीमैन, एसएमडब्ल्यू, एसडब्ल्यूडब्ल्यू, ड्राफ्ट्समैन (सिविल एंड मैक), एमए, ई-प्लेटर, प्लंबर, डीजल-मैक, टेलर और पेंटर ट्रेडों में एक वर्ष की अवधि के लिए अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण हेतु कुल 240 रिक्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।
2. **आरक्षण** : नियमों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग, शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए 3%।
3. **पात्रता** : मैट्रिक / दसवीं कक्षा में न्यूनतम 50% अंक और संबंधित ट्रेड में कुल 65% अंकों के साथ आईटीआई परीक्षा (अनंतिम राष्ट्रीय ट्रेड सर्टिफिकेट स्वीकार्य)। आयु 01 जून 26 को 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन** : आवेदन नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार, केवल इंडिया पोस्ट द्वारा 'द एडमिरल सुपरिंटेंडेंट (अधिकारी-प्रभारी एटीएस), अप्रेंटिस ट्रेनिंग स्कूल, नेवल शिप रिपेयर यार्ड, नेवल बेस, कोच्चि-682004' को संबोधित करते हुए भेजा जाना है। आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 26 है।
5. **साक्षात्कार / चिकित्सा परीक्षण का कार्यक्रम:** उम्मीदवारों का शॉर्टलिस्टिंग मैट्रिक / दसवीं कक्षा और आईटीआई के कुल प्रतिशत के आधार पर किया जाएगा। साक्षात्कार और चिकित्सा परीक्षण की निश्चित तिथि कॉल-अप लेटर में इंगित की जाएगी।
6. **रोजगार** : प्रशिक्षण पूरा होने पर नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कोच्चि के लिए अप्रेंटिस को रोजगार देना अनिवार्य नहीं है।

इच्छुक उम्मीदवार विस्तृत जानकारी के लिए आरडीएसडी एंड ई वेबसाइट और रोजगार समाचार देख सकते हैं। संपर्क नंबर: 0484-2874356।

CBC 10702/11/0087/2526

जीएसटी
करदाता ध्यान दें!

जिन करदाताओं का सकल वार्षिक टर्नओवर# एक विनिर्दिष्ट सीमा* तक है वे वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जीएसटी कंपोजिशन योजना का विकल्प 31 मार्च, 2026 तक चुन सकते हैं।

वित्त मंत्रालय MINISTRY OF FINANCE

जीएसटी कंपोजिशन योजना

पात्र करदाता, जो कंपोजिशन योजना का लाभ उठाने के इच्छुक हैं, वे जीएसटी पोर्टल (www.gst.gov.in) पर निम्न प्रक्रिया द्वारा कंपोजिशन योजना का विकल्प चुन सकते हैं:

करदाता इंटरफेस पर लॉगिन करें

SERVICES > REGISTRATION > APPLICATION TO OPT FOR COMPOSITION LEVY पर जाएं

फॉर्म GST CMP-02 भर कर जमा करें

पहले से कंपोजिशन योजना का लाभ उठा रहे पात्र करदाताओं को फॉर्म GST CMP-02 दाखिल करना आवश्यक नहीं है

- आसान और सुविधाजनक अनुपालन
- आकर्षक कर दरें
- न्यूनतम अनुपालन आवश्यकताएं
- स्वतः नवीकरण और योजना को छोड़ना भी सरल
- माल एवं सेवाओं की आपूर्तिकर्ताओं के लिए उपलब्ध
- कम बही खातों की आवश्यकता

* आपूर्तिकर्ताओं के प्रकार		# वित्त वर्ष 2025-26 में सकल वार्षिक टर्नओवर
माल के आपूर्तिकर्ता	08 विनिर्दिष्ट राज्यों में पंजीकृत करदाता	₹75 लाख तक
	अन्य राज्यों में पंजीकृत करदाता	₹150 लाख तक
सेवाओं के आपूर्तिकर्ता		₹50 लाख तक

अधिक जानकारी के लिए कृपया जीएसटी अधिनियम की धारा 10, सीजीएसटी नियम 3 से 7 और अधिसूचना सं. 14/2019 केन्द्रीय कर दिनांक 07.03.2019, को देखें।

जीएसटी कंपोजिशन योजनाः छोटे करदाताओं के लिए बड़े लाभ

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india

CBC 15502/13/0052/2526

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH12 User: cci Time: 03-29-2026 23:53 Color:

262

रन का टारगेट चेज किया था पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ साल 2024 IPL में। यह IPL में सबसे बड़े चेज का रेकॉर्ड है

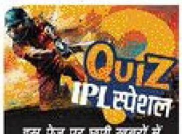

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. **IPL-19 में राजस्थान रॉयल्स की कप्तान कौन है?**
A) यशस्वी जायसवाल B) ध्रुव जुरेल C) रियान पराग D) रविंद्र जाडेजा

2. **IPL इतिहास में चेज करते हुए 4000+ रन बनाने वाले पहले बैटर कौन है?**
A) डेविड वॉर्नर B) रोहित शर्मा C) महेंद्र सिंह धोनी D) विराट कोहली

कल के जवाब
1. B) अलेक्जेंडर ज्वेरेव
2. A) मुंबई

लकी WINNER

1. गौरव छाबड़ा, शालीमार बाग
2. शैलेंद्र चतुर्वेदी, लखनऊ, उ. प्र.
3. गणेश कोले, भिवंडी, महाराष्ट्र

अब आप अपने जवाब हमें
!!!अलर्ट!!!!
8796958780
पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम, तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

भारतीय बॉक्सर उतरेंगे

■ **उलानबटोर:** भारतीय बॉक्सर सोमवार से यहां शुरू हो रही एशियन चैंपियनशिप में उतरेंगे। इस टूर्नामेंट के जरिए नए व्यस्त सीजन की शुरुआत होगी जिसमें जुलाई-अगस्त में ग्लास्गो में कॉमनवेल्थ गेम्स, सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियन गेम्स और उज्बेकिस्तान में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स होने हैं।

वर्ल्ड वुशू में चमके

■ **तियानजिन:** भारतीय खिलाड़ियों ने 10वीं वर्ल्ड वुशू चैंपियनशिप में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते जबकि चार अन्य भी अलग-अलग वर्ग में फाइनल में पहुंच गए। अनु लड़कियों के वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की झाव लिनिंग के सामने थीं, लेकिन वह कड़े मुकाबले में हार गईं। गौतम मनकास ब्रॉन्ज से संतोष करना पड़ा।

सा.अफ्रीका को बढ़त

■ **क्राइस्टचर्च:** साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने वनडे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अगले मुकाबले 1 और 4 अप्रैल को वेलिंग्टन में खेले जाने हैं।

लक्ष्मण,दिलीप जुड़े

■ **बेंगलुरु:** बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फील्डिंग कोचों के लिए एक व्यापक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें क्लासरूम सेशन और ऑन-फील्ड मॉड्यूल दोनों शामिल थे। वीवीएस लक्ष्मण, टी दिलीप, मुनीश बाली, शुभदीप घोष इस वर्कशॉप से जुड़े और उन्होंने अपने अनुभव बांटे।

आडवाणी सेमीफाइनल में

■ **लुधियाना:** पंकज आडवाणी ने 9-बॉल पूल नैशनल चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल्स में जगह बना ली। उन्होंने पीयूष कुशवाहा को 9-3 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में नितिन शर्मा का सामना एस. श्रीकृष्णा से होगा।

मुंबई इंडियंस ने कोलकाता पर 6 विकेट से हासिल की जीत

रोहित-रिकेल्टन के धमाके में उड़ गए नाइटराइडर्स

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली/मुंबई:** इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की पहली रात अगर विराट कोहली के नाम हुई तो दूसरी भारतीय क्रिकेट के एक अन्य सितारे रोहित शर्मा के नाम रही। 'हिटमैन' रोहित ने वानखेड़े के मैदान पर कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 38 गेंद पर 6 फोर और 6 सिक्स से सजी 78 रन की पारी खेलकर मुंबई इंडियंस की 6 विकेट से जीत की कहानी लिखी। इसमें उन्हें साथ मिला साउथ अफ्रीका के ओपनर रेयान रिकेल्टन का, जिन्होंने दूसरे छोर से 81 रन (43 बॉल, 4 फोर, 8 सिक्स) की पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई इंडियंस ने अपने IPL इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। कोलकाता नाइटराइडर्स ने नौ विकेट पर 220 रन बनाए थे, जिसे मुंबई ने चार विकेट खोकर पांच गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ मुंबई ने लीग में पहला मैच गंवाने के सिलसिले को भी तोड़ा। साल 2012 के बाद यह पहला सीजन है जिसकी शुरुआत उसने जीत के साथ की है।

रहाणे की क्लासिक पारी: इससे पहले, लंबे समय से इंटरनैशनल क्रिकेट से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे ने 67 रन की क्लासिक पारी खेली। उनके अलावा युवा अंगकृष रघुवंशी ने भी 29 गेंद पर 51 रन की पारी खेली, जिसकी बदौलत कोलकाता ने चार विकेट पर 220 रन का विशाल टोटल खड़ा किया। मुंबई ने लीग के इतिहास में इतना बड़ा लक्ष्य कभी हासिल नहीं किया था। उसके द्वारा हासिल किया गया सबसे बड़ा टारगेट 219 था जो उसने 2021 में दिल्ली में चेन्नै सुपरकिंग्स के खिलाफ पाया था। यहां बड़े लक्ष्य के खिलाफ उसने नर्वस शुरुआत की। शुरुआती दो ओवर में 15 रन तो आए लेकिन यहां किस्मत की भूमिका ज्यादा रही, लेकिन तीसरे ओवर में जैसे ही रोहित ने वैभव पर सिक्स जड़ा, दोनों ओपनर पूरी लय में आ गए। रोहित ने पावरप्ले में ही 23 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली, जो उनके IPL करियर की सबसे तेज फिफ्टी रही। वहीं टीम के खाते में बिना विकेट गंवाए 80 रन आ गए।

तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी: मुंबई के पास विकल्प था कि वह रोहित के साथ अनुभवी क्विंटन डीकॉक को पारी के आगाज के लिए चुनता, लेकिन उसने रिकेल्टन पर दांव खेला, जो एकदम सही बैठा। रिकेल्टन ने शुरुआत थोड़ी धीमी की और पावरप्ले में सिर्फ 28 रन बनाए। लेकिन फिर उन्होंने अगली 11 गेंदों पर 22 रन बनाकर कुल 24 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर ली। रिकेल्टन ने पारी और तेज करते हुए 11 ओवर के अंत तक अपना स्कोर भी 33 गेंद पर 66 कर दिया, वहीं दूसरे छोर पर रोहित 34 गेंद पर 67 रन बनाकर खड़े थे। रोहित 12वें ओवर में आउट हुए लेकिन तब तक दोनों के बीच 148 रन की साझेदारी हो चुकी थी।

Kaushik Naik

148
रन की साझेदारी की रोहित और रिकेल्टन (बाएं) ने। यह IPL में मुंबई के लिए किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है

शार्दुल का गोल्डन आर्म

मुंबई मैच में जसप्रीत बुमरा, ट्रेंट बोल्ट, हार्दिक पंड्या जैसे स्टार पेसर्स के साथ उतरी थी लेकिन कोलकाता के रनों पर लगाम और विकेट निकालने का का काम गोल्डन आर्म वाले मीडियम पेसर शार्दुल ठाकुर ने किया। शार्दुल ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में आकर खतरनाक फिन एलेन को आउट किया। वह जब दोबारा नौवें ओवर में अटैक पर लौटे तो इस बार उन्होंने कैमरन ग्रीन को अपना शिकार बनाया। मुंबई की टीम को मिली यह दूसरी सफलता रही। इस बीच रहाणे ने पारी के 10वें ओवर में 27 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की, जो उनके IPL करियर की 34वीं हाफ सेंचुरी रही। रहाणे अगली 13 गेंदों पर सिर्फ 17 रन ही बना सके। अगली 15 गेंदों तक बाउंड्री का सूखा रहा। हालांकि विकेट नहीं गिर रहे थे और ऐसे में एक बार फिर अपना तीसरा ओवर लेकर 14वें ओवर में अटैक पर आए शार्दुल ने फिर जादू चलाया और रहाणे का विकेट निकालकर टीम को बड़ी राहत दिलाई।

78 रन बनाए कोलकाता नाइटराइडर्स ने पावरप्ले में। यह मुंबई इंडियंस के खिलाफ किसी टीम द्वारा पावरप्ले में बनाए गए चौथे सर्वाधिक रन हैं

25 रन लुटाए हार्दिक ने अपने दूसरे ओवर में। यह IPL में उनका दूसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। उनका सबसे महंगा ओवर 26 रन का है

स्कोरकार्ड

KKR: अजिंक्य रहाणे कॉ हार्दिक बो शार्दुल 67, फिन एलेन कॉ तिलक बो शार्दुल 37, कैमरन ग्रीन कॉ रदरफोर्ड बो शार्दुल 18, अंगकृष रघुवंशी कॉ तिलक बो हार्दिक 51, रिंकू सिंह नॉट आउट 33, रमनदीप सिंह नॉट आउट 4 **एक्स्ट्राज:** 10 **टोटल:** 20 ओवर्स में 4 विकेट पर 220 रन **विकेट:** 1-69, 2-109, 3-145, 4-205 **बोलिंग:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-38-0, हार्दिक पंड्या 3-0-39-1, एएम गजनफर 4-0-51-0, जसप्रीत बुमरा 4-0-35-0, शार्दुल ठाकुर 4-0-39-3, मयंक मार्कंडे 1-0-16-0

MI: रयान रिकेल्टन रन आउट 81, रोहित शर्मा कॉ अनुकूल बो वैभव 78, सूर्यकुमार यादव कॉ रिंकू बो कार्तिक 16, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या **एक्स्ट्राज** 6 **टोटल** 19.1 ओवर्स में चार विकेट पर 224 रन **विकेट:** 1-148, 2-179, 3-184, 4-215 **बोलिंग:** वैभव अरोड़ा 4-0-52-1, ब्लेसिंग मुजरबानी 3-0-34-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-48-0, कार्तिक त्यागी 4-0-43-1, सुनील नरेन 3-0-30-1, अनुकूल रॉय 1.1-0-15-0

ब्रेक बना देता है विराट को फ्रेश

■ **एजेंसियां, बेंगलुरु:** IPL 2026 के आगाज में नाबाद अर्धशतक जमाने वाले विराट कोहली ने अपनी लय का श्रेय नियमित ब्रेक को दिया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 38 गेंद में 69* रन (5 फोर, 5 सिक्स) की पारी खेलकर उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से जीत दिलाई। विराट ने कहा कि लगातार क्रिकेट खेलने के बाद ब्रेक लेने से मानसिक और शारीरिक ताजगी मिलती है। उनके मुताबिक, 'जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली। अगर आप शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा होकर खेलते हैं तो टीम के लिए योगदान दे सकते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि हालिया वनडे सीरीज ने उनकी लय वापस दिलाई।

जारी है जलवा

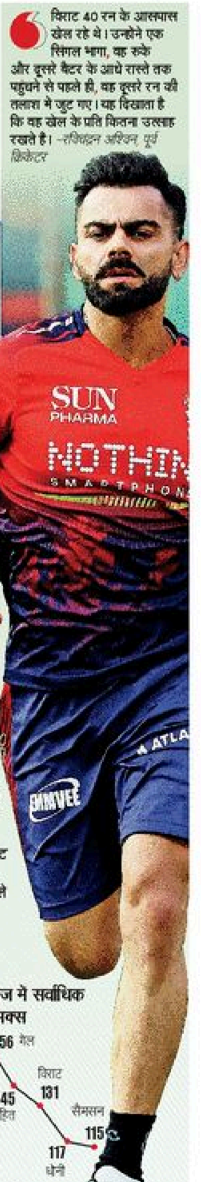

विराट 40 रन के आसपास खेल रहे थे। उन्होंने एक सिंगल भागा, वह रुके और दूसरे बैटर के आधे रास्ते तक पहुंचने से पहले ही, वह दूसरे रन की तलाश में जुट गए। यह दिखाता है कि वह खेल के प्रति कितना उत्साह रखते हैं। *-रविचंद्रन अश्विन, पूर्व क्रिकेटर*

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

कमाल की लय में कोहली

विराट टेस्ट और टी20इंटरनैशनल से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे व IPL के रूप में टी20 फॉर्मेट में शिरकत करते हैं। उनके अधिकतर मैच लंबे अंतराल के बाद होते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके बल्ले की धार में कोई कमी नहीं आई है और वह तेजी से रन जुटा रहे हैं। अगर उनकी पिछली 10 वाइट बॉल इनिंग्स पर नजर डालें, तो उनकी लय का पता लगता है। उन्होंने पिछली 10 इनिंग्स में 893 रन बनाए हैं। उनका बैटिंग औसत 127.5 और स्ट्राइक रेट 116.42 रहा है। इन 10 इनिंग्स के दौरान वो केवल एक बार 50 से कम रन पर आउट हुए हैं, जबकि उन्होंने पांच बार अर्धशतक और चार बार शतक जमाया है। उनके बल्ले से 83 फोर और 25 सिक्स भी निकले हैं यानी वह प्रति पारी 8.3 फोर और 2.5 सिक्स लगाते हैं।

टेस्ट में फिर कमान संभाले विराट: रायुडू

भारत के पूर्व बैटर अंबाति रायुडू

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** भारत के पूर्व क्रिकेटर अंबाति रायुडू ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि विराट जिस तरह से वनडे में बैटिंग कर रहे हैं और IPL में भी अपनी फॉर्म जारी रखे हुए हैं, वह काफी कमाल है। रायुडू के मुताबिक विराट में अभी पांच से छह साल का इंटरनैशनल क्रिकेट बाकी है।

एक्सपर्ट की राय

उन्होंने कहा, 'IPL में उनका बेस्ट आना बाकी है। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए, एक कप्तान के तौर पर। वह भारतीय क्रिकेट में सबसे अच्छे रेड बॉल के कप्तान रहे हैं, जिन्हें मैंने देखा है। विराट को ऐसा करना चाहिए, क्योंकि जिस तरह से वह बैटिंग कर रहे हैं, भारतीय क्रिकेट को उनकी बहुत जरूरत है। उनके अंदर पांच से छह साल का क्रिकेट करियर दिखाई देता है।'

IPL 2026 POWER स्टैट्स

चेज के सुपरस्टार

टारगेट का पीछा करते वक्त विराट कोहली का बैट हर बार नई कहानी लिखता है। IPL-19 के शुरुआती मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली गई 69* रन की पारी के दौरान विराट रन चेज में IPL में 4000 रन बनाने वाले लीग इतिहास के पहले बल्लेबाज बन गए।

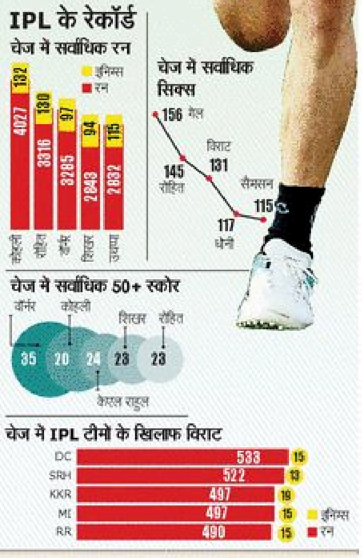

रॉयल्स-सुपरकिंग्स के बीच आज सीज़न की पहली भिड़ंत

■ **एजेंसियां, गुवाहाटी:** संजू सैमसन आज उसी राजस्थान रॉयल्स टीम टीम के खिलाफ चेन्नै सुपरकिंग्स (CSK) की जर्सी में नजर आएंगे जिसकी उन्होंने काफी समय तक अगुआई की। दूसरी ओर लंबे समय तक CSK का हिस्सा रहे रविंद्र जाडेजा अब राजस्थान रॉयल्स (RR) की ओर से चेन्नै के खिलाफ मैदान पर होंगे। जिस तरह से चेन्नै की पहचान महेंद्र सिंह धोनी है, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे। चेन्नै इस मैच के जरिए राजस्थान पर अपने पुराने दबदबे को भी फिर से बनाना चाहेगी। पिछले 10 मैचों में से चेन्नै की टीम सिर्फ दो बार ही राजस्थान पर जीत हासिल कर पाई है।

नए चेहरे भी हैं तैयार: सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी तीन मैचों में भारत की खिताबी जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई। वह कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे। धोनी टीम के साथ गुवाहाटी नहीं पहुंचे हैं और उनकी गैर मौजूदगी में सैमसन तथा गायकवाड़ पर नजरें रहेंगी।

रविंद्र जाडेजा · संजू सैमसन

टेलिकास्ट: शाम 7.30 बजे से, स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क, जियोहॉटस्टार पर

पिच व मौसम
बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम आमतौर पर पहले बोलिंग करने वाली टीमों के पक्ष में माना जाता है, क्योंकि ओस (ड्यू) के कारण फ्लड लाइट में लक्ष्य का पीछा करना ज्यादा आसान हो जाता है। इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम का औसत स्कोर 150-160 है। सोमवार को मैच के दौरान बारिश का पूर्वानुमान भी है।

संभावित प्लेइंग XI
राजस्थान रॉयल्स: यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (कप्तान), शिमरॉन हेटमायर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जाडेजा, दसुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, एडम मिल्ने
इम्पैक्ट प्लेयर: अमन राव पेराला
चेन्नै सुपरकिंग्स: संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), आयुष म्हात्रे, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवर्टन, अंशुल कंबोज, राहुल चाहर, नूर अहमद, खलील अहमद
इम्पैक्ट प्लेयर: कार्तिक शर्मा

टीम की बोलिंग से विटोरी नाखुश

■ **एजेंसियां, बेंगलुरु:** सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के हेड कोच डेनियल विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली हार के लिए गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया। विटोरी ने कहा कि उनकी टीम गेंदबाजी में अच्छा नहीं कर पाई। उन्होंने माना कि बोलर उतने अनुशासित नहीं थे और सही लाइन-लेंथ पर बोलिंग नहीं कर सके, जिससे RCB के बैटर्स को आसानी से रन बनाने के मौके मिले। उन्होंने कहा, 'टीम ने शुरुआत में फिल सॉल्ट का विकेट लेकर अच्छा मौका बनाया था, लेकिन टीम के गेंदबाज उस दबाव को कायम नहीं रख सके।' विटोरी के अनुसार, कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए जीत को हैदराबाद से दूर कर दिया।

IPL रिएक्शंस

हैदराबाद के हेड कोच डेनियल विटोरी

पीएम ने J&K की रणजी टीम को सराहा

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर (J&K) की क्रिकेट टीम की तारीफ की। पीएम ने कहा, 'लंबे इंतजार के बाद इस टीम ने पहला रणजी खिताब जीता। यह अभूतपूर्व सफलता प्लेयर्स के कई बरसों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। J&K के कप्तान पारस डोगरा ने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया।'

मन की बात

PM नरेंद्र मोदी

सोशल विंडो

महेंद्र सिंह धोनी

पूरी तरह दूरी बना रहे हैं 'थाला'

■ **नई दिल्ली:** चेन्नै सुपरकिंग्स की 'आत्मा' की तरह रहे महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन के शुरुआती दो हफ्तों तक मैदान पर नहीं दिखेंगे। यह भी तय नहीं कि वह आगे भी वह लौटेंगे या नहीं। इस बीच टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने बताया कि धोनी अब चेन्नै सुपरकिंग्स के 'टीम डिस्कशन' का भी हिस्सा नहीं बनते। कोई रणनीति बन रही हो तो वहां भी धोनी उपस्थित नहीं रहना चाहते।

मेरी बातें मत मानो: धोनी का नजरिया बिल्कुल साफ है कि टीम मैनेजमेंट के कामकाज में अब कोई दखलअंदाजी नहीं। रुतुराज बताते हैं, 'धोनी ने साफ तौर पर कहा है कि अगर तुम मुझसे सलाह मांगते भी हो, तो यह जरूरी नहीं कि उसे मानो ही।' धोनी का यह अप्रोच उनके पेशेवर नैतिकता के बारे में बताता है। हालांकि, सुपरकिंग्स के फैंस को अपने 'थाला' धोनी का इस तरह टीम से दूरी बनाना अच्छा नहीं लग रहा है। रुतुराज के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर यह भी चर्चा तेज हो गई है कि क्या थाला अब पूरी तरह रिटायर हो चुके हैं? क्या वह इस सीजन में थाला को खेलते हुए देख सकेंगे? क्या वह कोई फेयरवेल मैच भी नहीं खेलेंगे?

इटली के युवा सनसनी किमी ने जीती दूसरी रेस

■ **एपी, सुजुका:** मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (एफ-1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सीजन की ड्राइवर की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी।'

जापानी ग्रां प्री

इटली के किमी एंटोनेली

IOC के फैसले से निराश है सेमेन्या

■ **एपी, केपटाउन:** दो बार की ओलिंपिक्स चैंपियन ऐथलीट कैस्टर सेमेन्या ने इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी (IOC) की प्रेसिडेंट किर्स्टी कोवेंट्री के उस फैसले पर निराशा व्यक्त की जिसमें ओलिंपिक्स में 'ट्रांसजेंडर' खिलाड़ियों के प्रतिस्पर्धा करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साउथ अफ्रीका की सेमेन्या ने कहा कि उन्हें कोवेंट्री जैसी महिला अध्यक्ष से इस फैसले की उम्मीद नहीं थी जो खुद अफ्रीका से हैं। कोवेंट्री जिम्बाब्वे की हैं।

ऐथलीट कैस्टर

आखिरी दिन शानदार वापसी से एलेक्स ने जीता खिताब

■ **एजेंसियां, गुरुग्राम:** इंग्लैंड के एलेक्स फिट्जपैट्रिक ने शानदार वापसी करते हुए चार शॉट्स की बढ़त से हीरो इंडियन ओपन खिताब अपने नाम किया, जो उनका पहला डीपी वर्ल्ड टूर खिताब है। उन्होंने जब आखिरी दिन की शुरुआत की तो वह बीती रात टॉप पर चल रहे और गत चैंपियन यूजेनियो चाकारा से चार शॉट पीछे थे। हालांकि, 18वें होल तक वह चार शॉट्स की बढ़त बनाए थे। एलेक्स ने आखिरी होल में डबल बोगी की, लेकिन तब तक वह ट्रॉफी जीतने के लिए दो शॉट्स की बढ़त बना चुके थे। इंग्लैंड के फिट्जपैट्रिक ने 585 पॉइंट्स भी हासिल किए और रेस-टु-दुबई रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए।

इंडियन ओपन गोल्फ

विजेता एलेक्स फिट्जपैट्रिक

प्रो-बॉक्सिंग रिंग में दिखेंगी मेरी कॉम!

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** ओलिंपिक्स मेडलिस्ट एमसी मेरी कॉम ने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही प्रफेशनल बॉक्सिंग में कदम रख सकती हैं। ओलिंपिक्स में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज मेरी ने कहा कि अब अमेचर सर्किट में खेलना उनके लिए मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'छह वर्ल्ड टाइटल जीतना खास रहा, लेकिन अब प्रो-बॉक्सिंग एक नया मौका हो सकता है।' मेरी ने कहा कि वह मेहनत के साथ वापसी की तैयारी में जुटी हैं।

मेरी कॉम

दबदबा कायम रखते हुए सबालेंका बनी चैंपियन

■ **एजेंसियां, मियामी:** वर्ल्ड नंबर-1 आरिना सबालेंका ने कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर मियामी ओपन टेनिस में विमिंस सिंगल्स का खिताब जीता। इसके साथ ही उन्होंने 'सनशाइन डबल' (एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतना) भी पूरा किया। सबालेंका साल 2022 में इगा स्वियातेक के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। सबालेंका ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक सेट गंवाया और लगातार दूसरे साल खिताब जीतकर सेरेना विलियम्स के बाद ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।

मियामी ओपन

वर्ल्ड नंबर-1 आरिना सबालेंका

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH13 User: cci Time: 03-29-2026 23:23 Color:

वॉर अपडेट

भारत ने श्रीलंका को भेजा ईंधन

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम भेजा है। इस खेप में 20,000 टन डीजल और 18,000 टन पेट्रोल शामिल है, जो 28 मार्च को कोलंबो पहुंची। यह मदद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति की बातचीत के बाद दी गई। श्रीलंका ने मदद पर आभार जताया।

रूस ने ईरान की मदद की: जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरानी हमलों में मदद की। उनके अनुसार, रूसी सैटलाइट्स ने हमले से पहले खाड़ी क्षेत्र के अमेरिकी एयरबेस की तस्वीरें लीं और यह खुफिया जानकारी ईरान के साथ साझा की गई।

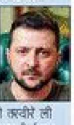

बहरीन में हमलों के बीच समुद्री कर्फ्यू

ईरान के हमलों के बीच बहरीन ने समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए कर्फ्यू लागू किया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, यह कर्फ्यू शाम 6 बजे से सुबह 4 बजे तक लागू रहेगा। सरकार ने कहा कि यह कदम नाविकों की सुरक्षा और देश के तटीय क्षेत्रों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

'लेबनान सीमा पर सुरक्षा बढ़ाएं'

इस्राइल के पीएम नेतन्याहू ने दक्षिणी लेबनान में बफर जोन को और बढ़ाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मकसद इस्राइल की उत्तरी सीमा पर सुरक्षा को और मजबूत करना है। बफर जोन वह इलाका होता है, जो दो दुश्मन या तनाव वाले क्षेत्रों के बीच सुरक्षा के लिए खाली या नियंत्रित रखा जाता है, ताकि सीधे टकराव से बचा जा सके।

केंद्र की अपील, पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार, अफवाहों से बचें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में युद्ध से बने हालात में अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील करते हुए सरकार ने रविवार को कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार है। केंद्र ने कहा कि यूरिया प्लांट्स को उनकी औसत खपत के 75% के बराबर गैस सप्लाई की जा रही है। वहीं, होर्मुज स्ट्रेट पार कर 2 जहाज भारत की ओर आ रहे हैं, जिन पर करीब 94000 टन LPG है। केंद्र ने देश में LPG सिलिंडर की डिलीवरी सामान्य होने की बात कही।

सरकार ने कहा, 'दो जहाज BW TYR और BW ELM सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं और भारत आ रहे हैं। इन पर करीब 94000 टन LPG है। BW TYR 31 मार्च को मुंबई पहुंचने वाला है। BW ELM के 1 अप्रैल को न्यू मैंगलोर पोर्ट पहुंचने की संभावना है।'

होर्मुज स्ट्रेट से कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी के आयात में बाधा से घरेलू और कमर्शल उपभोक्ताओं को ईंधन सप्लाई में चुनौती बढ़ी है, वहीं खेती-बाड़ी के लिए उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर भी चिंता पैदा हुई है। उर्वरक कारखानों में मुख्य रूप से LNG का इस्तेमाल होता है।

> LPG सिलिंडर की डिलीवरी सामान्य हो रही: केंद्र

सरकार ने रविवार को कहा, 'यूरिया प्लांट्स को पिछले 6 महीनों की उनकी औसत खपत के 70-75% के बराबर सप्लाई की जा रही है।' पेट्रोल-डीजल पर सरकार ने कहा कि अफवाहों के चलते कुछ इलाकों में खरीदारी के लिए आपाधापी दिखी है। अफवाहों से बचने की अपील करते हुए सरकार ने कहा कि देश में सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल और डीजल है।

हाल ही में जग वसंत जहाज LPG लेकर भारत पहुंचा। File

'कोई कमी नहीं'

'एक दिन में 55 लाख सिलिंडर दिए गए'

LPG और PNG के बारे में सरकार ने कहा कि मार्च में अब तक 2.9 लाख से ज्यादा LPG उपभोक्ता PNG पर शिफ्ट हो चुके हैं। इनमें डोमेस्टिक और कमर्शल, दोनों तरह के उपभोक्ता हैं। सरकार ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थितियों के चलते LPG सप्लाई प्रभावित है, लेकिन देश में किसी भी LPG डिस्ट्रिब्यूटरशिप पर सिलिंडर खत्म नहीं हुए हैं। सरकार ने कहा कि शनिवार तक एलपीजी सिलिंडर बुकिंग में ऑनलाइन बुकिंग का हिस्सा बढ़कर 94% हो गया था और शनिवार को 55 लाख से अधिक LPG सिलिंडर दिए गए। सप्लाई बनाए रखने के लिए अतिरिक्त LNG और RLNG मंगाई जा रही है।

पश्चिम एशिया में टकराव तेज़, ज़मीनी जंग की तैयारी में US

3500 मरीन कमांडो के साथ अमेरिकी वॉरशिप USS Tripoli पहुंचा

संघर्ष के बीच US ने अपनी सैन्य मौजूदगी तेजी से बढ़ा दी है। USS Tripoli शिप के साथ 3,500 मरीन और नाविकों की तैनाती ने हालात को और संवेदनशील बना दिया है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब ईरान के साथ टकराव को एक महीना पूरा हो चुका है और क्षेत्रीय तनाव चरम पर है। अमेरिकी कमांड के मुताबिक यह तैनाती रणनीतिक विकल्प बढ़ाने के लिए है, लेकिन इसके साथ ही जमीनी हमले की आशंकाएं भी तेज हो गई हैं।

NBT EXPLAINER

Q अमेरिका ने अचानक सैन्य तैनाती क्यों बढ़ाई?
अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य ताकत बढ़ाई है ताकि बदलते हालात में उसके पास ज्यादा रणनीतिक विकल्प मौजूद रहें। यूएस सेंट्रल कमांड के अनुसार USS Tripoli की तैनाती इसी रणनीति का हिस्सा है। यह कदम ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच उठाया गया है।

Q क्या अमेरिका जमीनी युद्ध की तैयारी कर रहा है?
इस तैनाती के बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि अमेरिका ईरान में संभावित जमीनी ऑपरेशन की तैयारी कर सकता है। हालांकि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि उनका इरादा ईरान की जमीन पर सैनिक भेजने का नहीं है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक पेंटागन कई विकल्पों पर काम कर रहा है।

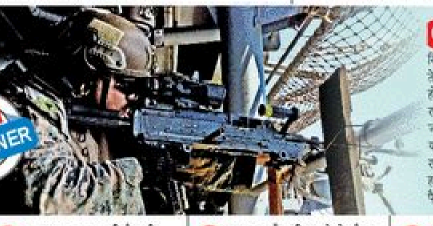

Q किन जगहों पर कार्रवाई की चर्चा है?
रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास के इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इन जगहों पर नियंत्रण या दबाव बनाना अमेरिका की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, हालांकि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

Q USS Tripoli की तैनाती कितनी अहम है?
USS Tripoli एक अत्याधुनिक असॉल्ट शिप है, जिसमें करीब 3,500 मरीन और नाविक मौजूद हैं। इसके साथ फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हमले के लिए जरूरी हथियार भी हैं। यह जहाज जमीन और समुद्र दोनों से ऑपरेशन करने में सक्षम है।

Q क्या यह तैनाती पहले से मौजूद अमेरिकी फोर्स से अलग है?
यह तैनाती पहले से मौजूद लगभग 50,000 अमेरिकी सैनिकों के अतिरिक्त है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे साफ है कि अमेरिका धीरे-धीरे अपनी सैन्य मौजूदगी को और मजबूत कर रहा है। साथ ही USS Boxer और अन्य जहाजों को भी क्षेत्र में भेजा जा रहा है।

Q अमेरिका की रणनीति क्या है- युद्ध या कूटनीति?
विशेषज्ञों के अनुसार, US की रणनीति फिलहाल दोहरी दिख रही है। एक तरफ सैन्य तैनाती बढ़ाकर दबाव बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बातचीत के संकेत भी दिए जा रहे हैं। वहीं ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, हालांकि तेहरान ने इन दावों को नकारा है।

एक ओर बातचीत, दूसरी तरफ हमले की तैयारी में US: ईरान

■ NBT रिपोर्ट

ईरान ने साफ संकेत दिए हैं कि अगर अमेरिका जमीनी हमला करता है तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर गालिबाफ ने आरोप लगाया कि अमेरिका एक तरफ बातचीत की बात कर रहा है, जबकि दूसरी तरफ 'चुपके से' जमीनी ऑपरेशन की तैयारी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि ईरान की सेना अमेरिकी सैनिकों के जमीन पर उतरने का इंतजार कर रही है और ऐसा होने पर उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने इसे अमेरिका की दोहरी नीति बताया- जहां सार्वजनिक तौर पर बातचीत के संदेश दिए जा रहे हैं, वहीं सैन्य विकल्प भी तैयार रखे जा रहे हैं।

> बोले, आने वाले कठिन समय के लिए तैयार रहना होगा

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका उन लक्ष्यों को बातचीत के जरिए हासिल करना चाहता है, जिन्हें वह युद्ध में पाने में असफल रहा। उनके मुताबिक, वॉशिंगटन अपनी शर्तों को 15 बिंदुओं की सूची के रूप में पेश कर ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

ईरानी स्पीकर ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा हालात एक बड़े वैश्विक टकराव की ओर इशारा करते हैं। इसके साथ ही देश को आने वाले कठिन समय के लिए तैयार रहना होगा।

पाक, सऊदी अरब, तुर्किये और इजिप्ट ने इस्लामाबाद में रविवार को बैठक कर युद्ध को जल्द और स्थायी तौर पर खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की। AP

ईरानी मीडिया ने भी चेताया, जो आएगा ताबूत में लौटेगा

ईरान के अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने अमेरिका को साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी सैनिकों ने ईरान की जमीन पर कदम रखा तो ताबूत में वापस लौटेंगे। अखबार ने अपने फ्रंट पेज पर "Welcome To Hell" (नरक में आपका स्वागत है) जैसी हेडलाइन के साथ यह संदेश दिया।

वायरल वॉर

ज़िंदगी दांव पर, लेकिन पालतू से नहीं टूटा रिश्ता

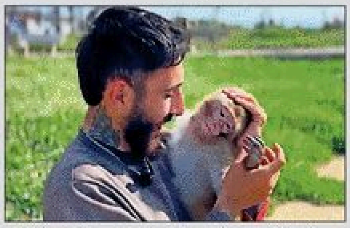

दक्षिणी लेबनान के टायर शहर में जारी तनाव और इस्राइली निकासी आदेशों के बीच एक शख्स की कहानी वायरल हो रही है। हुसैन ने शहर छोड़ने से इनकार कर दिया और अपने पालतू बंदर के साथ ही रहने का फैसला किया। उनका कहना है कि वह उनके लिए बच्चे जैसा है, जिसे वह किसी भी हालत में अकेला नहीं छोड़ सकते। हालात बिगड़ने के बावजूद हुसैन कार में रहकर उसका ख्याल रख रहे हैं। यह कहानी जंग के बीच इंसान और जानवर के रिश्ते की मिसाल बनकर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है।

फेक अलर्ट

अमेरिकी सैनिकों को बंधक बनाने का दावा निकला झूठा

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में दावा किया जा रहा है कि ईरान ने हालिया 2026 मध्य-पूर्व संघर्ष के दौरान 10 अमेरिकी नौसैनिकों को बंधक बना लिया है। जांच में यह दावा भ्रामक पाया गया। AFP की रिपोर्ट के अनुसार, रिवर्स इमेज सर्च से पुष्टि हुई कि ये तस्वीरें जनवरी 2016 की हैं, जब अमेरिकी नौसेना के जवान गलती से ईरानी जलक्षेत्र में पहुंच गए थे और उन्हें कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था। बाद में ईरान ने उन्हें बिना किसी शत्रुतापूर्ण इरादे के रिहा कर दिया था। 27 मार्च 2026 तक ऐसी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है कि मौजूदा संघर्ष के दौरान अमेरिकी सैनिकों को बंधक बनाया गया हो।

हूती हमले के बाद इस्राइल बोला, हर मोर्चे पर तैयार

■ NBT रिपोर्ट: यमन के हूती विद्रोहियों की एंट्री के बाद इस्राइल ने साफ संकेत दिया है कि वह अब 'मल्टी-फ्रंट वॉर' यानी कई मोर्चों पर एक साथ लड़ाई के लिए तैयार है। इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार को हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी इस्राइल की ओर दो मिसाइलें दागीं, जिनमें एक बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। हालांकि, दोनों मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर दिया गया और किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस्राइल डिफेंस फोर्स (IDF) के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता नदाव शोशानी ने रविवार को कहा कि इस्राइल पिछले ढाई साल से अलग-अलग मोर्चों से मिल रहे खतरों के बीच लड़ाई की तैयारी करता रहा है। उन्होंने कहा कि हम मल्टी-फ्रंट वॉर के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइल किसी भी नए मोर्चे से आने वाले खतरे का सामना करने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

> हूती विद्रोहियों ने इस्राइल पर दो मिसाइलें दागीं

ईरान में एक दिन में 700 हमले, यूनिवर्सिटी पर भी एयरस्ट्राइक

■ NBT रिपोर्ट

अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद ईरान में हालात और गंभीर हो गए हैं। राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में रातभर भारी बमबारी की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान में गोला-बारूद के भंडारों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, जबकि शिराज में भी जोरदार धमाके सुने गए।

हमलों के बीच तेहरान स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर हुए हमले ने हालात को और भड़का दिया है। इसे ईरान की पहली तकनीकी यूनिवर्सिटी माना जाता है। वहीं, एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में ईरान के प्रमुख मिसाइल ठिकानों को नुकसान पहुंचा है, जिससे उसकी सैन्य क्षमताओं पर असर पड़ा है। दूसरी ओर, तेहरान में कतर के एक न्यूज नेटवर्क के दफ्तर को भी हमले में नुकसान पहुंचने की खबर है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि ईरान के सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया जाएगा।

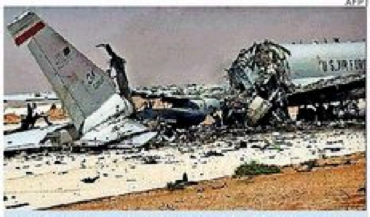
AFP
सऊदी अरब के एयरबेस पर ईरान के हमले में अमेरिकी विमान तबाह।

कुवैत में सैन्य कैंप पर हमला

कुवैत में एक सैन्य कैंप पर ईरान की ओर से हमला किया गया है। सेना ने बताया कि हमले में 10 सैन्यकर्मी घायल हो गए। हालांकि, सेना ने सुरक्षा कारणों से हमले के स्थान का खुलासा नहीं किया है। कुवैत सेना के मुताबिक, हमले में कैंप को भी नुकसान पहुंचा है। पिछले 24 घंटों में 14 बैलिस्टिक मिसाइलों और 12 ड्रोन हमलों का सामना किया। ईरान ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमान और एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया है।

21 राज्यों में केरोसिन बिक्री के नियमों में ढील

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जंग के चलते ईंधन सप्लाई पर पड़ रहे असर के बीच केंद्र सरकार ने तय किया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब सहित 21 राज्यों के हर जिले में अधिकतम दो पेट्रोल पंपों के जरिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी PDS के तहत केवल खाना पकाने और प्रकाश व्यवस्था के लिए केरोसिन दिया जाएगा।

> दिल्ली, यूपी में पेट्रोल पंपों के जरिए केरोसिन का इंतजाम

तेल और गैस मंत्रालय ने रविवार को एक नोटिफिकेशन में कहा कि इन राज्यों के हर जिले में केंद्र सरकार या राज्य सरकार की अनुमति से सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के 2 पेट्रोल पंपों का चयन होगा। ये अधिकतम 5000 लीटर केरोसिन स्टोर कर सकेंगे। यह नोटिफिकेशन रविवार से 60 दिनों तक लागू रहेगा। सरकार चाहे तो इससे पहले यह व्यवस्था खत्म कर सकती है।

File

पंपों से डीलर ले जाएंगे केरोसिन

पंपों से केरोसिन PDS के तहत आने वाले डीलर या एजेंट ले जाएंगे और संबंधित परिवारों में नियम के मुताबिक वितरण करेंगे। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह व्यवस्था लागू करने की बात की गई है, उनमें गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश भी शामिल हैं। मंत्रालय ने नोटिफिकेशन में कहा, 'लोग खाना पका सकें और प्रकाश की व्यवस्था कर सकें, इसलिए यह वितरण किया जाएगा।'

'No Kings' के नारे, ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर लोग

इमिग्रेशन और ईरान नीति पर अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसलों के खिलाफ 80 लाख लोग हुए एकजुट

■ एपी, सेंट पॉल (अमेरिका)

अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध की आवाज एक बार फिर सड़कों पर गूंज उठी। 'No Kings' आंदोलन के तहत देशभर में लाखों लोग एकजुट हुए, जिन्होंने ट्रंप की नीतियों, खासकर इमिग्रेशन, शासन शैली और ईरान युद्ध को लेकर नाराजगी जताई। 50 राज्यों में हजारों जगहों पर प्रदर्शन हुए। 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। इसका असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दिखा। एम्सटर्डम, मैड्रिड और रोम जैसे यूरोपीय शहरों और तुर्किये में भी हजारों लोगों ने प्रदर्शन किए। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप की लोकप्रियता 40% से नीचे चली गई है।

> एम्सटर्डम, रोम जैसे यूरोपीय शहरों में भी दिखा असर

AP
आयोजकों के अनुसार, अमेरिका में 3300 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन हुए।

'No Kings' प्रोटेस्ट क्या है?

'No Kings' एक ग्रासरूट आंदोलन है, जो राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों और उनके शासन के तरीके का विरोध करता है। प्रदर्शनकारी उन्हें 'तानाशाही शैली' का नेता बताते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों पर खतरा मानते हैं।

लोगों का विरोध कितना बड़ा था?

आयोजकों के अनुसार, 3,300 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन हुए। 80 लाख लोग इसमें शामिल हुए। हालांकि प्रशासन ने आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। यह पिछले एक साल में तीसरा बड़ा विरोध प्रदर्शन है।

लोग किन मुद्दों पर नाराज हैं?

मुख्य नाराजगी ट्रंप की कड़ी इमिग्रेशन नीतियों, कार्यकारी आदेशों के जरिए फैसले लेने की शैली और ईरान के साथ बढ़ते युद्ध को लेकर है। कई लोगों का मानना है कि इससे देश का लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर हो रहा है।

किन शहरों में सबसे ज्यादा असर दिखा?

न्यू यॉर्क सिटी, वॉशिंगटन, मिनियापोलिस जैसे बड़े शहरों में भारी भीड़ देखने को मिली। यहां हजारों लोगों ने रैलियां और मार्च निकाले।

स्कूल पर हमले के लिए US ज़िम्मेदार: ईरान

ईरान ने अफसरों की तस्वीर जारी की। कहा, इन्होंने आदेश दिया था।

■ NBT रिपोर्ट: ईरान ने रविवार को मिनाब में एक स्कूल पर हुए मिसाइल हमले को लेकर अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने कहा कि यूएसएस स्प्रूअंस के कमांडर लेफ आर. टेट और एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जेरेमी ई. यॉर्क इस हमले के लिए जिम्मेदार हैं। एक्स पर किए गए पोस्ट में कहा गया कि इन अफसरों ने तीन बार टॉमहॉक मिसाइल दागने का आदेश दिया, जिसमें 168 बच्चों की मौत हुई थी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 03-29-2026 22:48 Color:

NBT AI टाइम मशीन

आज है विश्व बायपोलर दिवस

आज विश्व बायपोलर दिवस है। बायपोलर डिसऑर्डर एक मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति के मूड में गहरा अवसाद और तीव्र उत्साह जैसे उतार-चढ़ाव आते हैं। इस दिन की शुरुआत 2014 में फेमस पेंटर विंसेंट वान गॉग (Vincent van Gogh) की याद में हुई थी। WHO इस दिन कई तरह के जागरूकता अभियान चलाता है। भारत में NIMHANS जैसे संस्थान इस दिन बायपोलर डिसऑर्डर के बारे में अवेयरनेस बढ़ाते हैं।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली सोमवार, 30 मार्च 2026

AI काउंसलर देगा 24x7 सपोर्ट

ChatGPT के मुताबिक, भविष्य में बायपोलर डिसऑर्डर का प्रबंधन बहुत आसान हो जाएगा। AI गैजेट्स और ब्रेन-इंटरफेस मूड में सूक्ष्म बदलाव पहचानकर पहले ही चेतावनी दे देंगे। पर्सनल AI काउंसलर 24x7 सपोर्ट देंगे। जेनेटिक डेटा के आधार पर सटीक इलाज होगा। एपिसोड को शुरू होने से पहले ही नियंत्रित किया जा सकेगा। डिजिटल थेरेपी और रियल-टाइम मॉनिटरिंग से मरीजों की तकलीफ काफी कम हो जाएगी, जिससे वे सामान्य और संतुलित जीवन जी सकेंगे।

AI Images

10वीं फेल 'बाबा' पूजा के नाम पर करता था शोषण, VIPs से जुड़े तार

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

महाराष्ट्र के नासिक में ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं के शोषण और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। ये आरोप- 'स्वयंभू बाबा' अशोक खरात पर लगे हैं। अहम बात यह है कि खरात पर जिन महिलाओं के यौन शोषण और ब्लैकमेल के आरोप लगे हैं, वे सभी पढ़ी-लिखी और अच्छे परिवार से हैं। पूरा मामला अंधविश्वास, ब्लैकमेलिंग, यौन शोषण, राजनीतिक महत्वाकांक्षा और अधिकारियों से रिश्तों का कॉकटेल बताया जा रहा है। खरात से करीबी पर NCP नेता रूपाली चाकणकर को महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष और NCP महिला प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। माना जा रहा है कि जांच का दायरा बढ़ने के साथ ही कई नेता और अधिकारी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

1500 करोड़ का साम्राज्य बनाया 15 साल में आरोपी ने

मामला गंभीर, SIT को जांच का जिम्मा: यह मामला कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र में अशोक खरात का मुद्दा छाया रहा। खरात से जुड़े यौन शोषण के विडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को कई बार बयान देना पड़ा। गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने SIT बनाई। 10वीं फेल खरात का यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और ठगी का साम्राज्य 12 वर्षों में 1500 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एसआईटी को उसके खिलाफ 100 शिकायतें मिली हैं।

100 शिकायतें मिलीं नासिक के अशोक खरात के खिलाफ SIT को

12 साल में खड़ा किया 1500 करोड़ का साम्राज्य ब्लैकमेलिंग से

18 मार्च को 67 साल के खरात को गिरफ्तार किया।

आरोप है कि खरात पारिवारिक विवाद, संतान की चाह रखने वाली महिलाओं को 'शुद्धिकरण' के नाम पर फंसाता था।

FILE

नासिक कोर्ट ने खरात की पुलिस कस्टडी को 1 अप्रैल तक बढ़ाया।

'ढोंगी बाबा' खरात के गुनाहों का इस तरह फूटा भांडा

खरात के खिलाफ 9 केस दर्ज हो चुके हैं। पहले खरात ने खुद को पीड़ित बता आपत्तिजनक विडियो से ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुए 29 दिसंबर 2025 को नासिक में शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन, फरवरी 2026 में खरात के एक साथी के खिलाफ मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरें बनाने और धमकी का केस दर्ज हुआ। नासिक पुलिस ने 13 मार्च को SIT बनाई। 18 मार्च को एक महिला ने नासिक में शिकायत दर्ज कराई कि खरात ने 2022 से 2025 के बीच बार-बार उसका यौन शोषण किया। SIT ने 18 मार्च को 67 साल के खरात को गिरफ्तार किया। पुलिस कंप्लेंट के मुताबिक, पीड़िता ने कहा कि 2022 में शादी के बाद खरात ने उसे अपने ऑफिस बुलाया। नशीला ड्रिंक पिलाकर रेप किया और तीन साल तक यौन शोषण करता रहा।

खुलते गए काले कारनामे

खरात खुद को ऑस्ट्रेलियाई मर्चेंट नेवी का 'कैप्टन' और 'कॉस्मोलॉजी एक्सपर्ट' बताता था। एसआईटी जांच और छापेमारी में 100 से ज्यादा संदिग्ध विडियो, एक पिस्टल और बड़ी मात्रा में संपत्ति के दस्तावेज बरामद हुए। आरोप है कि खरात बीमारी, पारिवारिक विवाद या संतान की चाह रखने वाली महिलाओं को 'शुद्धिकरण' और तांत्रिक उपायों के नाम पर फंसाता था।

कोड भाषा से सिग्नल देता

SIT जांच में 'कोड भाषा' का पता चला है। खरात के केबिन के बाहर एक झूमर था। जब खरात किसी महिला को 'शुद्धिकरण' के लिए बुलाता तो वह झूमर की लाइट बंद कर देता था। स्टाफ समझ जाता था और किसी को भी अंदर जाने की इजाजत नहीं है।

NBT सुंदरी

NBT सम्मान समारोह

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है। IRA 2026 बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां। सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं। हुस्न और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें। व्हॉट्सऐप नंबर -7003890071

SPEED News

पूर्व पाक सेना प्रमुख बाजवा का निधन हो

गया। जावेद बाजवा (65) बाथरूम में फिसल गए थे। सिर में चोट लगने पर अस्पताल में भर्ती थे।

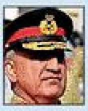

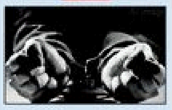

इंदिरा गांधी के हत्यारे के भतीजे को अरेस्ट

कर लिया गया है। ड्रग तस्करी के आरोप में न्यूजीलैंड में यह कार्रवाई की गई है।

चीन की राजधानी पेइचिंग में रामायण

पर आधारित एक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। चीनी विद्वान जी शियानलिन ने रामायण का अनुवाद किया था।

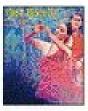

OpenAI के शुरुआती निवेशक

विनोद खोसला ने कहा, US में 1 लाख डॉलर तक कमाने पर फेडरल इनकम टैक्स हटे। इससे 12.5 करोड़ लोग टैक्स से बच सकते हैं, बिना सरकारी राजस्व घटाए।

GenZ आंदोलन में मृतकों के परिजन को सरकारी नौकरी

■ NBT रिपोर्ट

नेपाल की सरकार ने देश में सुशासन (गुड गवर्नेंस) लाने के लिए 100-पॉइंट वर्क प्लान जारी किया है। यह फैसला बालेंद्र शाह सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में लिया गया। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, प्रशासन ने शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार पर बड़े सुधारों की रूपरेखा तय की गई। 15 दिनों के भीतर एक कमिटी बनाई जाएगी, जो 2006 के जनआंदोलन के बाद से अब तक ऊंचे पदों पर रहे नेताओं और अधिकारियों की संपत्ति की जांच करेगी। इसके बाद दूसरे चरण में 1991 से 2006 तक के पदाधिकारियों की भी जांच होगी।

सितंबर में हुए 'Gen Z आंदोलन' के बाद प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा की भी योजना बनाई गई है। 100 दिनों के भीतर एक पूरा पुनर्वास पैकेज लागू करने की बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जान गंवाने वाले 27 लोगों के करीबी परिजन को सरकारी नौकरी देने का फैसला भी हुआ है। 15 दिनों के अंदर राज्य उन समुदायों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय और भेदभाव को आधिकारिक रूप से स्वीकार करेगा और उनके लिए सामाजिक न्याय का ढांचा तैयार करेगा।

सभी दलों से बनेगा 'नैशनल कमिटमेंट': सरकार एक 'नैशनल कमिटमेंट' बनाएगी, जिसमें सभी राजनीतिक दल और हितधारक होंगे। फेडरल सिविल सर्विस बिल का मसौदा 45 दिनों के भीतर तैयार किया जाएगा। इस कार्ययोजना का मकसद यह है कि जांच रिपोर्ट सिर्फ फाइलों में दबकर न रह जाएं। अब 30 दिनों के अंदर पुरानी रिपोर्टों की सिफारिशों को लागू किया जाएगा। इसके लिए सरकार जरूरी कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाएगी, जैसे सिस्टम में सुधार, ढांचे में बदलाव और नियमों का सख्ती से पालन कराना।

FILE

- नेपाल में बालेंद्र सरकार ने तय किया 100-पॉइंट वर्क प्लान
- पूर्व नेताओं, अफसरों की संपत्ति की जांच करेगी कमिटी
- 45 दिनों के भीतर फेडरल सिविल सर्विस बिल का मसौदा तैयार होगा

नेपाल में नई कैबिनेट की पहली बैठक

AIIMS से पढ़ी निशा नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री

■ **पीटीआई, नई दिल्ली/काठमांडू:** ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (AIIMS) के कॉलेज ऑफ नर्सिंग से पढ़ी निशा मेहता को नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया है। AIIMS ने रविवार को नर्सिंग समुदाय के लिए गर्व का पल बताया। कहा कि मेहता की यात्रा बेडसाइड नर्सिंग से नीति-निर्माण की अहम भूमिका तक पहुंचने की कहानी है, जो नर्सिंग पेशे की बढ़ती भूमिका और नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है। मेहता ने 2006 से 2010 के बीच B.Sc नर्सिंग की पढ़ाई की थी और 27 मार्च को नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री पद की शपथ ली।

ओली के बाद एक और पूर्व मंत्री अरेस्ट

नेपाल पुलिस ने पूर्व ऊर्जा मंत्री और नेपाली कांग्रेस के नेता दीपक खड़का को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में रविवार को अरेस्ट कर लिया। पूर्व पीएम के.पी. ओली के बाद ये दूसरी गिरफ्तारी है। GenZ आंदोलन में ऐसे विडियो सामने आए, जिसमें खड़का और पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहल के आवास पर जले हुए नोटों के टुकड़े दिख रहे थे। फोरेंसिक टेस्ट के जरिए इसकी पुष्टि की गई। ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान खड़का पर परियोजनाओं के लिए लाइसेंस और टेंडर दिलाने के बदले वित्तीय लाभ प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था।

बिना मुकदमा कैद में रखना सज़ा बराबर... मर्डर केस में आरोपी को बेल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना मुकदमे के कैद में रखना सजा के बराबर है। कोर्ट ने हत्या की कोशिश के एक मामले में पंजाब बेस्ड शख्स को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि वह शख्स दो साल तक जेल में रहा जबकि मुकदमा अभी तक शुरू भी नहीं हुआ। जस्टिस दीपंकर दत्ता और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने अपने हालिया आदेश में कहा कि प्रदीप कुमार उर्फ बानू को फरवरी 2024 में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न आरोपों में बुक किया गया था, लेकिन अभियोजन पक्ष ने अभी तक मामले से जुड़े 23 गवाहों में से किसी एक का भी परीक्षण नहीं किया है। शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई 2025 के पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। अदालत ने कुछ शर्तों के साथ आरोपी की जमानत मंजूर कर ली।

'एक भी गवाह का परीक्षण नहीं हुआ'

सुप्रीम कोर्ट ने 13 मार्च के अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष 23 गवाहों को पेश करने का प्रस्ताव करता है, लेकिन अभी तक किसी का भी परीक्षण नहीं हुआ है। इस प्रकार, मुकदमे को समाप्त होने में कुछ समय लगने की संभावना है। अदालत ने कहा कि बिना मुकदमे के कैद रखना सजा के समान है। मुकदमे के लंबित रहने के दौरान अपीलकर्ता को आगे हिरासत में रखना जरूरी नहीं है।

स्पर्म डोनेशन से प्रेग्नेंसी पर उम्र सीमा को चुनौती

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

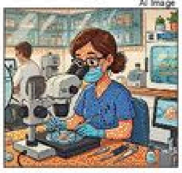

AI Image

डोनेशन के जरिए स्पर्म प्राप्त करने की उम्र से जुड़ी पाबंदी के खिलाफ दो महिलाओं ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी ऐक्ट (ART) का प्रावधान महिलाओं को सिर्फ 50 साल की उम्र तक डोनेशन के माध्यम से स्पर्म (शुक्राणु) प्राप्त करने की इजाजत देता है। पुरुष को अधिकतम 55 साल की उम्र तक स्पर्म डोनेशन की अनुमति देता है। उम्र की पाबंदी से संबंधित प्रावधान को 55 और 53 साल की दो महिलाओं ने कोर्ट में चुनौती दी है।

महिलाओं को 50 साल तक डोनेशन से स्पर्म की इजाजत है

इसे असंवैधानिक और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया गया है। याचिकाओं में महिलाओं ने कहा है कि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ने उन्हें सर्टिफिकेट जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि वे गर्भावस्था को पूर्ण अवधि तक ले जाने और बच्चे को जन्म देने में सक्षम हैं। ने कहा कि हमें याचिकाओं में ऐसा कोई शोध नहीं मिला है, जिसका हवाला देकर प्रथम दृष्टया यह कहा जा सके कि महिलाएं (याचिकाकर्ता) मेडिकली इतनी स्वस्थ और सक्षम हैं कि ये जीवन के इस पड़ाव पर गर्भधारण और बच्चे को जन्म दे सकती हैं। अदालत ने मामले की पैरवी और सहायता के लिए सीनियर ऐडवोकेट आशुतोष कुम्भकोणी को एमिकस क्यूरी (न्यायमित्र) के तौर पर नियुक्त किया है। बेंच ने 22 अप्रैल 2026 को याचिका पर अगली सुनवाई रखी है।

EU संग FTA पर गोयल ने की चर्चा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपियन यूनियन में ट्रेड कमिश्नर मारोस सेफकोविच से मुलाकात कर फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को जल्द लागू करने के पर बात की। गोयल कैमरून में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

वाणिज्य मंत्री कैमरून में EU के ट्रेड कमिश्नर से मिले

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. इनमें से किस देश में छात्र राजनीति पर रोक लगाई गई है?
A. भूटान B. श्रीलंका C. नेपाल

2. जनरल कमर जावेद बाजवा का निधन हो गया है, वे किस देश के आर्मी चीफ रहे हैं?
A. बांग्लादेश B. पाकिस्तान C. अफगानिस्तान

3. AIIMS से पढ़ी निशा मेहता को नेपाल में किस विभाग की मंत्री नियुक्त किया गया है?
A. शिक्षा B. स्वास्थ्य C. वित्त

4. ईरानी संसद के स्पीकर कौन है, जिन्होंने US पर जमीनी अभियान की साजिश का आरोप लगाया?
A. अली लारीजानी B. मोहम्मद बाकेर गालिबाफ C. हसन रूहानी

5. इलेक्ट्रॉनिक्स की चीजें खरीदने के लिए 8 हजार के कूपन देने का चुनावी वादा इनमें से किसका है?
A. बीजेपी B. कांग्रेस C. डीएमके

कल के जवाब

A1 B. 'GenZ' आंदोलन द्वारा A2 A. यमन A3 A. 3 पेपर A4 B. मेटीकली मास्टर्स A5 B. मनी लॉन्ड्रिंग

लकी विनर्स

1. विक्रम सिंह बिष्ट, लखनऊ
2. विजय कुमारी छाबड़ा, दिल्ली
3. प्रवीण कुमार झा, नोएडा

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

ट्रेन में 80 रुपये का खाना 120 में दिया, विरोध करने पर धमकी दी

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **NBT नई दिल्ली :** दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन में खाने का एमआरपी से अधिक चार्ज वसूलने का मामला सामने आया है। ग्वालियर से मथुरा आ रहे विकास सिंह राजावत नाम के यात्री का आरोप है कि उनसे दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में 80 रुपये के खाने के 120 रुपये वसूले गए। उसका वेंडर ने बिल भी नहीं दिया। इस मामले में पीड़ित यात्री विकास सिंह ने 28-29 मार्च की आधी रात 12:36 बजे 'एक्स' पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल सेवा, IRCTC और नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे को टैग करते हुए शिकायत की। रविवार को एनबीटी ने पीड़ित यात्री विकास से बात की। बताया, ओवर चार्ज करने का विरोध किया तो वेंडर ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि तुम हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे। इस तरह की शिकायत लगभग हर दिन होती है। वेंडर ने बिल देने से मना कर दिया। मामले में आईआरसीटीसी का कहना है कि वह इसकी जांच कर रहे हैं।

FILE

आम होती जा रही है शिकायतें

ट्रेनों में मिलने वाले खाने में कभी खाने की गुणवत्ता को लेकर तो कभी एमआरपी से अधिक पैसा वसूलने की शिकायत लगभग आम होती जा रही है। रेलवे को चाहिए कि ट्रेन में मिलने वाला खाना बढ़िया क्वॉलिटी का हो और यह सुनिश्चित हो कि ट्रेन में कोई दूसरा वेंडर चढ़कर खाने-पीने का सामान ना बेच सके।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

ट्यूलिप बुला रहे

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में ट्यूलिप रिसर्च सेंटर का रविवार को उद्घाटन हुआ। पर्यटक मुस्कुराते ट्यूलिप्स को निहारते नजर आए।

PTI

कीर्तिमान गढ़ा टेक्सटाइल इंडस्ट्री को नई ऊंचाई देने के लिए उन्हें 2006 में 'पद्म भूषण' से नवाजा गया था। उन्होंने इस सेक्टर में वर्ल्ड-क्लास क्वॉलिटी के मानक स्थापित किए।

US तक जाएंगी नॉर्थ कोरियन मिसाइलें!

■ **एपी, सियोल:** उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने हाई-पावर ठोस ईंधन वाले नए इंजन का टेस्ट देखा और कहा कि उनकी मिसाइलें अमेरिका तक जा सकेंगी। इससे देश की सैन्य ताकत और मजबूत होगी। सरकारी मीडिया के मुताबिक यह कदम अमेरिका और उसके सहयोगियों को निशाना बनाने वाली उन्नत मिसाइलों के लक्ष्य से जुड़ा है। हालांकि कुछ विशेषज्ञ इसे बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया दावा मान रहे हैं।

किम जोंग उन ने ठोस ईंधन के इंजन का टेस्ट देखा

रेमंड को आसमान दिया, किराये के घर में रहे... विजयपत विदा

■ पीटीआई, मुंबई

टेक्सटाइल ब्रैंड 'रेमंड' को नई ऊंचाई देने वाले विजयपत सिंघानिया का रविवार को मुंबई में अंतिम संस्कार हुआ। 87 वर्षीय सिंघानिया का शनिवार शाम को निधन हुआ था। उम्र संबंधी बीमारियों के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे अपने पीछे पत्नी आशादेवी और तीन बच्चों- मधुपति सिंघानिया, शेफाली रुइया और गौतम सिंघानिया को छोड़ गए हैं।

1980 में संभाली थी रेमंड की बागडोर: विजयपत 1980 में रेमंड के चेयरमैन बने थे। उनके नेतृत्व में रेमंड लिमिटेड एक बड़े समूह के रूप में उभरी, जिसने सिंथेटिक फैब्रिक्स, डेनिम, स्टील, इंडस्ट्रियल फाइल्स और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में विस्तार किया।

■ मंदी में फंसा स्टील-सीमेंट कारोबार बेचना पड़ा था

अपने चेयरमैन पद के अंतिम वर्षों में मंदी के कारण कंपनी के स्टील और सीमेंट कारोबार पर दबाव बढ़ा, जिसके चलते इन इकाइयों को बेच दिया गया। इसके बाद उन्होंने कंपनी की कमान अपने बेटे गौतम सिंघानिया को सौंप दी और कुछ समय तक चेयरमैन एमेरिटस के रूप में जुड़े रहे।

■ पद्म भूषण भी मिला

विजयपत सिंघानिया को 2006 में 'पद्म भूषण' से नवाजा गया था। यह सम्मान उन्हें व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया। उन्होंने न केवल 'रेमंड' को एक ग्लोबल ब्रैंड बनाया, बल्कि भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर में आधुनिक तकनीक और वर्ल्ड-क्लास क्वॉलिटी के मानक स्थापित किए।

■ हॉट एयर बलून में वर्ल्ड रेकॉर्ड

2005 में 67 साल की उम्र में उन्होंने हॉट एयर बलून के जरिए लगभग 69,000 फीट की ऊंचाई तक उड़कर वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया था। इससे पहले 1988 में उन्होंने एक माइक्रोलाइट विमान में लंदन से नई दिल्ली तक 23 दिन में अकेले उड़ान भरकर 'स्पीड-ओवर-टाइम एयरोस्पेस रिकॉर्ड' बनाया था।

■ बेटे के साथ विवाद रहा था सुर्खियों में

कंपनी का कामकाज संभालने के बाद उनके बेटे गौतम के साथ विवाद खूब सुर्खियों में रहा था। विवाद एक फ्लैट को लेकर शुरू हुआ था। विजयपत उस फ्लैट को बेचना चाहते थे, लेकिन गौतम इसके लिए तैयार नहीं थे। विवाद इतना बढ़ गया कि विजयपत सिंघानिया मालाबार हिल में स्थित 37 मंजिला जेके हाउस को छोड़कर किराए के मकान में रहने लगे। उन्होंने अपने बेटे गौतम पर घर के साथ-साथ कार और ड्राइवर जैसी सुविधाएं भी छीनने का आरोप लगाया था।

नई दिल्ली / एनसीआर > 30 मार्च-5 अप्रैल 2026 > वर्ष 2, संख्या 13 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

पैसिव हाइब्रिड फंड के जरिए संतुलित निवेश
पैसिव हाइब्रिड फंड से निवेशक बिना फंड मैनेजर पर निर्भर हुए भी इक्विटी-डेट का संतुलित फायदा उठा सकते हैं।
देखें PG-2

पुराना या नया रेजीम, किसमें ज्यादा फायदा?
HRA और भत्तों में बदलाव के बाद पुराना टैक्स रेजीम फिर चर्चा में है, अब करदाताओं को फिर से हिसाब लगाना होगा।
देखें PG-4

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

शॉर्ट-टर्म SIP पर दबाव, निवेश जारी रखें या नहीं?

पिछले डेढ़ साल से बाजार में जारी सुस्ती और ग्लोबल तनाव ने शॉर्ट-टर्म SIP निवेशकों की टेंशन बढ़ा दी है। शॉर्ट-टर्म में कई म्यूचुअल फंड्स के रिटर्न अब घाटे में पहुंच गए हैं, जिससे निवेशक असमंजस में हैं कि SIP जारी रखें या बाहर निकलें। खासकर नए निवेशकों के लिए यह पहला बड़ा झटका है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लंबी अवधि में SIP फायदेमंद रहता है और बाजार की यह गिरावट अस्थायी हो सकती है। हालांकि, मौजूदा हालात में पोर्टफोलियो की समीक्षा, सही असेट एलोकेशन और धैर्य रखना बेहद जरूरी है। यहां जानें कि इस हालात में निवेशकों को क्या स्ट्रैटजी अपनानी चाहिए।

देखें PG-3

सोना-चांदी सस्ता हुआ, अभी निवेश करें या करें इंतजार?

शेयर बाजार की अस्थिरता के बीच सोना और चांदी फिर निवेशकों की नजर में आ गए हैं। मार्च में आई तेज गिरावट के बाद इनकी कीमतें आकर्षक स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे निवेश का मौका बनता दिख रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एकमुश्त निवेश के बजाय किस्तों में खरीदारी करना ज्यादा समझदारी होगी, ताकि औसत कीमत कम रहे। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह गिरावट अच्छा अवसर हो सकती है, जबकि शॉर्ट-टर्म निवेशकों को थोड़ा इंतजार करना बेहतर रहेगा। पोर्टफोलियो में 5-10% हिस्सा सोना-चांदी में रखने से जोखिम कम होता है और स्थिरता बनी रहती है।

देखें PG-2

काम की खबरें

AI Image

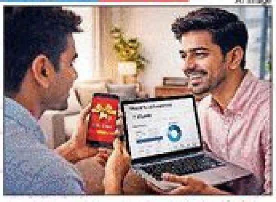

अब म्यूचुअल फंड भी बनेंगे गिफ्ट, SEBI का प्रस्ताव

SEBI ने एक नया प्रस्ताव दिया है, जिससे अब लोग म्यूचुअल फंड निवेश गिफ्ट कर सकेंगे। इसके लिए गिफ्ट कार्ड या प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट (PPI) का इस्तेमाल होगा, जिसे बैंकिंग चैनल के जरिए खरीदकर किसी और को दिया जा सकता है। पाने वाला व्यक्ति किसी AMC प्लैटफॉर्म के जरिए इसे म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए रिडीम कर सकेगा। एक PPI की सीमा ₹10,000 होगी और यह एक साल तक वैध रहेगा। साल भर में ऐसे निवेश की कुल सीमा ₹50,000 तय की गई है।

बायबैक में शेयर बेचने पर अब 12% सरचार्ज लागू

लोकसभा और राज्यसभा ने फाइनेंस बिल को पास कर दिया है। नए नियम के मुताबिक, 1 अप्रैल से कंपनियों के बायबैक ऑफर में शेयरधारकों की ओर से शेयर बेचे जाने पर होने वाले कैपिटल गेन पर 12% के फ्लैट रेट से सरचार्ज लगेगा। अभी तक अलग-अलग इनकम स्लैब के हिसाब से सरचार्ज लगता था। इसके अलावा, इनकम टैक्स से जुड़ी डिजिटल मंजूरियों को भी वैध माना जाएगा, जिससे प्रक्रियाएं और आसान होंगी।

पूरा बीमा रेकॉर्ड एक जगह होगा, IRDAI की तैयारी

अगर आपके बीमा कागज अलग-अलग कंपनियों में बिखरे हैं, तो जल्द यह समस्या खत्म हो सकती है। IRDAI 'पब्लिक इंश्योरेंस रजिस्ट्री (PIR)' और 'बीमा सुगम' प्लैटफॉर्म ला रहा है। PIR में आपकी सभी पॉलिसी, क्लेम और शिकायत से जुड़ी जानकारी एक जगह मिलेगी। वहीं 'बीमा सुगम' के जरिए आप अलग-अलग प्लान की तुलना कर सकेंगे और ऑनलाइन खरीद सकेंगे। इससे क्लेम जल्दी निपटेंगे, कंपनी बदलना आसान होगा और पूरी प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी बनेगी।

ब्लूचिप स्टॉक्स में गिरावट

बन रहा बड़ा मौका!

15-20% सालाना रिटर्न देने का ट्रैक रेकॉर्ड रखते हैं ब्लूचिप्स स्टॉक्स लंबे समय में।

5-10% गिरावट के बाद कई बड़े शेयरों के वैल्यूएशन अब सामान्य स्तर पर आ गए हैं।

- *गिरावट में घबराने की बजाय निवेश की रणनीति बनाना ज्यादा समझदारी है।*
- *एक्सपर्ट की मानें तो ओवरसोल्ड जोन संकेत संभावित खरीदारी का मौका देता है।*
- *ब्लूचिप स्टॉक्स में गिरावट जरूर हुई है, लेकिन लंबी अवधि में भरोसा कायम है।*

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

बाजार में हालिया गिरावट के बीच ब्लूचिप स्टॉक्स में आई गिरावट ने निवेशकों को असहज कर दिया है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि यह घबराने का समय नहीं, बल्कि लंबी अवधि के निवेश के लिए अवसर बन सकता है।

आमतौर पर ब्लूचिप स्टॉक्स यानी बड़ी, स्थापित और मजबूत कंपनियों के शेयर को निवेशकों के लिए सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है, लेकिन जियो-पॉलिटिकल टेंशन और लगातार गिरते बाजार के बीच इन शेयरों में भी आई गिरावट ने निवेशकों के भरोसे को झटका दिया है। रिलायंस, HDFC बैंक, TCS और भारती एयरटेल जैसे बड़े शेयरों में वोलैटिलिटी और गिरावट ने यह संकेत दिया है कि इस बार ब्लूचिप्स भी दबाव से पूरी तरह अछूते नहीं हैं।

हाल के हफ्तों में बाजार में करीब 10-12% तक की करेक्शन देखने को मिली है। इस गिरावट ने केवल छोटे और मिड कैप शेयरों को ही नहीं, बल्कि बड़े और मजबूत शेयरों को भी प्रभावित किया है। यही वजह है कि निवेशकों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या ब्लूचिप्स अब पहले जितने सुरक्षित नहीं रहे?

क्या होते हैं ब्लूचिप स्टॉक्स?

ब्लूचिप स्टॉक्स उन कंपनियों के शेयर होते हैं जो अपने सेक्टर में अग्रणी होती हैं और जिनका बिजनेस लंबे समय से मजबूत और स्थिर रहा होता है। इन कंपनियों की खासियत यह होती है कि वे नियमित रूप से मुनाफा कमाती हैं, निवेशकों को डिविडेंड देती हैं और कठिन आर्थिक परिस्थितियों में भी टिके रहने की क्षमता रखती हैं। इनकी बैलेंस शीट मजबूत होती है, कर्ज का स्तर नियंत्रित होता है और इनके पास अनुभवी मैनेजमेंट होता है। यही कारण है कि इन्हें लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि ये पूरी तरह जोखिम से मुक्त नहीं होते, बल्कि केवल अपेक्षाकृत स्थिर होते हैं।

ओवरसोल्ड जोन ने बढ़ाई चिंता?

मौजूदा गिरावट के दौरान तीन बड़ी ब्लूचिप कंपनियां 'साप्ताहिक ओवरसोल्ड जोन' में पहुंच गई हैं, जो काफी दुर्लभ स्थिति मानी जाती है और आमतौर पर बड़ी गिरावट के समय ही देखने को मिलती है। ओवरसोल्ड का मतलब है कि किसी शेयर में जरूरत से ज्यादा बिकवाली हो चुकी है और उसकी कीमत अस्थायी रूप से उसकी असली वैल्यू से नीचे चली गई है। यह स्थिति अक्सर डर और निगेटिव सेंटिमेंट के कारण बनती है, जब निवेशक घबराकर तेजी से शेयर बेचते हैं। ऐसे में बाजार में दो तरह की सोच बनती है। कुछ लोग इसे आगे और गिरावट का संकेत मानते हैं, जबकि कुछ इसे सस्ते दाम पर खरीदारी का अच्छा मौका समझते हैं।

'बुनियादी मजबूती बरकरार'

Money Honey Wealth Services के फाउंडर अनुप भैय्या के अनुसार, मौजूदा उतार-चढ़ाव के बावजूद ब्लूचिप स्टॉक्स की बुनियादी मजबूती बरकरार है। वे कहते हैं, 'बाजार में जहां निफ्टी 23,300 के आसपास घूम रहा है और हाल के हफ्तों में 10-12% की गिरावट आई है। ब्लूचिप स्टॉक्स एक बार फिर अपनी विश्वसनीयता साबित कर रहे हैं। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, लगातार प्रॉफिट और डिविडेंड हिस्ट्री के कारण भरोसेमंद रहती हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में भारी गिरावट के बावजूद ब्लूचिप्स ने बेहतर स्थिरता दिखाई है और लंबे समय में 15-20% सालाना रिटर्न देने का ट्रैक रेकॉर्ड रखते हैं।'

एक्सपर्ट ने बताई: निवेश की राह

अनुप भैय्या, Money Honey Wealth Services के फाउंडर

स्नेहा पोद्दार, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशल की वेल्थ मैनेजमेंट वीपी रिसर्च

'ब्लूचिप्स फिर बन सकते हैं सहारा'

मोतीलाल ओसवाल की स्नेहा पोद्दार के अनुसार, ब्लूचिप स्टॉक्स पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते, लेकिन अनिश्चित बाजार में स्थिरता देते हैं। हाल की 5-10% गिरावट से बड़े शेयरों के वैल्यूएशन सामान्य स्तर पर हैं, जिससे लंबी अवधि के लिए अवसर बन रहा है। बाजार में सुधार की शुरुआत सबसे पहले लार्ज कैप शेयरों से ही होती है।

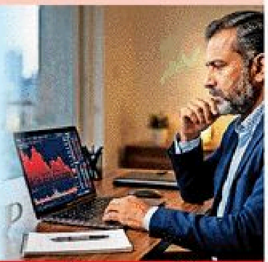

क्या न करें? बाजार गिरते ही घबराकर बेच देना • बिना रिसर्च के निवेश करना • पूरी रकम एक साथ निवेश करना।

'असहज हैं, तो समझिए मौका'

जाने-माने निवेशक विजय केडिया का मानना है कि बाजार में तेजी आती है, तो आत्मविश्वास बढ़ता है। जब बाजार तेजी से गिरता है, तो डर फैलता है और निवेशक भावनात्मक फैसले लेने लगते हैं। इतिहास बताता है कि सबसे अच्छे निवेश के मौके तब मिलते हैं जब निवेशक असहज महसूस कर रहे होते हैं। अगर आप ब्लूचिप्स को लेकर असहज हैं, तो समझिए कि लंबे समय के निवेश के अवसर बन रहे हैं। वे कहते हैं कि मजबूत कंपनियों में आई गिरावट अक्सर अस्थायी होती है और समय के साथ वैल्यूएशन फिर से सुधर जाता है।

लंबी अवधि का रखें नजरिया

बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा। जो निवेशक शॉर्ट टर्म में फैसले लेते हैं, वे अक्सर नुकसान उठाते हैं। इसके विपरीत, जो निवेशक धैर्य रखते हैं और अनुशासन के साथ निवेश करते हैं, वे लंबे समय में बेहतर रिटर्न हासिल करते हैं। ब्लूचिप स्टॉक्स की खासियत यही है कि ये समय के साथ अपने प्रदर्शन को साबित करते हैं। यानी, ब्लूचिप स्टॉक्स में आई मौजूदा गिरावट को केवल जोखिम के रूप में नहीं देखना चाहिए। यह उन निवेशकों के लिए अवसर भी हो सकता है, जो लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करते हैं।

निवेशक क्या रणनीति अपनाएं?

पहले से है निवेश तो...
अगर आपने पहले से ब्लूचिप स्टॉक्स में निवेश किया हुआ है, तो घबराकर बेचने की जरूरत नहीं है। मजबूत कंपनियों में निवेश को लंबी अवधि के नजरिए से बनाए रखना बेहतर होता है।

निवेश की सोच रहे हैं तो...
जो निवेशक अभी निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए यह समय अवसर हो सकता है। हालांकि, एकमुश्त निवेश करने के बजाय SIP (Systematic Investment Plan) या चरणबद्ध निवेश करना ज्यादा सुरक्षित रहता है।

HDFC बैंक की शेयरों में गिरावट खतरा या गोल्डन एंट्री?

HDFC बैंक के शेयर में चेयरमैन के इस्तीफे की खबर के बाद 8-10% तक गिरावट आई, जिससे यह 52 हफ्ते के निचले स्तर के करीब पहुंच गया। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच गवर्नेंस और लीडरशिप को लेकर चिंता बढ़ा दी। HDFC बैंक के शेयर में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असहज किया है, लेकिन विशेषज्ञ इसे अस्थायी उतार-चढ़ाव मानते हुए इसे खरीदारी का मौका बता रहे हैं।

'फंडामेंटल मजबूत'

Money Honey Wealth Services के फाउंडर अनुप भैय्या के अनुसार, बैंक की बुनियादी स्थिति मजबूत है। वे कहते हैं, '25 मार्च को यह शेयर 782 के स्तर पर 2.27% ऊपर बंद हुआ। बैंक का फंडामेंटल मजबूत है। बैंक का मार्केट कैप 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और P/E करीब 16.2 है। लंबी अवधि में बैंकिंग ग्रोथ और डिजिटल लीडरशिप को देखते हुए HDFC बैंक पर भरोसा बनाए रखना चाहिए।'

क्या यह सेंटिमेंट आधारित गिरावट है?

मोतीलाल ओसवाल की स्नेहा पोद्दार के अनुसार, यह गिरावट मुख्य रूप से निवेशकों की भावनात्मक प्रतिक्रिया है। वे कहती हैं, 'RBI ने स्पष्ट किया है कि बैंक के संचालन में कोई बड़ी समस्या नहीं है। यह गिरावट सेंटिमेंट ड्रिवन है, न कि स्ट्रक्चरल नुकसान।'

RSI क्या संकेत दे रहा?

HDFC बैंक का साप्ताहिक रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (RSI) 22.32 तक पहुंच गया है, जो बेहद कम देखने को मिलता है और ओवरसोल्ड स्थिति का संकेत देता है। आसान भाषा में समझें तो इसका मतलब है कि शेयर में जरूरत से ज्यादा बिकवाली हो चुकी है। RSI एक ऐसा इंडिकेटर है जो बताता है कि शेयर ज्यादा खरीदा गया है या बेचा गया। यह 0 से 100 के बीच रहता है। 30 से नीचे ओवरसोल्ड माना जाता है। साप्ताहिक RSI का 30 से नीचे जाना गहरी कमजोरी दिखाता है, लेकिन लंबे समय के निवेश के मौके भी बन सकते हैं। मजबूत शेयरों में ऐसी गिरावट अक्सर अवसर साबित होती है।

लॉन्ग टर्म आउटलुक

HDFC बैंक की मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर आय, डिजिटल बढ़त इसे लंबे समय के निवेश के लिए आकर्षक बनाती है। हालिया गिरावट को केवल जोखिम के रूप में नहीं देखें। यह लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर भी हो सकता है।

निवेशक क्या करें?

मौजूदा निवेशक: घबराकर बेचने की जरूरत नहीं है। आमतौर पर मजबूत कंपनियां समय के साथ रिकवर करती हैं।

नए निवेशक: यह गिरावट निवेशकों के लिए एंट्री का मौका हो सकता है, लेकिन निवेश धीरे-धीरे करना बेहतर रहेगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWDP2 User: cci Time: 03-28-2026 21:36 Color:

मार्च में तेज गिरावट के बाद किस्तों में निवेश करना हो सकता है समझदारी

सोने-चांदी में निवेश का सही समय है?

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan@timesofindia.com

शेयर बाजार की अस्थिरता के बीच सोना और चांदी एक बार फिर निवेशकों के रडार पर हैं। मार्च में आई तेज गिरावट के बाद इनकी कीमतें आकर्षक स्तर पर पहुंच गई हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या यह निवेश का सही मौका है या अभी थोड़ा इंतजार करना बेहतर रहेगा।

शेयर बाजार में निवेश जोखिम भरा माना जाता है। इस वजह से कई निवेशक शेयर मार्केट में सीधे निवेश नहीं करना चाहते हैं। लेकिन मार्केट में कुछ ऐसे निवेश विकल्प होते हैं, जिसमें रिस्क कम होता है। इसलिए जिनका नजरिया थोड़ा भी कंजर्वेटिव होता है, वैसे लोग सोने-चांदी में निवेश करना चाहते हैं। कुछ निवेशक इस तरह के होते जो इक्विटी में निवेश करने के साथ-साथ अपने पोर्टफोलियो में कुछ निवेश सोने-चांदी में भी करते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान उनके पोर्टफोलियो में स्थिरता बनी रहती है और वह बाजार के गिरावट से परेशान नहीं होते हैं। इसके साथ ही निवेश की गई राशि पर रिटर्न भी बेहतर मिलता है।

निवेश सलाहकारों का मानना है कि मार्च महीने में सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के बाद इसमें निवेश का अच्छा मौका है। 25 मार्च तक के आंकड़ों के अनुसार, सोने की कीमतों में महीने की शुरुआत से लगभग 13% और चांदी में 20% से अधिक की कमी देखी गई है।

बाजार की स्थिति (मार्च 2026)

बड़ी गिरावट: सोने की कीमत मार्च के बीच में 1.58 लाख (प्रति 10 ग्राम) तक पहुंच गई थी, वह गिरकर 1.43 - 1.44 लाख के करीब आ गई है। चांदी भी 2.96 लाख (प्रति किलो) से गिरकर 2.30 - 2.35 लाख के स्तर पर है।

अभी मार्केट में क्या हुआ है?

- मार्च में सोना ₹13,300–₹14,600/ग्राम (22–24K) के दायरे में आ गया है।
- MCX में सोना 4-6% तक गिरा है।
- चांदी 6-9% तक गिरी है।
- चांदी ₹2.0–2.3 लाख/किलो के आसपास ट्रेड कर रही है।
- फरवरी की तुलना में दोनों धातुओं में तेज गिरावट है।
- लेकिन साल भर में अभी भी ये ऊंचे स्तर पर हैं।

हालिया रिकवरी
25 मार्च को कीमतों में हल्की बढ़त (लगभग 3-4%) देखी गई है, जो वैश्विक तनावों में थोड़ी कमी और डॉलर की स्थिति के कारण है।

1 लाख है तो कैसे निवेश करें?

विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय 'एकमुश्त' (Lump sum) निवेश करने के बजाय 'किस्तों में खरीदारी' (Staggered buying) करना अधिक समझदारी भरा हो सकता है। यदि आपके पास निवेश के लिए 1 लाख रुपये हैं तो 4-5 हिस्सों में बांट लें। अभी 20-25% राशि निवेश करें और बाकी राशि अगले कुछ हफ्तों में होने वाली गिरावट पर लगाएं। इससे आपकी औसत खरीद मूल्य कम रहेगी। संतुलित पोर्टफोलियो में ₹70,000 सोना और ₹30,000 चांदी में लगा सकते हैं।

क्यों करना चाहिए निवेश?

सोना लंबी अवधि में महंगाई से बचाता है।

वैश्विक अनिश्चितता (युद्ध, मंदी) में फिर चढ़ता है।

गिरावट में खरीदना हमेशा बेहतर रहता है।

निवेश करें या इंतजार?

अगर आपका नजरिया कम अवधि के लिए निवेश यानी लक्ष्य 3-12 महीने का है तो आप थोड़ा इंतजार कर सकते हैं या अभी थोड़ा निवेश करना बेहतर रणनीति होगी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अभी इसमें गिरावट जारी रह सकती है। इसके अलावा डॉलर मजबूत होने पर कीमत और गिरने की संभावना बन सकती है। ब्याज दरें बढ़ें तो सोना दबाव में आ जाता है। ऐतिहासिक पैटर्न है कि गिरावट के बाद 6-24 महीने में रिकवरी होती है। बाजार अभी भी अस्थिर है। अगर आप लंबी अवधि (3-5 साल) के लिए निवेश कर रहे हैं, तो यह गिरावट खरीदारी का एक शानदार मौका है। लेकिन अगर आप शॉर्ट-टर्म मुनाफे के लिए देख रहे हैं, तो कीमतों के पूरी तरह स्थिर होने का इंतजार कर सकते हैं।

निवेश के क्या हैं विकल्प?

Gold ETFs/ Digital Gold: 1 लाख रुपये के लिए ये सुरक्षित और लिक्विड विकल्प हैं, जिनमें चोरी या शुद्धता का डर नहीं रहता।

चांदी: चांदी में गिरावट अधिक है, तो ज्यादा रिटर्न की संभावना है। औद्योगिक मांग (EVs और सोलर) के कारण लंबी अवधि में इसमें अच्छी बढ़त की उम्मीद है।

सलाहकार गहनों में निवेश खराब विकल्प मानते हैं। इसमें मेकिंग चार्ज लगता है, जिससे इसकी लागत बढ़ जाती और इसका कोई रिटर्न भी नहीं मिलता है।

कितना निवेश करें?

सुनिश्चित करें कि आपके पोर्टफोलियो का 5-10% हिस्सा ही सोने/चांदी में हो। लंबी अवधि वाले निवेशक अभी से धीरे-धीरे निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि मध्यम अवधि वाले लोग अभी थोड़ा निवेश करें। जिनका टारगेट शॉर्ट-टर्म है उनके लिए अभी इंतजार करना बेहतर है।

निवेश की सफलता के लिए असेट एलोकेशन बेहद महत्वपूर्ण है। सभी असेट क्लास की साइकल होती है। कभी शेयर बाजार में तेजी होती है तो कभी सोने-चांदी में। ऐसे में यदि पोर्टफोलियो में एक से अधिक असेट क्लास हो तो पोर्टफोलियो में स्थिरता भी बनी रहती है और साथ ही ग्रोथ की संभावना भी। फिलहाल शेयर बाजार में अस्थिरता और सोने-चांदी में अपने ऊपरी स्तरों से गिरावट को इसमें निवेश के एक मौके के तौर पर देखा जा सकता है। सोने-चांदी में एसआईपी शुरू कर सकते हैं या फिर पूरे पैसों को विभाजित करके 4-5 किस्तों में निवेश कर सकते हैं।

- पंकज मठपाल, ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर

PIN याद नहीं? ₹5000 तक UPI फिंगरप्रिंट से भी

BHIM ऐप में एक ऐसा फीचर भी है, जिससे यूजर्स ₹5,000 तक का UPI पेमेंट बिना PIN डाले भी कर सकते हैं। फिंगरप्रिंट या फेस रिकग्निशन के जरिए भुगतान आसान और तेज होता है। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो PIN भूलने या गलत पिन डालने की समस्या झेलते हैं।

स्नेहा कुलकर्णी
NBTwealth@timesofindia.com

डिजिटल पेमेंट को और आसान बनाने के लिए सरकारी BHIM (Bharat Interface for Money) ऐप में फिंगरप्रिंट या फेस रिकग्निशन के जरिए भुगतान वाला फीचर भी है। यह ऐप UPI के जरिए बैंक से बैंक में तुरंत पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा देता है। इसमें आप मोबाइल नंबर या UPI ID के जरिए आसानी से पैसे भेज और मंगा सकते हैं। UPI एक डिजिटल पेमेंट सिस्टम है, जो आपको तुरंत पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा देता है। यह NEFT या RTGS की तरह ही है, लेकिन ज्यादा तेज और आसान है। UPI के जरिए आप किसी को भी, कभी भी पैसे भेज सकते हैं। भीम ऐप में यूजर्स 5,000 तक का UPI पेमेंट बिना PIN डाले भी कर सकते हैं। इसके लिए फिंगरप्रिंट (अंगुली के निशान) या फेस रिकग्निशन (चेहरा पहचान) का इस्तेमाल किया जाता है। यह सुविधा NPCI BHIM सर्विसेज लिमिटेड (NBSL) की ओर से शुरू की गई है।

यह फीचर खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो कई बार UPI PIN भूल जाते हैं या गलत PIN डालने की वजह से पेमेंट फेल हो जाता है। BHIM ऐप का यह फीचर डिजिटल पेमेंट को और तेज, आसान और यूजर-फ्रेंडली बनाता है। हालांकि, यूजर्स को फोन को सुरक्षित रखना और बायोमीट्रिक लॉक का सही इस्तेमाल करना जरूरी होगा।

इस फीचर में क्या है?

BHIM ऐप पर यूजर्स बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन यानी फिंगरप्रिंट या फेस के जरिए ₹5,000 तक का पेमेंट कर सकते हैं। छोटी रकम के लिए PIN डालने की जरूरत नहीं होगी। UPI PIN 4 या 6 अंकों का पासवर्ड होता है, जिसे आप BHIM या किसी भी UPI ऐप पर सेट करते हैं। यह हर ट्रांजैक्शन को सुरक्षित बनाने के लिए होता है। नए फीचर में छोटी रकम के लिए PIN की जगह बायोमीट्रिक इस्तेमाल हो सकता है। यह सुविधा ऑनलाइन पेमेंट, QR कोड स्कैन कर भुगतान करने या दोस्तों को पैसे भेजने जैसे रोजमर्रा के कामों को और आसान बनाती है।

बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन क्या है?: बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन एक ऐसी तकनीक है, जिसमें व्यक्ति की पहचान उसके शरीर से जुड़े संकेतों के जरिए की जाती है, जैसे फिंगरप्रिंट या चेहरा। इससे यह सुनिश्चित होता है कि पेमेंट वही व्यक्ति कर रहा है, जिसके पास मोबाइल है।

कैसे चालू करें यह फीचर?

अगर आप BHIM ऐप में यह सुविधा इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो इन स्टेप्स को फॉलो करें:

- सबसे पहले BHIM ऐप खोलें।
- प्रोफाइल (Profile) सेक्शन में जाएं।
- अपना बैंक अकाउंट चुनें।
- Biometric Transactions को Activate करें।
- Enable Now पर क्लिक करें। अब पिन डालें।
- Biometrics रजिस्टर करें।
- अब आप ₹5,000 तक का पेमेंट फिंगरप्रिंट या फेस से कर सकेंगे।

FPI vs FII vs FDI

विदेश से कैसे आते हैं पैसे, अलग-अलग तरीके जानें

FPI, FII और FDI में सबसे बड़ा अंतर है यह है कि FPI और FII में विदेशी निवेशक सिर्फ पैसा लगाकर रिटर्न कमाते हैं, जबकि FDI में निवेशक सीधे बिजनेस में उतरकर उसे चलाने में भी भूमिका निभाता है।

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

विदेशी निवेश की खबरों में अक्सर FPI, FII और FDI जैसे शब्द सुनने को मिलते हैं। ये तीनों भारत में आने वाले विदेशी पैसे के अलग-अलग तरीके हैं, जिनका असर बाजार, कंपनियों और अर्थव्यवस्था पर अलग-अलग तरह से पड़ता है।

FPI, FII और FDI में अंतर

FPI

FPI (Foreign Portfolio Investor) ऐसे विदेशी निवेशक होते हैं जो भारत के फाइनेंशल असेट्स (वित्तीय साधन) में पैसा लगाते हैं। इसमें शेयर, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड, ETF (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और सरकारी सिक्योरिटीज शामिल होती हैं। इनका मकसद सिर्फ पैसा लगाकर रिटर्न कमाना होता है, कंपनी को चलाना नहीं। इसलिए इन्हें कंपनी के मैनेजमेंट या फैसलों में कोई अधिकार नहीं मिलता। भारत में FPI को SEBI (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) रेगुलेट करता है और यह FEMA (विदेशी मुद्रा कानून) के तहत आता है।

FII

FII (Foreign Institutional Investor) FPI का ही एक हिस्सा (सब-कैटिगरी) है, लेकिन इसमें सिर्फ बड़े संस्थागत निवेशक होते हैं, जैसे म्यूचुअल फंड, पेंशन फंड, इंश्योरेंस कंपनियां, हेज फंड, सॉवरेन वेल्थ फंड और विदेशी सेंट्रल बैंक। ये भी शेयर, बॉन्ड और अन्य फाइनेंशल इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं, लेकिन कंपनी के मैनेजमेंट या कंट्रोल में शामिल नहीं होते। FII भी SEBI से रेगुलेट होते हैं और RBI इन्हें मॉनिटर करता है। इसका मतलब है कि हर FII, FPI होता है, लेकिन हर FPI, FII नहीं होता।

FDI

FDI (Foreign Direct Investment) अलग तरह का निवेश है। इसमें विदेशी निवेशक भारत में सीधे किसी बिजनेस, कंपनी, फैक्ट्री या प्रोजेक्ट में पैसा लगाता है, जैसे मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाना या किसी कंपनी में बड़ा हिस्सा खरीदना। इसका मकसद सिर्फ मुनाफा नहीं, बल्कि बिजनेस पर कंट्रोल पाना भी होता है। यह लॉन्ग टर्म का निवेश माना जाता है। इसमें निवेशक अपनी टेक्नॉलजी, स्किल और मैनेजमेंट एक्सपर्टीज भी साथ लाता है और रोजमर्रा के काम में शामिल होता है। भारत में FDI को DPIIT रेगुलेट करता है।

फंड मैनेजर पर भरोसा नहीं तो भी हाइब्रिड की सवारी अब मुमकिन

दो दूनी चार
रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ने वाले निवेशकों के लिए अब हाइब्रिड फंड्स एक संतुलित विकल्प बनकर उभर रहे हैं। इक्विटी और डेट के मिक्स के साथ यह जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन देता है। अब पैसिव हाइब्रिड फंड्स आने से फंड मैनेजर पर निर्भरता भी कम हो रही है।

जब लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से हटकर निवेश करते हैं, तब एक तरफ इक्विटी बहुत ज्यादा अस्थिर लगती है, दूसरी तरफ डेट प्रोडक्ट वेल्थ क्रिएशन के लिए बहुत धीमे लगते हैं। डेट का मतलब है, आमतौर पर हाई क्वॉलिटी वाली गवर्नमेंट सिक्योरिटीज या कॉर्पोरेट बॉन्ड्स। बाजार में इनमें भी गिरावट आ सकती है, लेकिन इनकी गिरावट आमतौर पर इक्विटी की तुलना में कम गहरी होती है। बाजार में शुरुआत अच्छी होनी चाहिए, इसके लिए निवेशकों को "मध्यम मार्ग" की सलाह दी जाती है। ये बीच का रास्ता हो सकते हैं हाइब्रिड फंड्स। ये म्यूचुअल फंड्स की वो कैटिगरी है, जिसमें निवेशकों को एक ही फंड में इक्विटी भी मिल जाती है और डेट भी।

हाइब्रिड फंड की भी कई किस्में हैं, जिनमें इक्विटी और डेट के अलग-अलग अनुपात होते हैं। दो स्कीमें खास तौर से पॉपुलर हैं - एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स। इन फंड्स के मैनेजमेंट में अक्सर एक जबरदस्त नीति अपनाई जाती है। शेयर बाजार का बेसिक फंडा है- ऊंचे दाम पर बेचो, कम दाम पर खरीदो। जब इक्विटी बाजार में तेजी आती है, तब हाइब्रिड फंड में इक्विटी का हिस्सा सीमा से अधिक हो जाता है। फंड मैनेजर इक्विटी को ऊंची कीमतों पर बेच देता है और डेट को कम कीमतों पर खरीद लेता है। इसी तरह इक्विटी में जब गिरावट आती है तो डेट हेवी न हो जाए, इसलिए डेट का पैसा इक्विटी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। अगर यही काम निवेशक खुद से स्टॉक खरीदकर करे तो टैक्सेशन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। इन फंड्स को टैक्स के लिहाज से भी बेहतर माना जाता है, क्योंकि ये इक्विटी-ओरिएंटेड हैं। इनमें इक्विटी का हिस्सा 65% से ऊपर बना रहता है। इनमें पैसा यदि 12 महीने से अधिक समय के लिए रखा जाता है, तो प्रति वर्ष 1.25 लाख रुपये तक के लाभ पर टैक्स नहीं लगता।

हाइब्रिड फंड्स की एक समस्या रही है कि उसे एक्टिव तरीके से ही मैनेज किया जाता है। यानी फंड मैनेजर अपने हिसाब से फैसले करता है। इसमें कई बार फैसलों में चूक भी हो सकती है। हाल के बरसों में देश में पैसिव इन्वेस्टिंग का चलन बढ़ा है। इसका मतलब है कि निवेशक किसी फंड मैनेजर पर निर्भर नहीं रहता। उसका फंड निफ्टी 50 जैसे किसी इंडेक्स को फॉलो करता है। चूंकि इसमें बार-बार ट्रेडिंग नहीं होती इसलिए फंड मैनेजर का बड़ा रोल नहीं होता, कोई एक्टिव रिसर्च टीम नहीं होती। पैसिव फंड्स इंडेक्स का सख्ती से पालन करके इंसानी गलती से जुड़े इस जोखिम को खत्म कर देते हैं। इनमें एक्टिव फंड्स के मुकाबले मैनेजमेंट फीस काफी कम होती है। हालांकि अक्सर एक पैसिव फंड बाजार को हरा नहीं पाता, यह हमेशा बाजार के बराबर ही चलेगा। अगर किसी इंडेक्स में कोई ऐसा सेक्टर जो मुश्किल में है, उसमें निवेश बनाए रखना पड़ता है, चाहे उसका भविष्य कैसा भी क्यों न हो।

हाल में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में एक मील का पत्थर तब स्थापित हुआ, जब मार्केट रेगुलेटर सेबी के नए फ्रेमवर्क के तहत भारत का पहला हाइब्रिड प्रोडक्ट लॉन्च किया गया, जो पैसिव है। इसमें इक्विटी और डेट के बीच 70:30 का एक निश्चित अनुपात बनाए रखने का फैसला किया गया है। आने वाले समय में और भी हाइब्रिड फंड आएंगे, जिन्हें पैसिव तरीके से मैनेज किया जाएगा। बाजार में जिस तरह के बदलाव आ रहे हैं, उससे पता चल रहा है कि नए विकल्प खुल रहे हैं। चूंकि हाइब्रिड फंड एक्टिव हो या पैसिव, इनमें इक्विटी की मौजूदगी होती है इसलिए उतार चढ़ाव का सफर इनमें भी जारी रहेगा। अभी पैसिव मोड का फंड अगले कुछ साल किस तरह परफॉर्म करता है, उसे देखने के बाद ही निवेश का फैसला किया जा सकता है।

पैसिव फंड होने की वजह से हाइब्रिड फंड्स का एक्सपेंस रेशियो यानी फंड मैनेज करने का खर्च थोड़ा कम हो सकता है। लंबे समय में ये छोटा-सा अंतर भी आपके रिटर्न को काफी बढ़ा देता है। एक्टिव फंड्स में फंड मैनेजर का परफॉर्मेंस अच्छा न हो तो रिटर्न कम हो जाता है। पैसिव फंड में ये रिस्क नहीं, इंडेक्स के करीब रिटर्न मिलता है। इंडेक्स को ठीक तरीके से ट्रैक करना भी मुश्किल होता है। थोड़ा अंतर रह जाता है, जिससे असल रिटर्न इंडेक्स से थोड़ा कम हो सकता है। वैसे हर एक्टिव फंड खराब ही होता है, ये जरूरी नहीं है। शॉर्ट टर्म या खास बाजार में एक्टिव फंड बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। पैसिव फंड में लंबे समय का परफॉर्मेंस डेटा नहीं है। एक्टिव हाइब्रिड फंड्स का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड उपलब्ध है, जिससे तुलना करना आसान है।

AI image

हाइब्रिड फंड्स में इक्विटी और डेट का संतुलन निवेश को ज्यादा स्थिर बनाता है। अब पैसिव हाइब्रिड विकल्प आने से निवेशक बिना फंड मैनेजर के फैसलों पर निर्भर हुए भी बाजार से जुड़े रह सकते हैं, हालांकि लंबे समय का प्रदर्शन अभी देखना बाकी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWDP3 User: cci Time: 03-28-2026 21:37 Color:

शॉर्ट-टर्म SIP का 'लाल' कार्ड

निवेश करना जारी रखें या फिर बाहर निकल जाएं?

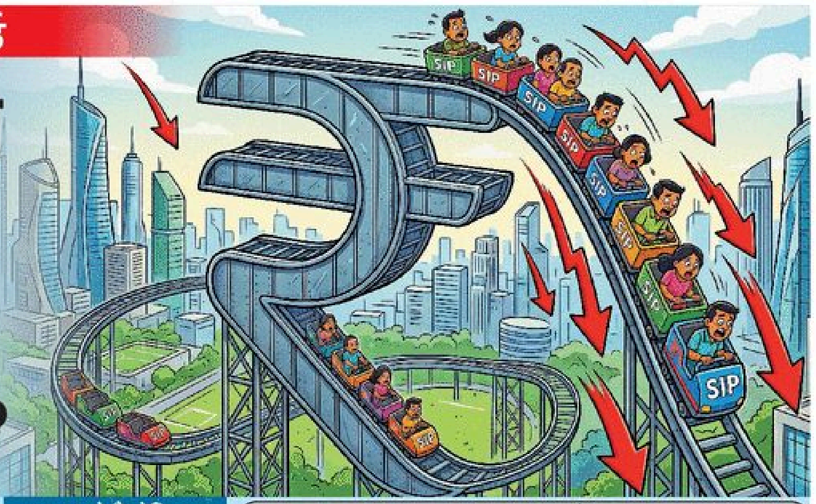

राजेश मिश्र
Rajesh.Mishra@timesofindia.com

बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और ग्लोबल तनाव ने शॉर्ट-टर्म SIP निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले डेढ़ साल की सुस्ती के चलते कई फंड्स के रिटर्न अब घाटे में पहुंच गए हैं। ऐसे में निवेशक असमंजस में हैं कि निवेश जारी रखें या अपनी रणनीति में बदलाव करें।

बाजार में पिछले कुछ दिनों से जारी उतार-चढ़ाव ने बहुत से म्यूचुअल फंड निवेशकों को अपने फैसले पर सोचने को मजबूर कर दिया है। खासकर वे लोग जिन्होंने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के माध्यम से पिछले एक-दो सालों में निवेश शुरू किया था, वे अब काफी उलझन में हैं। पिछले करीब 18 महीनों से बाजार का प्रदर्शन काफी सुस्त रहा है। ऊपर से पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से शेयरों में भारी बिकवाली हुई है। इसका नतीजा यह हुआ कि कम समय (शॉर्ट-टर्म) के लिए किए गए निवेश का रिटर्न अब घाटे यानी लाल निशान में चला गया है। साल 2020-21 में कोविड की वजह से बाजार में जो उथल-पुथल मची थी, उसके बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब रिटर्न इतने नीचे गिरे हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से पिछले एक महीने में निफ्टी में 13% की गिरावट आई है। अलग-अलग कैटिगरी की बात करें तो फ्लेक्सी-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप जैसे लोकप्रिय सेगमेंट में एक साल का SIP रिटर्न क्रमशः 13.47%, 10.36% और 15.38% तक गिर गया है। दो साल के समय में इनकी वैल्यू में 5.2%, 3.34% और 7.78% की गिरावट आई है। वहीं, तीन साल की SIP में रिटर्न की स्थिति देखें तो इन कैटिगरी में यह क्रमशः 3.86%, 7.26% और 2.31% ही रहा है।

किसने कितना डुबोया?

1 अप्रैल 2025 से 23 मार्च 2026 के बीच टेक सेक्टर के दो फंड्स 'क्वांट टेक फंड' और 'मोतीलाल ओसवाल डिजिटल इंडिया फंड' को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इनका निवेश क्रमशः 47.17% और 35.38% तक गिर गया।

स्मॉल कैप कैटिगरी में भी भारी गिरावट दिखी। 'टाटा स्मॉल कैप फंड' में SIP करने वालों को 32.56% का घाटा हुआ। एचडीएफसी, टाटा और आदित्य बिड़ला के टेक्नोलजी फंड्स भी 29% से 31% तक टूट गए। मोतीलाल ओसवाल के मिडकैप और मल्टीकैप फंड्स में 28% की गिरावट आई। इनवेस्को इंडिया और केनरा रोबेको के कंजम्पशन और टेक्नोलजी फंड्स भी 22% से 23% नीचे रहे।

स्मॉल कैप में निवेश करने वाले कोटक, HDFC, ICICI प्रूडेंशियल और SBI के फंड्स ने भी निवेशकों को 19% से 20% तक का नुकसान कराया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड को भी 10.08% का घाटा हुआ। HDFC डिफेंस फंड भी 4.99% नीचे रहा।

झटका तो है लेकिन...

- पिछले 1.5 साल से मार्केट में सुस्ती के कारण शॉर्ट-टर्म SIP रिटर्न अब घाटे में है।
- कोरोना काल (2020) के बाद निवेश शुरू करने वाले नए निवेशकों के लिए यह पहला बड़ा झटका है।
- पश्चिम एशिया के तनाव के कारण पिछले एक महीने में निफ्टी 13% तक लुढ़क चुका है।
- एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गिरते बाजार में ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका है, इसलिए निवेश बंद न करें।
- पोर्टफोलियो को सिर्फ इक्विटी के भरोसे न छोड़ें, इसमें सोना (Gold) और डेट फंड्स भी शामिल करें।

SIP की हकीकत जानें

- **इमरजेंसी फंड नहीं:** SIP को इमरजेंसी के लिए इस्तेमाल करना जोखिम भरा है, क्योंकि जरूरत के वक्त बाजार गिर सकता है।
- **प्लानिंग जरूरी:** SIP खुद में कोई प्लान नहीं है। बिना लक्ष्य (जैसे घर या पढ़ाई) के निवेश करना गलत साबित हो सकता है।
- **समीक्षा की जरूरत:** 'निवेश करो और भूल जाओ' का मंत्र गलत है। पोर्टफोलियो को समय-समय पर चेक करना और संतुलित करना जरूरी है।
- **औसत लागत का सच:** SIP गिरावट में औसत लागत तो कम करती है, लेकिन पोर्टफोलियो की वैल्यू गिरने से नहीं बचा सकती।
- **रिटर्न की गारंटी नहीं:** 15% या उससे ज्यादा के दिखाए गए मुनाफे सिर्फ अनुमान हैं, हकीकत में ये कम भी हो सकते हैं।

अहम सवाल: मुश्किल दौर में क्या करें?

गिरावट के मौजूदा दौर में ज्यादातर निवेशकों के मन में अहम सवाल ये है कि क्या उन्हें एक साथ (लम्पसम) पैसा लगाना चाहिए, अपनी SIP बढ़ानी चाहिए या फिर अपने पोर्टफोलियो को बदलकर घाटे वाले फंड्स से बाहर निकल जाना चाहिए?

1 अगले 6 महीने STP करें

वेल्थ मैनेजर्स का कहना है कि इस समय निफ्टी का प्राइस टु अर्निंग (PE) रेश्यो सितंबर 2024 के 24.4 से गिरकर 19.7 पर आ गया है। 20 से कम का लेवल लंबे समय के निवेश के लिए 'फेयर' यानी सही माना जाता है।

अगर बाजार यहां से और गिरता है, तो निवेश करना और भी फायदेमंद हो सकता है। जो निवेशक 5 साल से ज्यादा समय के लिए होल्ड कर सकते हैं, वे पैसा लगा सकते हैं। हालांकि, लम्पसम की जगह पैसा किसी 'लिक्विड स्कीम' में रखें और अगले 6 महीनों के लिए वहां से साप्ताहिक 'सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान' (STP) शुरू करें। इससे आपके पैसे पर 6-7% का ब्याज भी मिलता रहेगा और वह धीरे-धीरे इक्विटी में निवेश होता रहेगा।

2 पोर्टफोलियो में बदलाव करें

एक्सपर्ट का कहना है कि जिन लोगों ने ज्यादातर पैसा सिर्फ एक ही जगह लगा रखा है, उन्हें उसे इक्विटी, डेट और अन्य असेट्स में बांटना चाहिए। बहुत से लोगों ने सिर्फ हाल के टॉप परफॉर्मर्स को देखकर अपना पोर्टफोलियो बनाया है, जिसकी वजह से

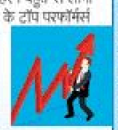

उनका बहुत ज्यादा पैसा सिर्फ सोने, चांदी या थीमैटिक फंड्स में फंसा हुआ है। ऐसे निवेशकों को अब डाइवर्सिफाइड विकल्पों जैसे 'लार्ज-कैप इंडेक्स फंड' या 'फ्लेक्सी-कैप फंड' की तरफ जाना चाहिए। वहीं, जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो पहले से ही डाइवर्सिफाइड है और उनके लक्ष्यों के हिसाब से सही है, उन्हें बाजार के इस शोर-शराबे पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

3 डाइवर्सिफाइड फंड्स में रहें

जिन निवेशकों का नजरिया 7 साल से ज्यादा का है, वे शॉर्ट-टर्म के उतार-चढ़ाव के बावजूद डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में बने रह सकते हैं। हालांकि, अगर आपके पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा थीमैटिक या सेक्टोरल फंड्स (किसी खास सेक्टर के फंड) में

है और वह आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो रिव्यू करना जरूरी है। ऐसे फंड्स में घाटा कम करने के लिए और ज्यादा पैसा डालना (एवरेजिंग) सही नहीं हो सकता। अगर जोखिम आपकी सहनशक्ति से बाहर जा रहा है, तो आप इन फंड्स से थोड़ा पैसा निकालकर डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में डाल सकते हैं, जहां फंड मैनेजर के पास कई अलग-अलग जगहों पर निवेश करने की आजादी होती है।

SIP रिटर्न का हाल

कैटिगरी	1 साल (%)	2 साल (%)	3 साल (%)
लार्ज एंड मिडकैप	-12.3	-4.1	5.2
लार्ज कैप	-13.5	-5.2	2.9
मिड कैप	-10.4	-3.3	7.3
स्मॉल कैप	-15.4	-7.8	2.3
फ्लेक्सी कैप	-13.5	-5.2	3.9
निफ्टी 50	-14.9	-4.7	2.2

एक्सपर्ट कहते हैं...

MFD विनत भारती के अनुसार, इक्विटी में निवेश के लिए धैर्य और लंबी अवधि का नजरिया जरूरी है। शॉर्ट-टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है और एक-दो साल में मुनाफा नहीं भी हो सकता है। SIP में अस्थायी घाटे से घबराएं नहीं, क्योंकि लंबी अवधि में रिटर्न बेहतर रहते हैं। जो निवेशक बाजार की अस्थिरता नहीं सह पाते, उनके लिए FD जैसे कम जोखिम वाले विकल्प बेहतर हो सकते हैं। वहीं CA स्वरूप मदान का कहना है कि मौजूदा माहौल में पोर्टफोलियो को संतुलित रखना जरूरी है और इक्विटी, डेट और गोल्ड में सही असेट एलोकेशन करना चाहिए।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Return
Quant Small Cap Fund(G)	21.28
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	19.63
Kotak Nifty PSU Bank ETF	19.58
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	19.42
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.00

25 March 2016 to 25 March 2026. % ANNUALISED RETURNS As on: 26 March 2026

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Scheme	Return
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	10.94
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	9.60
SBI Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	9.47
DSP Regular Savings Fund-Reg(G)	9.33
Kotak Debt Hybrid Fund(G)	9.29

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN. % ANNUALISED RETURNS AS ON 26 March 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर अधिक रिटर्न देने वाले टॉप 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	17.24	PGIM India Large Cap Fund(G)	9.57
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	16.17	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	10.27
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	16.16	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	11.21
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	16.01	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	11.36
Invesco India Largecap Fund	15.93	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	11.38

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.61	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	1.35
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.78	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.00
HDFC Flexi Cap Fund(G)	19.23	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.51
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.23	SBI Flexicap Fund-Reg(G)	11.06
Invesco India Flexi Cap Fund	18.38	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.43

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	25.29	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	12.41
Nippon India Growth Mid Cap	25.21	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	14.70
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	25.20	SBI Midcap Fund-Reg(G)	15.50
ICICI Pru Midcap Fund(G)	24.60	Quant Mid Cap Fund(G)	15.98
HSBC Midcap Fund-Reg(G)	23.80	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	16.60

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	27.38	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	10.06
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	22.99	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	12.35
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	22.72	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	13.16
Mahindra Manulife Small Cap	22.21	Kotak Small Cap Fund(G)	13.37
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.41	Canara Robeco Small Cap Fund-Reg	13.42

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	18.60	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	8.90
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	17.96	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	9.10
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	16.13	HDFC Hybrid Equity (Adjusted)	9.10
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	15.29	Tata Aggressive Hybrid Fund	9.46
UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.19	Groww Aggressive Hybrid Fund	10.42

ANNUALISED RETURNS IN %. As on: 26 March 2026

शेयर बाजार की टेंशन और बढ़ाएगी हूती की ललकार!

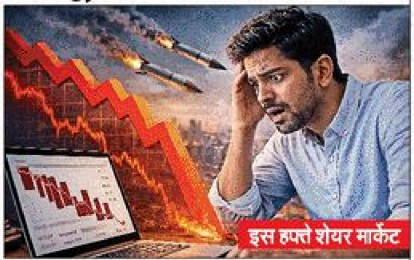

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हूती की एंट्री ने ग्लोबल बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है। तेल की कीमतों में उछाल और बढ़ती महंगाई से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है। ऐसे माहौल में शेयर बाजार लगातार दबाव में हैं और गिरावट का सिलसिला जारी रह सकता है।

पश्चिम एशिया में जंग के हालात बद से बदतर होते दिख रहे हैं। अब इसमें यमन के हूती भी कूद पड़े हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से कच्चा तेल करीब 60% ऊपर यानी 112 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा पर पहुंच गया है। इससे महंगाई बढ़ने का रिस्क है। अमेरिका और भारत सहित कई देशों में केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं। इन हालात में बॉन्ड्स पर यील्ड बढ़ रहा है। बड़े निवेशक इनके सेफ रिटर्न की ओर मुड़ रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी और भारतीय, दोनों शेयर बाजार पिछले 5 हफ्तों से लगातार गिर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सेंटिमेंट नेगेटिव बना हुआ है। बाजार और नीचे जा सकता है।

नियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'पश्चिम एशिया के हालात और इसके चलते सप्लाई में बाधाओं से कंपनियों के मुनाफे पर कितनी आंच आ सकती है, बाजार की दिशा अब इस पर निर्भर है। दूसरे इमर्जिंग मार्केट्स के मुकाबले अपना बाजार अब भी महंगा है, लिहाजा FII भी उदे बने रह सकते हैं।'

कहां जाएगा निफ्टी? SAMCO सिक्योरिटीज के टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट ओम मेहरा ने कहा, 'निफ्टी के लिए 23200-23300 जोन में रेजिस्टेंस है। क्लोजिंग बेसिस पर इंडेक्स जब तक इससे ऊपर नहीं रहेगा, रिकवरी की गुंजाइश कम रहेगी। 22600-22500 जोन पर सपोर्ट है। मौजूदा सेट-अप करेक्शन फेज का है और कोई भी रिबाउंड आने पर ऊपरी स्तरों पर रेजिस्टेंस दिखेगा।'

HDFC सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट नागराज शेट्टी ने कहा, 'हालिया पुलबैक रैली के बाद ट्रेंड तेजी से नेगेटिव हो गया है। अब इस हफ्ते निफ्टी 22450 की ओर जा सकता है। 22000 पर पोजिशनल सपोर्ट है। ऊपर की ओर 23200 पर रेजिस्टेंस है।'

क्या करना चाहिए? SAMCO सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव्स रिसर्च एनालिस्ट धुपेश धमेजा ने कहा, "22950-23050 की ओर कोई भी बाउंस आने पर फ्रेश सेलिंग शुरू हो सकती है। जब तक निफ्टी 23200 के ऊपर नहीं बना रहता, तब तक बढ़त पर बिकवाली की रणनीति हावी रह सकती है।" वहीं, विनोद नायर ने कहा, 'फिलहाल वोलैटिलिटी बनी रहेगी, लेकिन गिरावट बढ़ने और वैल्यूएशन गैप घटने के साथ लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री के मौके बेहतर हो सकते हैं।'

SEBI का प्रस्ताव, नॉमिनेशन को डिफॉल्ट बनाया जाए, 7 तक दे सकते हैं राय

शेयर, MF में नॉमिनी बनाना आसान!

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

SEBI ने शेयर और म्यूचुअल फंड में नॉमिनी बनाने के नियम आसान करने का प्रस्ताव दिया है। नए सुझावों में प्रक्रिया को आसान करना, कम जानकारी की जरूरत और डिफॉल्ट नॉमिनेशन जैसी व्यवस्था शामिल है, जिससे निवेशकों के लिए सिस्टम ज्यादा सहज और व्यावहारिक बन सके।

AI Image

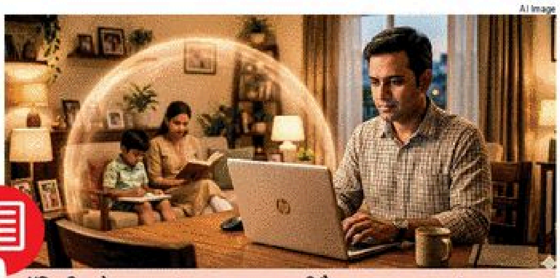

SEBI ने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड फोलियो के लिए नॉमिनेशन नियमों को आसान बनाने का प्रस्ताव दिया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि जनवरी 2025 में लागू नियमों को लेकर इंडस्ट्री ने कई व्यावहारिक दिक्कतें बताई थीं। SEBI ने 7 अप्रैल तक लोगों से राय मांगी है। SEBI का यह कदम निवेशकों के लिए सिस्टम को सरल, पारदर्शी और ज्यादा यूजर-फ्रेंडली बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

क्या है बड़ा बदलाव? SEBI का सबसे अहम प्रस्ताव यह है कि अब नॉमिनेशन को डिफॉल्ट (Default) बना दिया जाए। यानी जब कोई नया डीमैट अकाउंट या म्यूचुअल फंड फोलियो खोलेगा, तो उसमें अपने-आप नॉमिनी जोड़ दिया जाएगा। वहीं, अगर कोई निवेशक नॉमिनी नहीं रखना चाहता, तो उसे अलग से 'ऑप्ट आउट' (Opt-out) करना होगा और इसके लिए एक डिक्लेरेशन (घोषणा) देनी होगी। पहले नॉमिनेशन से बाहर निकलने के लिए OTP और विडियो वेरिफिकेशन जैसी प्रक्रिया करनी पड़ती थी, जिसे अब हटाने का प्रस्ताव है, ताकि प्रक्रिया आसान हो सके।

नॉमिनी बनाना आसान: नए प्रस्ताव के तहत अब नॉमिनी की ज्यादा जानकारी देने की जरूरत नहीं होगी। सिर्फ दो चीजें जरूरी (Mandatory) होंगी: नॉमिनी का नाम और निवेशक से उसका संबंध। इसके अलावा पता, मोबाइल नंबर, ईमेल और हिस्सेदारी (share) जैसी जानकारी वैकल्पिक होगी। अगर निवेशक नॉमिनी के हिस्से तय नहीं करता, तो संपत्ति बराबर-बराबर बांट दी जाएगी।

नॉमिनी की संख्या पर भी बदलाव: जनवरी 2025 के नियमों में नॉमिनी की संख्या 3 से बढ़ाकर 10 कर दी गई थी। लेकिन अब SEBI ने इसे घटाकर अधिकतम 4 करने का प्रस्ताव दिया है। कारण यह है कि ज्यादा नॉमिनी होने से सिस्टम में जटिलता बढ़ती है। वैसे भी ज्यादातर निवेशक 1 या 2 नॉमिनी ही रखते हैं। इन प्रस्तावित बदलावों से निवेश प्रक्रिया आसान और कम झंझट वाली हो सकती है। नॉमिनेशन अपने आप जुड़ने से भविष्य में क्लेम करना भी सरल होगा।

नॉमिनी को अकाउंट ऑपरेट करने की अनुमति?

जनवरी 2025 के सर्कुलर में यह प्रावधान था कि निवेशक के अक्षम होने पर नॉमिनी को सीमित रूप से अकाउंट चलाने की अनुमति मिल सकती है, जबकि सामान्यतः नॉमिनी को अधिकार केवल मौत के बाद मिलता है। इससे भ्रम की स्थिति बनी। अब SEBI ने सुझाव दिया है कि इसकी जगह मौजूदा पावर ऑफ अटॉर्नी (POA) व्यवस्था ही अपनाई जाए, जिसमें निवेशक पहले से किसी भरोसेमंद व्यक्ति को स्पष्ट अधिकार दे सकता है।

डीमैट, म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनेशन क्यों?

नॉमिनेशन से बैंकों, डिपॉजिटरी और असेट मैनेजमेंट कंपनियों के लिए क्लेम निपटाना आसान हो जाता है और वारिसों को पैसा जल्दी मिल जाता है। इसके विपरीत, नॉमिनेशन न होने पर असेट ट्रांसफर में लंबा समय लगता है, विवाद की संभावना बढ़ती है और मामला कोर्ट तक जा सकता है। ऐसी स्थिति में वारिसों को सक्सेशन सर्टिफिकेट या प्रोबेट दिखाना पड़ता है, जिससे पूरी प्रक्रिया महीनों तक खिंच सकती है।

क्या नॉमिनी कानूनी वारिस से अलग है?

कानूनी वारिस वह होता है जिसे मृतक की संपत्ति पर असली अधिकार मिलता है, जबकि नॉमिनी केवल अस्थायी रूप से रिसीवर या ट्रस्टी की भूमिका निभाता है, जब तक कि संपत्ति सही वारिस तक न पहुंच जाए। कई बार नॉमिनी ही वारिस हो सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं। वारिस की पहचान वसीयत या उत्तराधिकार कानूनों से होती है। निवेशक की मौत पर नॉमिनेशन होने पर AMC या डिपॉजिटरी संपत्ति नॉमिनी को ट्रांसफर करती है। नॉमिनेशन या वसीयत न हो तो प्रक्रिया जटिल हो जाती है और सक्सेशन सर्टिफिकेट, प्रोबेट या एडमिनिस्ट्रेशन लेटर की जरूरत पड़ती है।

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बढ़ी है अनिश्चितता, ऐसे समय में यूनिवर्सिटी का हेल्थ इंश्योरेंस काफी नहीं

विदेश में स्टूडेंट्स के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस ज़रूरी

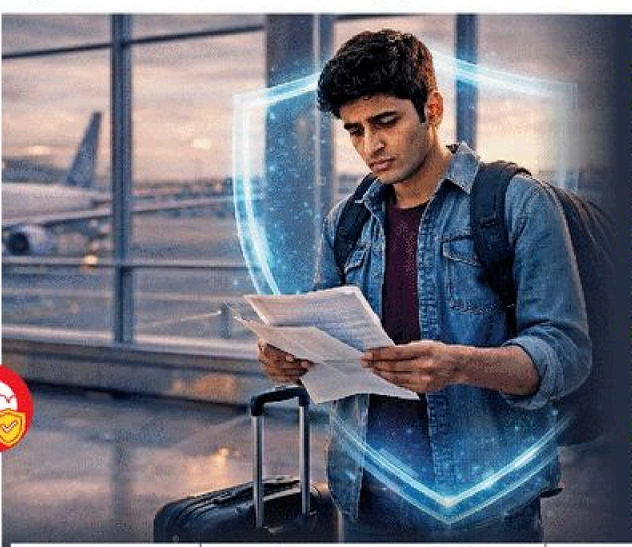

यासमीन हुसैन
Yasmin.Hussain@timesofindia.com

विदेश में पढ़ाई के दौरान सिर्फ यूनिवर्सिटी हेल्थ इंश्योरेंस पर निर्भर रहना काफी नहीं। बदलते वैश्विक हालात में स्टूडेंट ट्रैवल पॉलिसी अतिरिक्त सुरक्षा देती है, जो मेडिकल खर्च के साथ पढ़ाई, यात्रा और अन्य वित्तीय जोखिमों को भी कवर करती है।

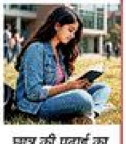

छात्र की पढ़ाई का खर्च उठाने वाले व्यक्ति की मौत हो जाए, तो इंश्योरेंस कंपनी छात्र की फीस भरती है।

विदेश में पढ़ाई करने का सपना आज हजारों भारतीय छात्रों का है। बेहतर शिक्षा, ग्लोबल एक्सपोजर और करियर के नए मौके- इन सबके लिए छात्र और उनके परिवार बड़ी तैयारी करते हैं। लेकिन इस तैयारी का एक अहम हिस्सा अक्सर नजरअंदाज हो जाता है, और वह है सही इंश्योरेंस कवर। हाल के समय में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह की अनिश्चितता बढ़ी है, जैसे किसी क्षेत्र में अचानक तनाव, फ्लाइट कैंसल होना, या इमरजेंसी में किसी दूसरे देश में शिफ्ट होना- इन सबने यह साफ कर दिया है कि विदेश में पढ़ाई सिर्फ क्लासरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई तरह के जोखिम भी जुड़े होते हैं। इसी वजह से अब सिर्फ यूनिवर्सिटी द्वारा दिए जाने वाले हेल्थ इंश्योरेंस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं माना जा रहा। छात्रों और उनके परिवारों को अब इंश्योरेंस की बारीक शर्तों (fine print) को समझना जरूरी हो गया है।

स्टूडेंट ट्रैवल पॉलिसी ज्यादा काम की

अधिकांश विदेशी यूनिवर्सिटीज अपने छात्रों को हेल्थ इंश्योरेंस देती है। यह इंश्योरेंस मुख्य रूप से मेडिकल ट्रीटमेंट पर केंद्रित होता है और यूनिवर्सिटी के नेटवर्क के अंदर इलाज को आसान बनाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी सीमा यही है कि यह सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों तक सीमित रहता है। वहीं, भारतीय इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा दी जाने वाली स्टूडेंट ट्रैवल पॉलिसी इस मामले में ज्यादा व्यापक (Comprehensive) होती है। यह सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि विदेश में रहने और यात्रा से जुड़े अन्य जोखिमों को भी कवर करती है। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी छात्र को बीमारी या पारिवारिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में रोकनी पड़े, या उसका पासपोर्ट खो जाए, या सामान चोरी हो जाए, तो ऐसे मामलों में यूनिवर्सिटी का इंश्योरेंस ज्यादा मदद नहीं करता। वहीं, एक अच्छी ट्रैवल पॉलिसी इन जोखिमों को कवर कर सकती है।

जानें कैसे बनती है सुरक्षा कवच?

- भारतीय स्टूडेंट ट्रैवल इंश्योरेंस को अक्सर यूनिवर्सिटी प्लान का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक (Supplement) माना जाता है। इसका मतलब यह है कि जहां यूनिवर्सिटी इंश्योरेंस आपको स्थानीय अस्पतालों में इलाज में मदद करता है, वहीं ट्रैवल पॉलिसी आपको एक व्यापक सुरक्षा देती है।
- इसमें कई तरह के फायदे शामिल होते हैं, जैसे: छात्र की पढ़ाई बीच में रुकने पर आर्थिक सहायता, स्पॉन्सर (जैसे माता-पिता) के साथ कुछ अनहोनी होने पर फीस कवर, पासपोर्ट या बैगेज (सामान) खोने पर मदद, लैपटॉप या टैबलेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान के नुकसान का कवर, कानूनी मामलों में सहायता। संकट या आपात स्थिति में अगर छात्र को भारत वापस आने के बजाय किसी सुरक्षित दूसरे देश में जाना पड़े, तो ऐसी यात्रा का कवर भी कुछ स्टूडेंट ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी में शामिल होता है।
- इसके साथ ही स्पॉन्सर प्रोटेक्शन भी बहुत महत्वपूर्ण फीचर है। अगर छात्र की पढ़ाई का खर्च उठाने वाले व्यक्ति, जैसे पिता या अभिभावक की मौत हो जाए, या वह किसी कारण से आर्थिक रूप से सक्षम न रहें, तो इंश्योरेंस कंपनी छात्र की बाकी फीस भरने में मदद करती है। इससे पढ़ाई बीच में रुकने का खतरा कम हो जाता है।

क्या-क्या कवर नहीं होता?

- ज्यादातर भारतीय इंश्योरेंस पॉलिसी युद्ध या संघर्ष से होने वाले नुकसान को कवर नहीं करतीं। ऐसे में युद्ध हो तो वहां से निकासी या इमरजेंसी खर्च का भुगतान खुद करना पड़ सकता है।
- रूटीन हेल्थ चेकअप, प्रिवेंटिव केयर (बीमारी रोकने वाली जांच) और सामान्य मेडिकल एग्जामिनेशन भी कवर नहीं होते।
- कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट या वैकल्पिक इलाज भी आमतौर पर पॉलिसी से बाहर होते हैं, जब तक कि वे किसी दुर्घटना के कारण जरूरी न हों।
- डेंटल से जुड़े खर्च भी सीमित होते हैं। आमतौर पर सिर्फ चोट के कारण होने वाले इलाज को ही कवर किया जाता है, नियमित दांत के इलाज को नहीं।

कवर राशि कितनी होती है?

अधिकांश भारतीय स्टूडेंट ट्रैवल पॉलिसी में कवर आमतौर पर 1 लाख डॉलर से लेकर 5 लाख डॉलर तक होता है। हालांकि यह 10 लाख डॉलर तक भी जा सकता है, खासकर US जैसे देशों के लिए, जहां इलाज महंगा है। इससे यह समझ आता है कि यह पॉलिसी सिर्फ छोटे-मोटे खर्च के लिए नहीं, बल्कि बड़े आर्थिक जोखिम को कवर करने के लिए बनाई जाती है।

नॉन-मेडिकल कवर में भी शर्तें

- ट्रैवल पॉलिसी में मिलने वाले नॉन-मेडिकल फायदे भी पूरी तरह बिना शर्त नहीं होते। जैसे बैगेज लॉस का कवर हर स्थिति में नहीं मिलता। इसमें कई बार महंगे सामान जैसे लैपटॉप या गैजेट्स पर सीमा तय होती है। यानी अगर छात्र का महंगा लैपटॉप खो जाए, तो हो सकता है पूरी कीमत का भुगतान न मिले। इसके अलावा, क्लेम करने के लिए जरूरी दस्तावेज देना भी जरूरी होता है।
- कई मामलों में इलाज या खर्च के लिए पहले से इंश्योरेंस कंपनी की मंजूरी लेना जरूरी होता है। अगर बिना अनुमति खर्च किया गया, तो क्लेम रिजेक्ट भी हो सकता है।
- एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि पॉलिसी सिर्फ अवधि (Policy period) तक मान्य होती है। अगर पॉलिसी खत्म होने के बाद कोई खर्च हुआ, तो उसका भुगतान नहीं किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी इंश्योरेंस से यह काफी सस्ती

भारतीय ट्रैवल पॉलिसी की बड़ी खासियत यह है कि यह यूनिवर्सिटी इंश्योरेंस के मुकाबले काफी सस्ती होती है। कुछ विदेशी यूनिवर्सिटी का हेल्थ प्लान सालाना 3 से 3.5 लाख रुपये तक का हो सकता है, जबकि भारतीय इंश्योरेंस पॉलिसी करीब 30-35 हजार रुपये में मिल जाती है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ कीमत देखकर फैसला करना सही नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि पॉलिसी किन जोखिमों को कवर करती है।

छात्रों-अभिभावकों को क्या करना चाहिए?

विदेश में पढ़ाई बड़ा वित्तीय और जीवन से जुड़ा फैसला है, इसलिए सही इंश्योरेंस देखें। यूनिवर्सिटी प्लान इलाज कवर करता है, जबकि भारतीय स्टूडेंट ट्रैवल पॉलिसी यात्रा और अन्य जोखिमों से सुरक्षा देती है। बेहतर रणनीति दोनों लेना है और शर्तें समझना जरूरी है।

छात्रों के लिए इंश्योरेंस गाइड

यूनिवर्सिटी प्लान में क्या-क्या कवर नहीं होता?

- पढ़ाई बीच में रुकना।
- स्पॉन्सर प्रोटेक्शन।
- लीगल असिस्टेंस।
- विदेश यात्रा।
- पासपोर्ट या सामान खोना।

खर्च कौन उठाता है?

- कैंपस के अस्पताल में भर्ती: यूनिवर्सिटी प्लान
- पासपोर्ट खो जाना: भारतीय पॉलिसी
- दूसरे देश की यात्रा: भारतीय पॉलिसी
- युद्ध जैसी स्थिति में बाधा: कवर नहीं

भारतीय पॉलिसी में क्या?

ये कवर होता है:

- विदेश में अस्पताल में भर्ती और इलाज।
- इमरजेंसी मेडिकल निकासी और भारत वापसी।
- बीमारी या पारिवारिक इमरजेंसी में पढ़ाई रुकना।
- स्पॉन्सर के साथ अनहोनी होने पर आर्थिक सुरक्षा।
- अस्पताल में परिवार के सदस्य का विजिट।
- पासपोर्ट और चेक-इन बैगेज का नुकसान।
- फ्लाइट लेट या कनेक्टिंग फ्लाइट मिस होना।

ये कवर नहीं होता:

- युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति से जुड़े नुकसान।
- सामान्य हेल्थ चेकअप और प्रिवेंटिव केयर।
- कॉस्मेटिक या वैकल्पिक इलाज।
- दांत का इलाज (अगर चोट से जुड़ा न हो)।
- शराब या ड्रग्स के कारण हुए खर्च।
- इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट या प्रयोगात्मक इलाज।
- महंगे सामान का पूरा कवर नहीं मिलता।

क्या फिर बढ़ेगी पुराने टैक्स रेजीम की अहमियत?

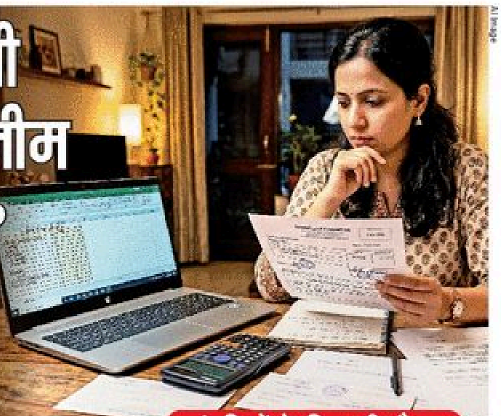

1 अप्रैल से 'इनकम टैक्स एक्ट 2025' लागू हो रहा है, जिससे टैक्स सिस्टम आसान बनने की उम्मीद है। लेकिन भत्तों और HRA में बदलाव के बाद पुराना टैक्स रेजीम फिर से चर्चा में है। अब करदाताओं को दोबारा कैल्कुलेशन करना होगा कि उनके लिए कौन-सा रेजीम सही रहेगा।

प्रीति कुलकर्णी
Preeti.Kulkarni@timesofindia.com

नए इनकम टैक्स एक्ट 2025 का मकसद भाषा को आसान बनाना, पुराने नियमों को हटाना और टैक्स से जुड़े काम और कानूनी मामलों का बोझ कम करना है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) ने 20 मार्च को इनकम टैक्स के आखिरी नियम जारी कर दिए हैं, जिससे यह बदलाव अब शुरू हो गया है।

1 अप्रैल 2026 से भारत में नया 'इनकम टैक्स एक्ट 2025' लागू होगा। इसका उद्देश्य टैक्स कानून को आसान बनाना, पुरानी धाराएं हटाना और टैक्स फाइलिंग को सरल बनाना है। इसी के तहत 'फाइनेंशियल ईयर' (वित्तीय वर्ष) की जगह अब 'टैक्स ईयर' (कर वर्ष) का इस्तेमाल किया जाएगा।

बजट 2025 के बाद तक नया टैक्स रेजीम ज्यादा फायदेमंद माना जा रहा था, क्योंकि इसमें कम टैक्स दरें, सरल स्लैब और कम कागजी प्रक्रिया है। लेकिन अब नए नियम आने के बाद स्थिति बदलती दिख रही है और पुराने टैक्स रेजीम की चर्चा फिर तेज हो गई है।

क्यों फिर चर्चा में ओल्ड रेजीम?

नए नियमों में कुछ ऐसे बदलाव किए गए हैं, जो सिर्फ पुराने टैक्स रेजीम में ही हैं। खासकर भत्तों (Allowances) पर मिलने वाली टैक्स छूट को काफी बढ़ा दिया गया है। अब बच्चों की पढ़ाई के लिए मिलने वाली टैक्स-फ्री राशि 100 से बढ़ाकर 3,000 प्रति माह कर दी गई है। वहीं हॉस्टल खर्च की सीमा 300 से बढ़ाकर 9,000 प्रति माह (प्रति बच्चा, अधिकतम दो बच्चों तक) कर दी गई है। इसके अलावा खाने या रिफ्रेशमेंट पर मिलने वाली टैक्स-फ्री सीमा 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। ये सभी छूट केवल पुराने टैक्स रेजीम में ही मिलती हैं, इसलिए अब लोग दोबारा यह सोचने लगे हैं कि कौन सा विकल्प बेहतर रहेगा।

HRA बना सबसे बड़ा फैक्टर

इस बार हाउस रेंट अलाउंस (HRA) में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों में रहने वाले कर्मचारियों को भी 50% तक बेसिक सैलरी पर HRA छूट मिलेगी, जो पहले 40% थी। यानी अब ये शहर दिल्ली, मुंबई, चेन्नै और कोलकाता के बराबर हो गए हैं। इस बदलाव से किराए पर रहने वाले कर्मचारियों को पुराने टैक्स रेजीम में ज्यादा फायदा मिल सकता है। इसलिए HRA अब टैक्स बचाने का सबसे अहम तत्व बन गया है।

नया टैक्स रेजीम भी मजबूत

इन बदलावों के बावजूद भी हर व्यक्ति के लिए पुराना टैक्स रेजीम फायदेमंद नहीं होगा। खासकर वे लोग जो HRA क्लेम नहीं करते, उनके लिए पुराने रेजीम में बचत सीमित ही रहेगी। अगर कोई व्यक्ति 25 लाख से ज्यादा कमाता है और HRA क्लेम नहीं करता, तो पुराने रेजीम में उसे लगभग 21,000 से 25,000 तक ही अतिरिक्त बचत हो सकती है। इसके मुकाबले नया टैक्स रेजीम अभी भी सरल और कम झंझट वाला विकल्प बना हुआ है। इसके अलावा, सभी कंपनियां अपने कर्मचारियों को ये भत्ते नहीं देतीं। अनुमान है कि भारत में केवल 10-15% कंपनियां ही इस तरह के भत्तों को सैलरी स्ट्रक्चर में शामिल करती हैं। यानी बहुत से लोगों को इन बढ़ी हुई छूट का फायदा मिल ही नहीं पाएगा।

कंपनियों के लिए भी मौका

नए नियम कंपनियों के लिए भी अवसर लेकर आए हैं। अब कंपनियां अपने कर्मचारियों के सैलरी स्ट्रक्चर को नए तरीके से डिजाइन कर सकती हैं, जिससे कर्मचारियों को ज्यादा टैक्स बचत का लाभ मिल सके। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कंपनियां इन बदलावों को कितनी जल्दी अपनाती हैं।

कौन-सा टैक्स रेजीम चुनें?

इनकम टैक्स एक्ट 2025 सिस्टम को आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम है, लेकिन इसके साथ ही इसने पुराने और नए टैक्स रेजीम के बीच चुनाव को फिर अहम बना दिया है। इसलिए सही फैसला लेने के लिए अपनी आय, खर्च और मिलने वाली छूट का सही हिसाब लगाना जरूरी है। अगर आप किराए पर रहते हैं, HRA क्लेम करते हैं और आपको अलग-अलग भत्तों का फायदा मिलता है, तो पुराना टैक्स रेजीम आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। लेकिन अगर आपकी आय सीधी-सादी है और आप कम कागजी प्रक्रिया चाहते हैं, तो नया टैक्स रेजीम अब भी बेहतर रहेगा।

HRA क्लेम में बढ़ी सख्ती

अगर आप माता-पिता को किराया देकर HRA क्लेम करते हैं, तो अब ज्यादा सावधानी बरतनी होगी। नए ITR फॉर्म में आपको मकान मालिक से अपने संबंध की जानकारी देनी होगी। साथ ही, आपके पास वैध रेंट एग्रीमेंट और किराए की रसीदें होनी चाहिए। आपके माता-पिता को भी इस किराए को अपनी आय के रूप में दिखाना होगा। यानी अब इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाई गई है।

कार सुविधा पर भी असर

नए नियमों में कंपनी द्वारा दी जाने वाली कार पर टैक्स (Perquisite) की गणना भी बदली गई है। इससे दोनों ही टैक्स सिस्टम में टैक्स देनदारी थोड़ी बढ़ सकती है। हालांकि यह बदलाव महंगाई को देखते हुए काफी समय से जरूरी माना जा रहा था।

प्रॉपर्टी बेचने पर टैक्स बचाने के लिए निवेश के क्या विकल्प हैं?

सुशील अग्रवाल
NBTwealth@timesofindia.com

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई भी सवाल आपके मन में है, तो हमें भेजिए। हम उसका सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में देंगे।

टैक्स इस बात पर निर्भर नहीं करता कि पैसा किस तरीके से मिला, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपकी आय (Income) है या नहीं।

Q क्या होम लोन लेने पर मिलने वाली टैक्स छूट नए टैक्स रेजीम में भी मिलती है? - संदीप वर्मा, ग्रेटर नोएडा

नहीं। नए टैक्स रेजीम में सेल्फ ऑक्युपाइड हाउस प्रॉपर्टी पर होम लोन से जुड़ी कोई टैक्स छूट नहीं मिलती। इसका मतलब यह है कि न तो धारा 24(b) के अंतर्गत ब्याज पर और न ही धारा 80C के अंतर्गत प्रिंसिपल रीपेमेंट पर कोई कटौती उपलब्ध है। हां, यदि घर किराए पर दिया गया है, तो ब्याज की कटौती की अनुमति है, लेकिन उससे होने वाले नुकसान को आपकी अन्य इनकम से सेट ऑफ करने की सुविधा नई रेजीम में नहीं है।

Q अगर मैंने साल भर में कोई टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट नहीं किया, तो भी कुछ टैक्स बचत की जा सकती है? - राजन कुमार, गुड़गांव

जी हां, कुछ हद तक टैक्स बचाया जा सकता है, खासकर नए टैक्स रेजीम में। सैलरी या पेंशन पाने वाले टैक्सपेयर्स को 75,000 का स्टैंडर्ड डिडक्शन यानी तय छूट मिलती है, जिससे टैक्सेबल इनकम अपने-आप कम हो जाती है। इसके अलावा, अगर टैक्सेबल इनकम 12 लाख तक है, तो धारा 87A के तहत मिलने वाले रिबेट यानी टैक्स में पूरी छूट के कारण आपका टैक्स शून्य हो सकता है। अगर एम्प्लॉयर ने आपके लिए NPS में कंट्रीब्यूशन किया है, तो उस पर छूट नई टैक्स रेजीम में भी मिलती है। वहीं, बिजनेस या फ्रीलांस इनकम वालों के लिए काम से जुड़े खर्च घटाकर टैक्स देनदारी कम की जा सकती है। हालांकि, धारा 80C जैसी निवेश-आधारित छूट नए टैक्स रेजीम में नहीं होती।

Q क्या हर बैंक अकाउंट और FD की जानकारी ITR में देना जरूरी होता है? - श्वेत शशि, गाजियाबाद

इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरते समय आपको अपने सभी सक्रिय सेविंग और करंट बैंक अकाउंट की जानकारी देना जरूरी होता है। इससे टैक्स विभाग आपकी आय और लेन-देन को सही तरीके से ट्रैक कर पाता है। हालांकि, हर FD का अलग-अलग नंबर बताना जरूरी नहीं है। लेकिन FD से मिलने वाला पूरा ब्याज टैक्सेबल होता है और उसे 'अन्य स्रोतों से आय' में दिखाना जरूरी है। अगर इस ब्याज पर TDS कटा है, तो उसे Form 26AS या AIS से मिलान करके सही तरीके से क्लेम करना चाहिए, ताकि टैक्स की गणना में कोई गलती न हो।

Q क्या डिजिटल पेमेंट (UPI, वॉलेट) से होने वाली इनकम पर भी टैक्स देना पड़ता है? - जीनत, लखनऊ

बिल्कुल, देना पड़ता है। टैक्स इस बात पर निर्भर नहीं करता कि पैसा किस तरीके से मिला, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपकी आय (Income) है या नहीं। अगर आपको UPI, वॉलेट या बैंक ट्रांसफर के जरिए जो पैसा मिला है, वह आपकी कमाई है, जैसे बिजनेस, फ्रीलांस या सर्विस से जुड़ा, तो वह टैक्सेबल होगा और उसे ITR में दिखाना जरूरी है। आजकल डिजिटल ट्रांजैक्शंस की जानकारी बैंकों और पेमेंट प्लेटफॉर्म्स के जरिए आयकर विभाग तक पहुंचती है। इसलिए ऐसी आय को छुपाना जोखिम भरा हो सकता है।

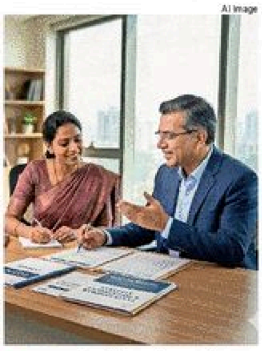

Q मैं विदेश में पैसे कमाकर भारत में घरवालों को भेजती हूं, तो उस पर टैक्स कैसे लगेगा? - रीता सिंह, गाजियाबाद

यह आपके रेजिडेंशल स्टेटस यानी आप टैक्स के लिहाज से भारत के निवासी हैं या नहीं, इस पर निर्भर करता है। अगर आप निवासी हैं, तो विदेश में हुई कमाई भी भारत में टैक्सेबल मानी जाएगी, चाहे पैसा भारत में भेजा गया हो या नहीं। अगर आप Non-Resident (NRI) या Resident but Not Ordinarily Resident (RNOR) हैं, तो आम तौर पर सिर्फ वही आय भारत में टैक्सेबल होती है, जो भारत में कमाई गई हो या भारत में प्राप्त हुई हो। रेसिडेंट टैक्सपेयर्स के लिए यह जरूरी है कि वे अपनी विदेशी आय और विदेशी एसेट्स यानी संपत्ति की पूरी जानकारी ITR में सही-सही दें, ताकि भविष्य में किसी तरह की समस्या न हो।

Q प्रॉपर्टी बेचने पर टैक्स बचाने के लिए पैसा कहां निवेश करें, अगर दोबारा प्रॉपर्टी नहीं खरीदनी हो? - वैशाली मिश्रा, फरीदाबाद

यदि प्रॉपर्टी बेचने पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन हुआ है और आप दोबारा प्रॉपर्टी में निवेश नहीं करना चाहते, तो टैक्स बचाने के लिए आप अधिकतम 50 लाख तक स्पेसिफाइड इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स (विशेष बॉन्ड) में निवेश कर सकते हैं। ये बॉन्ड्स REC, NHAI, IRFC और PFC द्वारा जारी किए जाते हैं। इन बॉन्ड्स में निवेश प्रॉपर्टी बिक्री की तारीख से 6 महीने के भीतर करना जरूरी होता है। इन पर लगभग 5.25% का ब्याज मिलता है, जो टैक्सेबल (कर योग्य) होता है। साथ ही, इन बॉन्ड्स को 5 साल से पहले बेचा नहीं जा सकता, यानी इसमें एक निश्चित लॉक-इन पीरियड होता है। *(लेखक चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विषयों के जानकार हैं।)*

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनेंस से जुड़ा कोई भी सवाल आपके मन में है, कोई बात आपको समझ नहीं आ रही है तो हमें बताएं। सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखें और ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर। हां, ई-मेल में अपना और शहर का नाम लिखना न भूलें।

रियल एस्टेट सेक्टर में बदलाव

वॉर से दुबई में दिक्कत, भारत में बढ़ा मौका

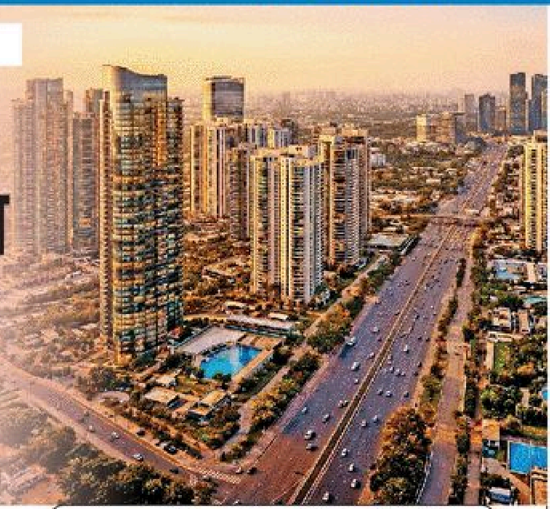

ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच तनाव का असर वैश्विक बाजारों पर दिखने लगा है। तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई और निर्माण लागत बढ़ रही है। इस बीच भारत का रियल एस्टेट सेक्टर निवेशकों, खासकर NRI के लिए सुरक्षित और आकर्षक विकल्प बनकर उभर सकता है।

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

वेस्ट एशिया में बढ़ते तनाव और उसके चलते बदलते ग्लोबल माहौल का असर अब निवेश के फैसलों में भी नजर आने लगा है। जहां एक तरफ दुबई जैसे देशों में लागत और जोखिम बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भारत जैसे बाजार निवेशकों के लिए नया भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रहे हैं, खासकर रियल एस्टेट सेक्टर में।

ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध का पहला असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। सच तो यह है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इंपोर्ट करता है, इसलिए तेल की कीमतों में बढ़ोतरी सीधे तौर पर महंगाई को बढ़ाती है। महंगाई बढ़ने से इन्फ्रास्ट्रक्चर की लागत बढ़ती है। टाइल्स आदि की कीमतों में इजाफा होता है। इसके अलावा, फॉरेन इन्वेस्टर्स का विश्वास भी प्रभावित होता है, जिससे निवेश कुछ धीमा पड़ सकता है। यह स्थिति कुछ समय के लिए ही नहीं होती, बल्कि यह लॉन्ग टर्म फैसलों पर भी असर डाल सकती है। लेकिन एक सच यह भी है कि दुबई जैसे शहरों में हुई बमबारी ने विदेशी निवेशकों, एनआरआई इन्वेस्टर्स को फिर से भारत की ओर देखने के लिए मजबूर किया है।

महंगाई का असर

जब इंटरनैशनल मार्केट में तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसका सीधा असर रियल एस्टेट के प्रोजेक्ट पर पड़ता है। इन्फ्रास्ट्रक्चर में उपयोग होने वाले अहम कच्चे माल जैसे सीमेंट, स्टील, ईंट आदि की कीमतें काफी हद तक एनर्जी की लागत और कीमतों पर आधारित होती हैं। हकीकत यह है कि तेल महंगा होने से इन सभी चीजों के प्रोडक्शन और ट्रांसपोर्टेशन की लागत भी बढ़ जाती है। ऐसे में डिवेलपर्स के सामने दो ही विकल्प बचते हैं या तो वे प्रोजेक्ट की कीमत बढ़ाएं या फिर अपने मार्जिन में कटौती करें। कई बार यह स्थिति प्रोजेक्ट में देरी या रुकावट का कारण भी बनती है, जिससे बायर्स ही प्रभावित होता है। लंबे समय तक लागत में बढ़ोतरी रहने पर रियल एस्टेट सेक्टर की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

दुबई में सुरक्षा पर संशय

अगर दुबई जैसे रियल एस्टेट हब में अस्थिरता या सुरक्षा संबंधी घटनाएं, जैसे बॉम्बिंग होती हैं, तो इसका असर सिर्फ वहां के मार्केट तक ही सीमित नहीं रहता। रियल एस्टेट में एक हड़बड़ाहट देखी जा सकती है। हकीकत यह है कि दुबई लंबे समय से इंडियन इन्वेस्टर्स के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन रहा है, लेकिन अस्थिरता बढ़ने पर इन्वेस्टर्स सुरक्षित आप्शंस की तलाश करेंगे। दुबई जैसे शहर लोगों को इसलिए भा रहे थे क्योंकि वहां पर उन्हें ज्यादा सिक्योरिटी महसूस होती थी। वे खुद को सुरक्षित महसूस करते थे।

NRI का पैसा अब इंडिया में लगेगा!

वेस्ट एशिया के मौजूदा हालात के बाद दुबई निवेशकों के लिए पहले जितना सुरक्षित नहीं रह गया है। भारत इस संदर्भ में एक मजबूत विकल्प बन सकता है, क्योंकि यहां का मार्केट अभी अपेक्षाकृत स्थिर है। इतना ही नहीं, ऐसा लगता है कि आर्थिक विकास की संभावनाएं यहां ज्यादा हैं। इसके अलावा NRI निवेशकों के लिए यह भावनात्मक और पारिवारिक जुड़ाव का मामला भी हो जाता है। ये सभी बातें इंडियन इन्वेस्टर्स को अपने देश में निवेश करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। मुमकिन है कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं भारत के लिए अवसर बन सकती हैं, जहां विदेशी और एनआरआई निवेशक भारतीय रियल एस्टेट की ओर मुड़ जाएं। ऐसे में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहर बेहतर ऑप्शन बन सकते हैं। यहां की महंगी प्रॉपर्टी में वे लोग दिलचस्पी ले सकते हैं। इसी तरह कई लोगों के लिए यूएस जैसे देश में बसना सपना होता था। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नई वीजा पॉलिसी की वजह से वह सपना भी टूटने लगा है। यूएस में रह रहे लोगों को भी वहां से हटाए जाने का डर सता रहा है। ऐसे लोग फिर से अपने देश का रुख कर रहे हैं। आने वाले समय में जब लड़ाई पर विराम लगेगा तो वे लोग मिड या लार्ज सेग्मेंट में पैसा निवेश कर सकते हैं।

भारत पर क्या असर?

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो भारत का इंपोर्ट बिल तेजी से बढ़ता है। बड़ी आबादी और ज्यादा खपत के कारण इसका असर यहां ज्यादा होता है। महंगा तेल महंगाई बढ़ाता है और रुपये पर दबाव डालता है, जिससे वह डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है। कमजोर रुपये के कारण आयातित कच्चा माल महंगा हो जाता है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण लागत बढ़ती है। विदेशी कर्ज लेने वाले डिवेलपर्स के लिए डॉलर में भुगतान महंगा पड़ता है, जिससे प्रोजेक्ट्स की लागत और समयसीमा दोनों प्रभावित होती हैं।

इन्वेस्टर्स में अनिश्चितता

जब दुनिया में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है तो इन्वेस्टर्स का पहला लक्ष्य अपने निवेश को सुरक्षित रखना होता है। इस वजह से वे रिस्क वाले मार्केट से पैसा निकालकर सिक्योर्ड ऑप्शंस की ओर बढ़ते हैं। भारतीय रियल एस्टेट, भले ही एक उभरता हुआ क्षेत्र है, लेकिन इसे अभी भी कई इन्वेस्टर्स मीडियम रिस्क वाले मार्केट के रूप में देखते हैं। फिर भी जितना निवेश दुनिया के दूसरे देशों में करने के लिए रिस्क लेना पड़ता है, अब इन्वेस्टर्स को इंडिया कुछ ज्यादा बेहतर लगे।

कमर्शल प्रॉपर्टी, लग्जरी होम्स की मांग बढ़ेगी

जब फॉरेन या एनआरआई इन्वेस्टर्स इंडिया शिफ्ट होंगे। उनके ऑफिस यहां होंगे तो कमर्शल प्रॉपर्टी की मांग भी बढ़ेगी। इसलिए यह मुमकिन है कि जिन शहरों में लग्जरी होम्स की मांग बढ़ेगी, उन शहरों में या उनके आसपास के इलाकों में कमर्शल प्रॉपर्टी की कीमतों में भी इजाफा देखा जा सकता है। ऐसी प्रॉपर्टी में शॉप, कॉर्पोरेट टेक सेंटर्स आदि अहम हैं।

> विदेशी निवेशक हों या अपने देश के इन्वेस्टर्स, कम रिस्क वाली जगहों पर ही निवेश करना चाहते हैं। दुबई में निवेश करके लोगों ने काफी पैसा बनाया लेकिन अब वहां भी अस्थिरता का माहौल देखा जा रहा है। ऐसे में वे लोग फिर से गुड़गांव, नोएडा, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे शहरों के लग्जरी और मिड सेग्मेंट प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं।
> *-राकेश कुमार सिंह, NRI इन्वेस्टर और रियल एस्टेट एक्सपर्ट*

> रियल एस्टेट कई दूसरी इंडस्ट्रीज के उत्पादों की खपत करता है। ऐसे में वॉर की वजह से अगर दूसरी इंडस्ट्रीज को ईंधन आदि की दिक्कत होगी तो स्वाभाविक तौर पर इसका असर रियल एस्टेट पर भी होगा। वैसे फिलहाल अभी ऐसी स्थिति नहीं दिख रही है। लेकिन, यह मुमकिन है कि इस युद्ध के बाद इंडियन रियल एस्टेट पर इसका कुछ पॉजिटिव असर हो।
> *-गौरव गुप्ता, सेक्रेटरी क्रेडाई नैशनल और डायरेक्टर, SG ग्रुप*

नोएडा एयरपोर्ट से प्रॉपर्टी में तेजी

घर खरीदारों के साथ निवेशकों को मौका

AI Image

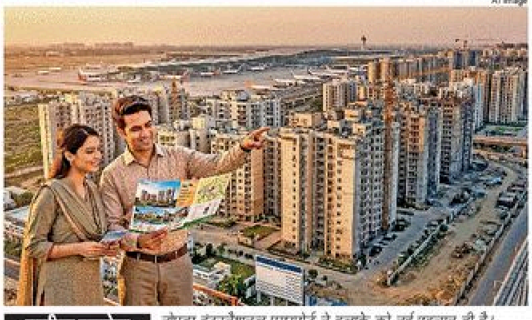

सुनील पाण्डेय
SunilPandey2@timesofindia.com

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट ने इलाके को नई पहचान दी है। बेहतर कनेक्टिविटी, बढ़ते उद्योग, रोजगार के अवसरों के कारण नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में प्रॉपर्टी बाजार में तेजी देखी जा रही है। यहां प्रॉपर्टी की कीमतों और मांग में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण होते ही यमुना एक्सप्रेसवे और आसपास के इलाकों में प्रॉपर्टी बाजार तेजी पकड़ रहा है। यमुना अथॉरिटी पहले ही अपने अलॉटमेंट रेट में करीब साढ़े तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी कर चुकी है, जबकि बाजार में कीमतें इससे भी ज्यादा बढ़ चुकी हैं। माना जा रहा है कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी भी जल्द ही दरें बढ़ा सकती हैं।

■ **इंफ्रास्ट्रक्चर से बढ़ी डिमांड:** किसी भी बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का असर आसपास की प्रॉपर्टी पर सीधे पड़ता है, और नोएडा एयरपोर्ट के मामले में भी ऐसा ही है। एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यही वजह है कि यहां रेजिडेंशियल और कमर्शल प्रोजेक्ट्स तेजी से लॉन्च हो रहे हैं। पहले जहां निवेश धीमा था, अब वही क्षेत्र रियल एस्टेट का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है।

■ **बड़े प्रोजेक्ट्स से बढ़ी संभावनाएं:** यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में कई बड़े प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं। यहां उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण यमुना सिटी में शुरू हो चुका है और कई देसी-विदेशी कंपनियां मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने की तैयारी में हैं। इससे आने वाले समय में कॉरपोरेट ऑफिस, वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स हब विकसित होने की संभावना है। इन गतिविधियों से प्रॉपर्टी की मांग और बढ़ेगी।

■ **कीमतों में तेज उछाल की उम्मीद:** प्रॉपर्टी विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट के आसपास जमीन और मकानों की कीमतों में 20 से 30% की बढ़ोतरी हो सकती है। प्लॉट और फ्लैट दोनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासकर निवेशक इस क्षेत्र को लॉन्ग टर्म निवेश के लिए सुरक्षित और फायदे का सौदा मान रहे हैं। आने वाले समय में मेट्रो कनेक्टिविटी, बेहतर सड़क नेटवर्क और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पूरे होंगे, जिससे कीमतों में और तेजी आ सकती है।

■ **रोजगार बढ़ेगा, हाउसिंग डिमांड भी बढ़ेगी:** विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक बदलाव की शुरुआत है। जैसे-जैसे यहां उद्योग और कॉरपोरेट गतिविधियां बढ़ेंगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रोजगार बढ़ने का सीधा असर हाउसिंग की मांग पर पड़ेगा, जिससे प्रॉपर्टी बाजार को और मजबूती मिलेगी।

किराये का बाजार भी बढ़ेगा

एयरपोर्ट और इंडस्ट्री के विकास के साथ इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी। इससे किराये के मकानों की मांग भी बढ़ेगी और रेंटल यील्ड (किराये से मिलने वाली कमाई) में सुधार होगा। यह निवेशकों के लिए अतिरिक्त फायदा साबित हो सकता है।

निवेश का भी अवसर

यह समय निवेशकों और घर खरीदने वाले दोनों के लिए अच्छा अवसर माना जा रहा है। अभी कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन भविष्य में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। ऐसे में शुरुआती चरण में निवेश करने वालों को ज्यादा फायदा मिल सकता है।

AI Image

सावधानी भी जरूरी

हालांकि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश करने से पहले परियोजना की वैधता जरूर जांच लें। संबंधित प्राधिकरण से मंजूरी, जमीन के कागज और डिवेलपर की विश्वसनीयता की जांच करना जरूरी है। अवैध कॉलोनियों या बिना मंजूरी वाले प्रोजेक्ट्स में निवेश जोखिम भरा हो सकता है।

> नोएडा एयरपोर्ट इस पूरे क्षेत्र के लिए सिर्फ एक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक बड़े आर्थिक बदलाव की शुरुआत है। इसके आने से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रोजगार बढ़ेगा तो स्वाभाविक रूप से हाउसिंग की मांग भी बढ़ेगी। *-मनोज गौड़, गौड़ ग्रुप के CMD*

फास्ट चार्जिंग बनेगी गेम चेंजर, पैसा बनाने का भी मौका

चार्जिंग नेटवर्क से इलेक्ट्रिक वीकल्स को मिलेगी तेज रफ्तार ● ऑटो कंपनियां, प्राइवेट प्लेयर्स और सरकार बना रहे नेटवर्क

Gear Up

खालिद अमीन
Khalid.Amin@timesofindia.com

भारत में इलेक्ट्रिक वीकल का भविष्य अब सिर्फ गाड़ियों पर नहीं, बल्कि चार्जिंग नेटवर्क की मजबूती पर टिका है। तेज और आसान चार्जिंग से 'रेंज एंजाइटी' घटेगी और अपनाने की रफ्तार बढ़ेगी। साथ ही, यह सेक्टर आम निवेशकों और छोटे कारोबारियों के लिए नए कमाई के अवसर भी खोल रहा है।

भारत में इलेक्ट्रिक वीकल्स (EV) से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता अब धीरे-धीरे बदलती तस्वीर दिखा रही है। पिछले कुछ सालों में देश में पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या तेजी से बढ़कर करीब 25–30 हजार तक पहुंच चुकी है, लेकिन बढ़ती मांग के मुकाबले यह अभी भी शुरुआती स्टेज में ही है। बड़े शहरों में चार्जिंग की उपलब्धता बेहतर हुई है, पर छोटे शहरों और हाईवे नेटवर्क पर अब भी पर्याप्त कवरेज नहीं है। यही वजह है कि अब EV अपनाने की रफ्तार सिर्फ नई और बेहतर गाड़ियों पर नहीं, बल्कि मजबूत और भरोसेमंद चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर होती जा रही है। अगर चार्जिंग आसान, तेज और हर जगह उपलब्ध होगी, तभी लोगों के मन में मौजूद 'रेंज एंजाइटी' कम होगी और EV की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ेगी। अच्छी बात यह है कि चार्जिंग नेटवर्क एक ऐसे बिजनेस के रूप में उभर रहा है जिसमें आम लोग और छोटे कारोबारी भी पैसा बना सकते हैं।

ऑटो कंपनियां बना रही हैं अपना इकोसिस्टम

देश की प्रमुख ऑटो कंपनियां अब सिर्फ EV लॉन्च करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये अपने ग्राहकों के लिए पूरा चार्जिंग इकोसिस्टम तैयार करने पर जोर दे रही हैं। हाल ही में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के साथ मिलकर फ्यूल स्टेशनों पर हाई-स्पीड चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने का ऐलान किया है। इस योजना के तहत 180 kW के डुअल-गन फास्ट चार्जर्स लगाए जाएंगे, जो कंपैटेबल EVs को कम समय में तेजी से चार्ज कर सकेंगे। कंपनी के दावे के मुताबिक, इसकी नई XEV सीरीज की गाड़ियां आदर्श परिस्थितियों में लगभग 20 मिनट में 20 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती हैं।

वहीं टाटा मोटर्स भी इस क्षेत्र में आक्रामक रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है, जहां कंपनी पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क, हाईवे मेगा चार्जर्स और पार्टनरशिप मॉडल पर एक साथ काम कर रही है। मारुति सुजुकी अपने डीलर नेटवर्क को चार्जिंग हब में बदलने की रणनीति अपना रही है, जबकि ह्यूंदै और MG का पार्टनर-आधारित मॉडल के जरिए ग्राहकों को मल्टी-नेटवर्क एक्सेस देने पर ध्यान है। कुल मिलाकर, ऑटो कंपनियों का फोकस अब 'कार + चार्जिंग' के संयुक्त मॉडल पर है, जिससे ग्राहक को बेहतर और सीमलेस अनुभव मिल सके।

EV चार्जिंग में प्राइवेट कंपनियां बन रही बैकबोन

ऑटो कंपनियों के साथ स्वतंत्र चार्जिंग कंपनियां भी तेजी से विस्तार कर रही हैं और इस सेक्टर की बैकबोन बनती जा रही हैं। टाटा पावर ने देशभर में बड़ा चार्जिंग नेटवर्क खड़ा किया है, जो शहरों और हाईवे को जोड़ता है। Statiq जैसे स्टार्टअप ऐप-आधारित एग्रीगेशन मॉडल के जरिए चार्जिंग पॉइंट्स को जोड़ रहे हैं। ChargeZone हाई-पावर DC फास्ट चार्जिंग कॉरिडोर पर काम कर रहा है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा आसान हो सके।

सरकार का सपोर्ट, EV चार्जिंग में कमाई के नए मौके

सरकार EV चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही है। चार्जिंग को डी-लाइसेंस करने से निजी कंपनियों के लिए निवेश आसान हुआ है। IOC, भारत पेट्रोलियम और HP जैसी सरकारी कंपनियां अपने पेट्रोल पंप नेटवर्क पर चार्जिंग सुविधा दे रही हैं, जिससे हाईवे कवरेज तेजी से बढ़ रहा है। यह सेक्टर अब बिजनेस के नए अवसर भी दे रहा है। शहरों और हाईवे पर खाली जगह वाले उद्यमी चार्जिंग स्टेशन लगाकर कमाई कर सकते हैं, खासकर ढाबों और ट्रांजिट पॉइंट्स पर।

EV बाजार की चाबी अब चार्जिंग के पास

भारत में EV बाजार अब उस मोड़ पर है, जहां आगे की ग्रोथ सीधे तौर पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करेगी। ऑटो कंपनियां अपने-अपने इकोसिस्टम बना रही हैं, प्राइवेट प्लेयर्स नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं और सरकार नीतिगत समर्थन दे रही है। तीनों स्तरों पर हो रहा यह संयुक्त प्रयास EV को नई गति दे सकता है। जाहिर है कि तेज और आसान चार्जिंग से 'रेंज एंजाइटी' घटेगी और अपनाने की रफ्तार बढ़ेगी।

भारत में EV चार्जर के प्रकार और उनकी खासियत

मोटे तौर पर EV चार्जर्स को उनकी क्षमता और उपयोग के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

- **3.3 kw (AC)**: घरेलू चार्जर, 50 kWh बैटरी को चार्ज करने में लगभग 15-18 घंटे। ओवरनाइट चार्जिंग के लिए उपयुक्त।
- **7.4 kw (AC)**: सबसे कॉमन होम चार्जर, 50 kWh बैटरी को 6-7 घंटे में टॉप-अप।
- **11-22 kw (AC)**: AC कैटिगरी में सबसे तेज, मॉल/ऑफिस में इस्तेमाल, 3-5 घंटे में टॉप-अप।
- **15-30 kw (DC)**: शुरुआती फास्ट चार्जर, 2–3 घंटे में टॉप-अप, अब धीरे-धीरे अपग्रेड हो रहे हैं।
- **50 kw (DC)**: सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला फास्ट चार्जर, 50 kWh बैटरी को लगभग 45–60 मिनट में 80% तक चार्ज कर सकता है।
- **150-180 kw (DC)**: हाई-पावर फास्ट चार्जर, कंपैटेबल EVs को 20–30 मिनट में 80% तक चार्ज करने में सक्षम।
- **350 kw (DC)**: अल्ट्रा-फास्ट और फ्यूचर-रेडी चार्जर, फिलहाल भारत में सीमित उपलब्धता।

(नोट: आमतौर पर EVs 80% तक ही तेजी से चार्ज होती हैं, इसके बाद बैटरी सुरक्षा के लिए स्पीड कम हो जाती है।)

PTI

अपने हक के लिए सड़कों पर...

- LGBT QIAP+ समुदाय के सदस्यों और समर्थकों का दिल्ली में प्रदर्शन
- केंद्र सरकार के नए ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक 2026 का विरोध कर रहे हैं प्रदर्शनकारी
- प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में तख्तियां ली हुई थी और वे विधेयक के विरोध में जमकर नारेबाजी कर रहे थे

हिप रिप्लेसमेंट के बाद पूरी की हाफ मैराथन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

64 वर्षीय डॉ. दीपक चौधरी ने टाइम्स इंटरनेट हाफ मैराथन में 21 किलोमीटर की दौड़ 2 घंटे 35 मिनट में पूरी की। खास बात यह है कि उन्होंने यह सफलता टोटल हिप रिप्लेसमेंट के सिर्फ 18 महीने बाद हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि हिप रिप्लेसमेंट के बाद हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय धावक हैं।

डॉ. चौधरी बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, नई दिल्ली में आर्थ्रोस्कोपी और स्पोर्ट्स मेडिसिन के वाइस चेयरमैन और हेड हैं। वह सफदरजंग अस्पताल में देश के पहले स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के संस्थापक निदेशक भी रहे और लंबे समय से भारत में स्पोर्ट्स मेडिसिन के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

सर्जरी के 18 महीने बाद 2 घंटे 35 मिनट में पूरी की 21 किमी की दौड़

बर्लिन से ऑपरेशन टेबल तक : डॉ. चौधरी 2008 से मैराथन दौड़ रहे हैं। अब तक वह दुनिया भर में 15 से ज्यादा फुल मैराथन और 25 हाफ मैराथन पूरी कर चुके हैं। आज की दौड़ से पहले उनकी आखिरी बड़ी रेस 2019 बर्लिन मैराथन थी, जिसमें उन्होंने 4 घंटे से कम समय में दौड़ पूरी की थी।

कार से फेंका था बलून, हुआ चालान

भलस्वा फ्लाईओवर पर हुई घटना, बाइक सवार गिरते-गिरते बचा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

भलस्वा फ्लाईओवर पर कार की पीछे वाली सीट पर बैठे 7-8 साल के बच्चे ने बगल में चल रहे एक बाइक सवार पर पानी का गुब्बारा फेंक दिया। इससे बाइक सवार का संतुलन बिगड़ गया और वह गिरते गिरते बचा। कार के पीछे चल रहे किसी शख्स ने इस घटना की विडियो बनाकर ट्रैफिक पुलिस को टैग करके सोशल मीडिया पर डाल दिया।

घटना 27 मार्च की बताई जा रही है। शनिवार को ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी की पहचान कर उसके मालिक को बुलाकर उसका खतरनाक ड्राइविंग सहित अन्य धाराओं में चालान काटने के बाद ड्राइवर को लोकल पुलिस के हवाले कर दिया। ट्रैफिक पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शख्स दिलशाद गार्डन का रहने वाला बताया जा रहा है।

होली के बाद वह बेटी को ससुराल से लेकर अपने घर लौट रहे थे। बेटी ड्राइवर के बराबर वाली सीट पर बैठी हुई थी, जबकि उनका छोटा बच्चा पीछे वाली सीट पर बैठा हुआ था।

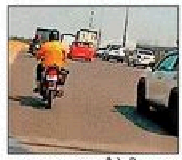

बाइक सवार पर जैसे ही गुब्बारा पड़ा, उनका संतुलन बिगड़ा और वह फ्लाईओवर की दीवार से टकराते-टकराते बचे, फिर वह संभले

भलस्वा फ्लाईओवर पर बच्चे ने बराबर में चल रहे एक बाइक सवार पर पानी का गुब्बारा फेंक दिया। इससे बाइक सवार का संतुलन बिगड़ गया और वह गिरते गिरते बचे। किसी तरह से उन्होंने बाइक को कंट्रोल किया। विडियो में घटना के बाद बाइक सवार कार का पीछा करते हुए उसे रुकवाने की कोशिश करता नजर आ रहा है। एक जगह पर कार रुकती है तो बाइक सवार ने उन्हें बच्चे के कारनामे के बारे में बताया।

28 मार्च को ट्रैफिक पुलिस ने कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर कार मालिक का पता लगाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छोटे बच्चे पर कोई मामला नहीं बनता, इसलिए कार मालिक का मोटर वीकल एक्ट की संबंधित धाराओं में चालान काटने के बाद उन्हें लोकल पुलिस के हवाले कर दिया।

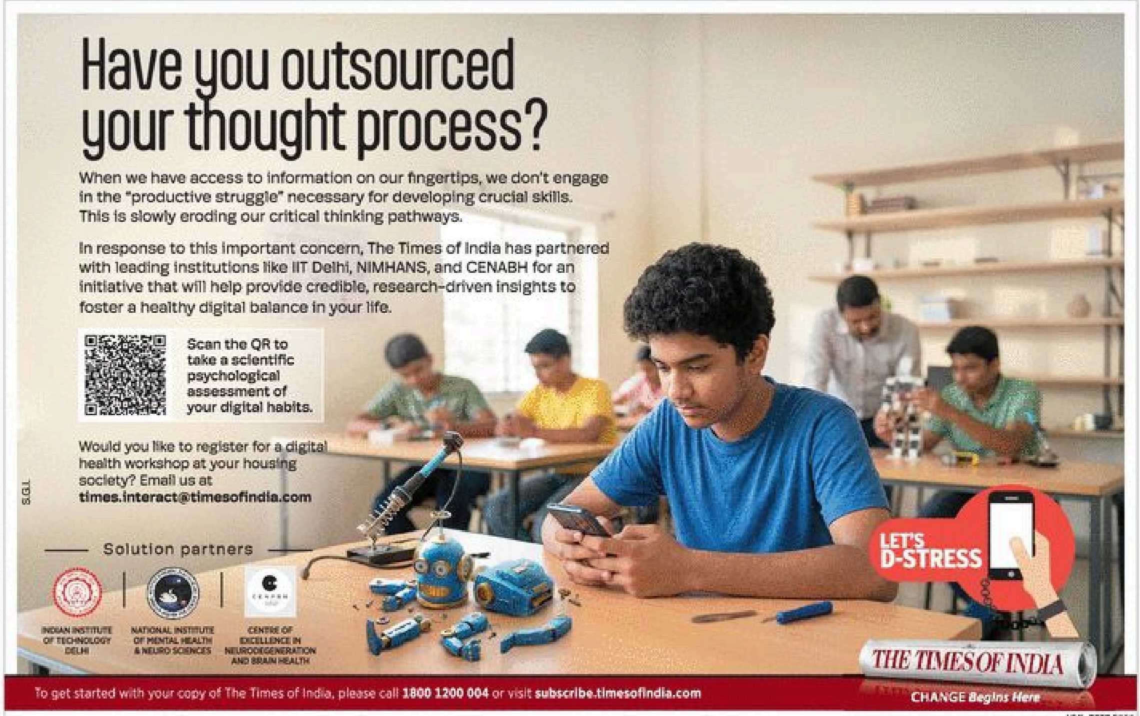

लाल किले में मना दिल्ली फतेह दिवस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी की ओर से लाल किला पर 243वें दिल्ली फतेह दिवस समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें एलजी तरनजीत सिंह संधू सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। इस मौके पर एलजी ने कहा कि बाबा बघेल सिंह, बाबा जस्सा सिंह आहलूवालिया और बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया ने लाल किले पर फतेह तो हासिल की, लेकिन न तो वहां कत्लेआम किया और न ही अपना साम्राज्य स्थापित किया।

कमिटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1699 में बैसाखी के अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की। कमिटी ने बैसाखी के अवसर पर 13 और 14 अप्रैल को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर स्थित भाई लक्खी शाह वंजारा हॉल में दो दिन का कार्यक्रम होगा। इस मौके पर कमिटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह केपी, उपाध्यक्ष आत्मा सिंह लुबाना, सचिव सरदार जसमेन सिंह नोनी, जसप्रीत सिंह करमसर आदि मौजूद रहे।

एलजी सहित कई प्रमुख लोगों ने लिया इसमें हिस्सा

PWD ने MCD की शिकायत की

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** ओखला लैंडफिल साइट के पास स्थित रोड पर कूड़े से निकलने वाले लीचेट वॉटर और ट्रकों से गिरने वाले कचरे को लेकर PWD ने सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) में MCD की शिकायत की है। पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों ने लिखा है कि ट्रकों से जो कूड़ा लैंडफिल साइट पर आता है, उन ट्रकों से रोड के एक लंबे स्ट्रेच पर कूड़ा गिरता है। लैंडफिल साइट पर जमा कूड़े से जो गंदा और गाढ़ा पानी निकलता है, वह रोड पर फैल जाता है। पीडब्ल्यूडी ने सीपीसीबी को लिखे पत्र में मांग की है कि MCD को यह आदेश दिया जाए कि जहां कूड़ा और लीचेट वॉटर फैलता है, उस हिस्से को सीमेंटेड बनाया जाए। पीडब्ल्यूडी ने सीपीसीबी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और एमसीडी को आवश्यक निर्देश देने की मांग की है।

ओखला लैंडफिल साइट के पास गिरता है कूड़ा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWDP6 User: cci Time: 03-28-2026 21:31 Color:

TDS सर्टिफिकेट का है इंतज़ार? जानें कब मिलेगा

आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स और डिडक्टर्स (टैक्स काटने वाले) को राहत देते हुए TDS सर्टिफिकेट जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब दिसंबर 2025 तिमाही के लिए TDS सर्टिफिकेट 31 मार्च 2026 तक जारी किए जा सकेंगे। यह फैसला CBDT ने ई-फाइलिंग पोर्टल पर आ रही तकनीकी दिक्कतों को देखते हुए लिया है।

नीलांजीत दास
NBTwealth
@timesofindia.com

ई-फाइलिंग पोर्टल की तकनीकी समस्याओं के कारण 31 दिसंबर 2025 को खत्म होने वाली तिमाही के लिए TDS सर्टिफिकेट जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ी है। इससे डिडक्टर्स पर जुर्माना नहीं लगेगा। टैक्सपेयर्स को भी सही TDS जानकारी मिलने का रास्ता साफ हुआ है।

ई-फाइलिंग पोर्टल में रही दिक्कत

आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स और डिडक्टर्स (टैक्स काटने वाले) को राहत देते हुए दिसंबर 2025 तिमाही के लिए TDS सर्टिफिकेट जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 31 मार्च 2026 कर दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने 26 मार्च 2026 को जारी सर्कुलर में बताया कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर तकनीकी गड़बड़ियों के कारण कई संस्थाएं समय पर सर्टिफिकेट जनरेट नहीं कर पा रही थीं। विभाग को इस संबंध में कई शिकायतें मिली थीं। इन दिक्कतों के चलते बैंक, कंपनियां और अन्य डिडक्टर्स तय समय सीमा का पालन नहीं कर सके। इसलिए बिना किसी जुर्माने के सर्टिफिकेट जारी करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है, ताकि सभी लंबित काम समय पर पूरे किए जा सकें और टैक्सपेयर्स को भी परेशानी न हो। TDS सर्टिफिकेट जारी नहीं होने और समय सीमा बीतने से जुर्माने के डर सता रहा था।

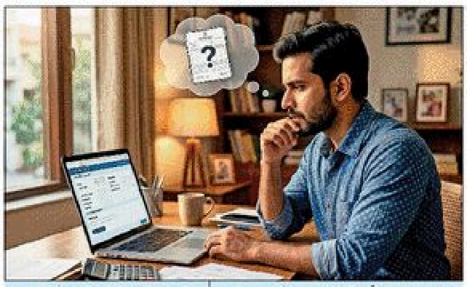

नई डेडलाइन

अब Q3 (अक्टूबर-दिसंबर 2025) के लिए TDS सर्टिफिकेट जारी करने की अंतिम तारीख 31 मार्च 2026 है। इस बढ़ी हुई अवधि में जारी किए गए सर्टिफिकेट को समय पर जारी माना जाएगा। यानी डिडक्टर्स पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा।

यह क्यों ज़रूरी है?

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 203 के अनुसार, जो भी व्यक्ति या संस्था किसी की आय से TDS काटती है, उसे संबंधित व्यक्ति को TDS सर्टिफिकेट देना जरूरी होता है। सर्टिफिकेट प्रमाण होता है कि आय से कितना टैक्स काटा गया है। आम तौर पर यह सर्टिफिकेट बैंक (FD पर), कंपनी (सैलरी पर) जारी करती है।

टैक्सपेयर्स के लिए क्यों अहम है?

चार्टर्ड अकाउंटेंट आशीष नीरज के मुताबिक, TDS सर्टिफिकेट में कई जरूरी जानकारियां होती हैं, जैसे डिडक्टर का नाम और TAN, कितना टैक्स काटा गया और किस दर से TDS काटा गया। इनके आधार पर टैक्सपेयर्स, पेंशनर्स और FD होल्डर्स जांच सकते हैं कि सही टैक्स कटा है या नहीं। साथ ही, यह सर्टिफिकेट ITR भरते समय बहुत काम आता है, क्योंकि इसी के आधार पर आप TDS का क्रेडिट क्लेम करते हैं।

कब मिलना चाहिए था सर्टिफिकेट?

सामान्य तौर पर Form 16A (TDS सर्टिफिकेट) को तिमाही रिटर्न भरने के 15 दिन के भीतर जारी करना होता है। लेकिन इस बार तकनीकी दिक्कतों की वजह से कई डिडक्टर्स ऐसा नहीं कर पाए, जिससे टैक्सपेयर्स को भी परेशानी हो रही थी।

इस फैसले से किसे फायदा होगा?

समय सीमा बढ़ने से डिडक्टर्स को बिना जुर्माने के सर्टिफिकेट जारी करने का मौका मिलेगा। टैक्सपेयर्स को सही और पूरी जानकारी मिल सकेगी और ITR भरते समय गलतियों की संभावना कम होगी। आशीष नीरज के अनुसार, 'यह डिडक्टर्स को राहत देता है और टैक्सपेयर्स को भी जरूरी जानकारी।'

भ्रामक प्लैटफॉर्म और स्कैम, शुरुआती निवेशकों के लिए सबसे बड़ा खतरा

क्रिप्टो में निवेश? जानें खतरे के संकेत

Crypto Class

एडुल पटेल
NBTwealth
@timesofindia.com

क्रिप्टो में निवेश तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, लेकिन इसके साथ जोखिम भी बढ़ रहे हैं। कई बार असली खतरा बाजार नहीं, बल्कि धोखाधड़ी वाले प्लैटफॉर्म और झूठे वादे होते हैं। निवेश से पहले कुछ अहम रेड फ्लैग्स पहचानना जरूरी है।

भारत में क्रिप्टो निवेश को लेकर खासकर युवाओं और पहली बार निवेश करने वालों के बीच काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। रिटेल क्रिप्टो अपनाने के मामले में भारत लगातार दुनिया में शीर्ष स्थान पर रहा है। Chainalysis के आंकड़ों के अनुसार, 2024-2025 के दौरान लगभग 11.9 करोड़ भारतीय, यानी करीब 8.2% आबादी क्रिप्टो की मालिक है।

नई तकनीक और संभावित रिटर्न का वादा निवेशकों के लिए उत्साहजनक हो सकता है। लेकिन किसी भी वित्तीय बाजार की तरह क्रिप्टो में निवेश करते समय भी सावधानी जरूरी है। शुरुआती निवेशकों के लिए सबसे बड़ा जोखिम हमेशा बाजार की उतार-चढ़ाव नहीं होता। कई बार असली खतरा उन भ्रामक योजनाओं या प्लैटफॉर्म्स से होता है जो भरोसेमंद दिखते हैं, लेकिन होते नहीं हैं। इसलिए निवेश करने से पहले कुछ सामान्य रेड फ्लैग्स पहचानना बहुत जरूरी है। यहां एक आसान गाइड दी गई है जो आपको अधिक सुरक्षित तरीके से निवेश करने में मदद कर सकती है।

गारंटीड रिटर्न का वादा?

चेतावनी का सबसे बड़ा संकेत तब होता है, जब कोई व्यक्ति क्रिप्टो निवेश पर तय या गारंटीड मुनाफे का वादा करता है। क्रिप्टो बाजार हर दिन ऊपर-नीचे होता है। यहां तक कि सबसे बड़े असेट्स जैसे Bitcoin में भी कम समय में तेज कीमत बदलाव देखे जा सकते हैं। इसी वजह से कोई भी भरोसेमंद प्लैटफॉर्म या विशेषज्ञ मुनाफे की गारंटी नहीं दे सकता। अगर कोई कहता है कि 'एक महीने में पैसा दोगुना हो जाएगा' या 'बिना जोखिम के रिटर्न मिलेगा', तो ऐसे ऑफर से दूर रहना ही बेहतर है। अक्सर ऐसे दावे नए और अनुभवहीन निवेशकों को फंसाने के लिए किए जाते हैं। धोखाधड़ी करने वाले लोग अक्सर जल्दी फैसला लेने का दबाव बनाते हैं। निवेश करने से पहले हमेशा रुकें, प्रोजेक्ट के बारे में पढ़ें और प्लैटफॉर्म की विश्वसनीयता जांचें।

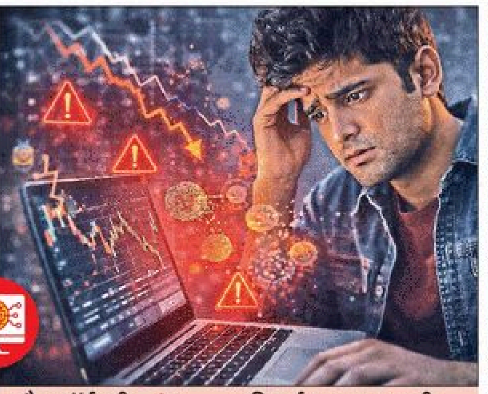

प्लैटफॉर्म की जांच

किसी भी क्रिप्टो प्लैटफॉर्म का उपयोग करने से पहले कुछ बुनियादी बातों की जांच जरूर करें, जैसे कि क्या कंपनी सार्वजनिक रूप से जानी-पहचानी है? क्या उसकी स्पष्ट वेबसाइट और कस्टमर सपोर्ट है? क्या उसके बारे में भरोसेमंद रिव्यू या मीडिया कवरेज मौजूद है? सामान्य तौर पर, जो अनजान ऐप्स असामान्य रूप से ज्यादा रिवॉर्ड का वादा करते हैं, उनकी बजाय स्थापित एक्सचेंज का इस्तेमाल करना ज्यादा सुरक्षित होता है।

रिसर्च करना ज़रूरी

क्रिप्टो टोकन या प्रोजेक्ट में निवेश से पहले खुद रिसर्च करना बेहद जरूरी है। भरोसेमंद क्रिप्टो प्रोजेक्ट आमतौर पर अपनी टीम, तकनीक, उद्देश्य के बारे में स्पष्ट जानकारी देते हैं। अगर कोई प्रोजेक्ट साफ नहीं बताता कि फाउंडर्स कौन हैं, तकनीक किस समस्या का समाधान करती है, या टोकन कैसे काम करता है, तो वह एक रेड फ्लैग हो सकता है।

हर सलाह न मानें

क्रिप्टो बाजार के बारे में सोशल मीडिया पर काफी सलाह दी जाती है। लेकिन, कभी-कभी कुछ इन्फ्लुएंसर्स ऐसे टोकन का प्रचार करते हैं जिनकी वास्तविक वैल्यू बहुत कम होती है। उत्साह से उनकी कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, लेकिन उतनी ही तेजी से गिर भी सकती हैं। निवेशकों को सिर्फ सोशल मीडिया की सलाह पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले हमेशा कई भरोसेमंद स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करनी चाहिए।

सीधे पैसे मांगे तो...

एक बड़ा रेड फ्लैग तब होता है जब किसी व्यक्ति को सीधे क्रिप्टो वॉलेट में पैसे भेजने को कहा जाए। भरोसेमंद प्लैटफॉर्म सुरक्षित सिस्टम देते हैं। वॉलेट पर भेजा गया पैसा वापस नहीं आता, इसलिए ट्रांजैक्शन से पहले पूरी सावधानी रखना जरूरी है।

सुरक्षित निवेश के नियम

क्रिप्टो तेजी से बढ़ती वित्तीय टेक्नॉलजी है, जो सही समझ के साथ अच्छे अवसर दे सकती है। लेकिन इसमें जोखिम भी है, इसलिए बिना समझे निवेश न करें। भरोसेमंद प्लैटफॉर्म चुनें, बुनियादी जानकारी लें और लालच वाले ऑफर्स से बचें। याद रखें, समझदारी से किया गया निवेश ही सुरक्षित भविष्य बनाता है।

(लेखक Mudrex के फाउंडर और CEO हैं।)

काम की खबर

वट्सऐप पर शेयर खरीदने-बेचने का ऑर्डर

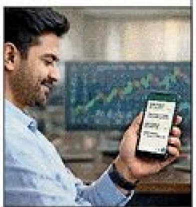

शेयर बाजार रेगुलेटर SEBI ने ब्रोकरों को वट्सऐप के जरिए क्लाइंट्स से शेयर खरीदने और बेचने के ऑर्डर लेने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इसके साथ कुछ जरूरी शर्तें भी रखी गई हैं। सबसे अहम यह है कि ब्रोकर को हर मैसेज का पूरा रेकॉर्ड सुरक्षित रखना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उसे सबूत के तौर पर पेश किया जा सके। SEBI ने यह स्पष्ट किया है कि ऑर्डर केवल क्लाइंट के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही आने चाहिए। अगर किसी तरह का विवाद होता है, तो ब्रोकर को यह साबित करना होगा कि ऑर्डर सही था। यह फैसला 'इनफॉर्मल गाइडेंस' के तहत दिया गया है, जिससे निवेशकों और ब्रोकरों की उलझन दूर होगी। आमतौर पर ब्रोकर ट्रेड के रेकॉर्ड्स कम से कम तीन साल तक रखते हैं। हालांकि, अगर किसी मामले में कोई विवाद चल रहा हो, तो रेकॉर्ड्स तब तक रखे जाते हैं जब तक मामला सुलझ न जाए।

बर्टन जी. मैलकील की किताब इंडेक्स फंड को बेहतर निवेश विकल्प बताती है

अमीर बनने का सबसे आसान तरीक़ा

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

शेयर बाजार में अमीर बनने का कोई शॉर्टकट नहीं है। बर्टन जी. मैलकील की किताब बताती है कि बाजार को हराना आसान नहीं होता। सही रणनीति है पूरे बाजार में निवेश करना, खासकर इंडेक्स फंड के जरिए। यही तरीका जोखिम कम रखकर लंबे समय में बेहतर रिटर्न दिला सकता है।

बर्टन जी. मैलकील (Burton G. Malkiel) की 'A Random Walk Down Wall Street' नाम की किताब एक क्लासिक मानी जाती है। अस्सी के दशक के मध्य में आई यह किताब आज भी उतनी ही लोकप्रिय है। इसलिए इसके कई संस्करण आ चुके हैं, जिन्हें नई जानकारियों के साथ अपडेट किया गया है। बर्टन लिखते हैं कि शेयरों के दाम का कोई तय पैटर्न नहीं होता। ये मनमाने ढंग से बढ़ते-घटते हैं। इसलिए कोई भी निवेशक लगातार मार्केट से बेहतर रिटर्न नहीं दे सकता।

एफिशिएंट मार्केट पर भरोसा: वॉल स्ट्रीट एनालिस्ट और इकॉनमिस्ट प्रफेसर बर्टन ने एफिशिएंट मार्केट हाइपोथिसिस (EMH) की वकालत की। उनका कहना था कि निवेशकों के पास किसी कंपनी की जो सूचनाएं होती हैं, उसका असर उसके शेयर पर पड़ चुका होता है। इसलिए वह शेयर चुनने और मार्केट में करेक्शन आने पर निवेश यानी मार्केट को टाइम करने की सलाह नहीं देते। हालांकि, एफिशिएंट मार्केट थिअरी समय के साथ गलत साबित हुई और इसके आलोचकों में सबसे मशहूर निवेशक और बर्कशायर हैथवे के संस्थापक वॉरेन बफेट भी रहे हैं। फिर भी जानना दिलचस्प होगा कि बर्टन ने इस किताब में क्या और किस आधार पर लिखा है।

बुलबुले की शुरुआत: उन्होंने किताब की शुरुआत में बुलबुलों का जिक्र किया है। इसमें वह 17वीं सदी के ट्यूलिपमेनिया से लेकर साउथ सी बबल, 1929 की महामंदी, डॉटकॉम और 2008 के सब-प्राइम क्राइसिस का जिक्र करते हैं। वह लिखते हैं कि अक्सर किसी नए इनोवेशन को लेकर मार्केट अतिउत्साही हो जाता है। इस वजह से शेयरों के दाम वास्तविक से कहीं ज्यादा ऊपर चले जाते हैं। उन्होंने इसे समझाने के लिए रेलरोड, टेक्नॉलजी, क्रिप्टो जैसे इनोवेशन का जिक्र किया है।

AI कंपनियों को लेकर दीवानगी: वैसे, पिछले कुछ समय से ऐसी ही दीवानगी AI कंपनियों और उनके लिए चिप बनाने वाली फर्मों को लेकर भी दिख रही है। इसी वजह से एनविडिया जैसी कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन रेकॉर्ड लेवल पर पहुंचा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने AI बुलबुले के फूटने की भविष्यवाणी की है, जिसकी बहुत चर्चा भी हुई। हालांकि, बाजार का अभी भी AI कंपनियों पर भरोसा बना हुआ है।

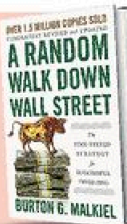

शेयर चुनने या बाजार टाइम करने के बजाय इंडेक्स फंड में निवेश बेहतर है। कम लागत, कम जोखिम और लंबे समय में स्थिर रिटर्न- यही आसान रणनीति है।

इस किताब का निचोड़ यही है कि आप चुनिंदा शेयरों में निवेश करके बेंचमार्क इंडेक्स से अधिक रिटर्न हासिल नहीं कर सकते, इसलिए इंडेक्स फंडों के जरिये समूचे बाजार में पैसा लगाइए।

छोटे निवेशक आखिर में फंसते हैं: बर्टन बताते हैं कि किसी भी बुलबुले के बनने में पॉजिटिव फीडबैक लूप काम करता है। यानी पहले तो संबंधित क्षेत्र के शेयरों के दाम बढ़ते हैं। इसके बाद और भी निवेशक उसमें पैसा लगाते हैं। फिर मीडिया में इसकी खूब चर्चा होती है। इससे निवेशकों का उन्माद और बढ़ता है। किताब में यह लिखा गया है कि अक्सर ऐसे बुलबुलों वाले दौर में जो लोग शुरुआती चरण में पैसा लगाते हैं, उन्हें अच्छा मुनाफा होता है। लेकिन जो आखिर के दौर में आते हैं, उनकी हालत बुलबुला फूटने से बहुत ही खराब हो जाती है। इस संदर्भ में उन्होंने कुछ साल पहले के मीम स्टॉक्स का भी जिक्र किया है। बर्टन इस पर बात जोर देते हैं कि फाइनैंशल मार्केट में जो बुलबुला बनता है, उसकी वजह साइकोलॉजिकल होती है, न कि फंडामेंटल। यानी यह लोगों की सोच से जुड़ी होती है, न कि कंपनी के बिजनेस से।

इंडेक्स फंडों में निवेश की सलाह: बर्टन ने किताब में फंडामेंटल और टेक्निकल एनालिसिस के सिद्धांतों का विश्लेषण किया है। वह लिखते हैं कि फंडामेंटल एनालिस्ट कंपनी की असेट्स, मुनाफा, ग्रोथ, डिविडेंड और जोखिम को समझकर यह अनुमान लगाते हैं कि उसके शेयर की कीमत कहां जाएगी। वहीं, टेक्निकल एनालिस्ट चार्ट पर भरोसा करते हैं। वे मार्केट को 90% साइकोलॉजिकल मानते हैं। मगर दोनों ही नाकाम होते हैं। इनमें से कई इन्वेस्टमेंट फर्म चलाते हैं, लेकिन निवेशकों से फीस वसूलने के बावजूद ज्यादातर इंडेक्स से अधिक रिटर्न नहीं दे पाते।

उम्र के हिसाब से असेट एलोकेशन: उन्होंने मार्केट के जोखिम से बचने के लिए अलग-अलग आयुवर्ग के लोगों को सलाह भी दी है। उनका कहना है कि 20-30 आयु वर्ग के निवेशकों को 80-100% पैसा शेयरों में लगाना चाहिए। इसके लिए भी वह इंडेक्स फंड में पैसा लगाने की सलाह देते हैं। 40-50 आयु वर्ग के लोगों को उन्होंने 60% पैसा इक्विटी, 40% बॉन्ड्स में लगाने को कहा है। वहीं, 60 से अधिक उम्र वालों को वह 40-60% इक्विटी और बाकी बॉन्ड्स या कैश के रूप में रखने की सलाह देते हैं।

ऐसे बनिए अमीर: वैसे, वॉरेन बफेट भले ही एफिशिएंट मार्केट थिअरी के आलोचक हैं, लेकिन आम निवेशकों को उन्होंने भी इंडेक्स फंडों के जरिये बाजार में पैसा लगाने की सलाह कई बार दी है। इस लिहाज से बर्टन की हिदायतें काम की हैं। उन्होंने यह भी लिखा है कि इंडेक्स फंड के जरिये जब आप बाजार में पैसा लगाते हैं तो आपको कमिशन भी कम देना पड़ता है। वह निवेशकों को हॉट टिप्स से दूर रहने के लिए कहते हैं। उन्होंने यह भी लिखा है कि 90% आईपीओ अंडरपरफॉर्म करते हैं, लिहाजा इनके पीछे नहीं भागना चाहिए। गोल्ड, हेज फंड या ऑल्टरनेटिव असेट्स में उन्होंने कुल असेट्स का 5-10% ही लगाने को कहा है। इस किताब का निचोड़ यही है कि आप चुनिंदा शेयरों में निवेश करके बेंचमार्क इंडेक्स से अधिक रिटर्न हासिल नहीं कर सकते, इसलिए इंडेक्स फंडों के जरिये समूचे बाजार में पैसा लगाइए। यही रणनीति आपकी नैया पार लगाएगी।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(30 मार्च-5 अप्रैल 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)

इस सप्ताह की शुरुआत से ही आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती दिखेगी। अचानक धन मिलने के योग बनेंगे और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं। शेयर बाजार या किसी निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। पुराने कर्ज से राहत मिल सकती है। सप्ताह के अंत में जीवनसाथी का सहयोग भी आर्थिक रूप से मददगार रहेगा। कुल मिलाकर यह सप्ताह कमाई और आर्थिक प्रगति के लिए अच्छा रहेगा।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)

सप्ताह की शुरुआत, यानी सोमवार-मंगलवार को खर्च ज्यादा रह सकते हैं, खासकर भावनाओं में आकर खर्च बढ़ सकता है। वाहन या घरेलू जरूरतों पर भी पैसा लग सकता है। लेकिन जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, आय के नए मौके बनेंगे। निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। सप्ताह के अंत तक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। धैर्य रखें, धीरे-धीरे हालात आपके पक्ष में होंगे।

मिथुन (22 मई-21 जून)

इस सप्ताह की शुरुआत में आप अपने निवेशों को लेकर प्रसन्न रहेंगे और आय के नए स्रोत भी खुलते जाएंगे। आपकी बात करने की कला और अच्छे संबंध आपको आर्थिक लाभ दिलाएंगे। दोस्तों और रिश्तेदारों का सहयोग भी मिलेगा। बीच में अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए थोड़ा सतर्क रहें। सप्ताह के अंत में फिर से लाभ के योग बनेंगे, खासकर निवेश या शेयर बाजार से फायदा हो सकता है।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)

इस सप्ताह आप अपनी समझदारी और लोगों से अच्छे संबंध के जरिए धन कमाने में सफल रहेंगे। इस सप्ताह निवेशों द्वारा भी धन वृद्धि के शुभ संयोग बन रहे हैं। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर परिवार से जुड़े मामलों में व्यय ज्यादा हो सकता है। ऐसे में बजट का ध्यान रखना जरूरी होगा। दोस्तों या जान-पहचान के लोगों से आर्थिक मदद भी मिल सकती है। कुल मिलाकर सप्ताह संतुलित रहेगा।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)

सप्ताह की शुरुआत से ही आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपकी निर्णय लेने की क्षमता और बातचीत का तरीका आपको फायदा दिलाएगा। पहले से किए गए निवेश भी लाभ देंगे। सप्ताह के अंत तक आय में और बढ़ोतरी हो सकती है। नेटवर्किंग और नए संपर्क भी आर्थिक उन्नति में मदद करेंगे। यह सप्ताह आपके लिए प्रगति और कमाई का समय है।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)

सप्ताह की शुरुआत, यानी सोमवार और मंगलवार को खर्च बढ़ सकते हैं और कुछ कठिन स्थितियां भी सामने आ सकती हैं। लेकिन बुधवार से हालात बेहतर होने लगेंगे। आप समझदारी से निवेश करेंगे और लाभ भी मिलेगा। आपकी बातचीत और नेटवर्किंग आपको नए अवसर दिलाएगी। रिश्तेदारों से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। धीरे-धीरे सप्ताह आपके पक्ष में जाता दिखेगा और स्थिति संभल जाएगी।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)

इस सप्ताह आप शेयर मार्केट या पैतृक संपत्ति को आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। सोमवार और मंगलवार को अचानक धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। किसी प्रॉपर्टी से भी फायदा हो सकता है। सप्ताह के बीच में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। सप्ताह के अंत में हालात सुधरेंगे और आपकी समझदारी से फिर से आय बढ़ेगी। यह सप्ताह उतार-चढ़ाव के साथ, लेकिन अंत में सकारात्मक रहेगा।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)

इस सप्ताह की शुरुआत यानी सोमवार से ही आपकी मेहनत रंग लाएगी और आर्थिक स्थिति बेहतर होती नजर आएगी। नौकरी या काम में सफलता मिलने से आय बढ़ेगी। बॉस या वरिष्ठों से भी सहयोग मिल सकता है। शेयर बाजार या पैतृक संपत्ति से भी लाभ की संभावना बन रही है। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश सोच-समझकर करें। कुल मिलाकर यह सप्ताह मेहनत का अच्छा फल देगा।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)

इस सप्ताह भाग्य आपका साथ देगा और अचानक धन मिलने के योग बनेंगे। बिजनेस ट्रिप या नए काम से आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी मेहनत सफल होगी और प्रोजेक्ट्स सफल होंगे। सप्ताह के अंत में निवेश या शेयर बाजार से भी लाभ होगा। बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोलर पावर, सर्जिकल इक्विपमेंट्स, ऑप्टिकल इंस्ट्रूमेंट्स, हेल्थ, सोलर पावर, ट्रेडिंग, होटल सेक्टर में निवेश लाभकारी होगा।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)

सप्ताह की शुरुआत में अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर स्वास्थ्य या छोटे हादसों से जुड़े खर्च। इसलिए सावधानी रखें। बुधवार के बाद स्थिति बेहतर होगी और यात्राओं से लाभ मिल सकता है। सप्ताह के अंत तक किस्मत साथ देगी और सुख-समृद्धि बढ़ेगी। होटल, ट्रेडिंग, मोबाइल, आईटी, डिफेंस, फार्मा, टेलिकॉम, एफएमसीजी, मीडिया, गारमेंट, जेमस्टोन, फूड जैसे क्षेत्रों से धन लाभ के संकेत हैं।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)

सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के अच्छे योग हैं और जीवनसाथी से भी आर्थिक सहयोग मिलेगा। बीच में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए संभलकर चलें। सप्ताह के अंत में स्थिति फिर बेहतर होगी और आय बढ़ेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिरता आएगी। कुल मिलाकर सप्ताह संतुलित रहेगा, बस खर्च पर नियंत्रण जरूरी है।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)

सप्ताह की शुरुआत से ही आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन लाभ के योग बनेंगे। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और कर्ज से राहत मिल सकती है। साझेदारी वाले काम में भी फायदा होगा। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं। डिफेंस, बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, सोना-चांदी, सोलर, हेल्थ, हाइड्रो पावर, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से धन लाभ के संकेत हैं।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

1.95 लाख लोगों ने अब तक उठाया सुनियो योजना का लाभ

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

कब कितनी रिकवरी

साल	रिकवरी
2018-19	1861 करोड़
2019-20	1583 करोड़
2020-21	1836 करोड़
2021-22	2037 करोड़
2022-23	2402 करोड़
2023-24	2137 करोड़
2025-26	2950 करोड़

(23 मार्च 2026 तक)

■ **नई दिल्ली :** प्रॉपर्टी मालिकों ने एमसीडी की सुनियो योजना को हाथों हाथ लिया है। अभी तक 1.95 लाख प्रॉपर्टी मालिक इस योजना का लाभ उठाकर इस साल के साथ-साथ पिछला सारा बकाया प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर चुके हैं। एमसीडी के खाते में 1120 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा हो चुकी है। प्रॉपर्टी टैक्स विभाग का कहना है कि आखिरी सप्ताह में इस डेटा में और वृद्धि होगी।

MCD के खाते में अभी तक 1120 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा

यह योजना इतनी कामयाब कैसे हो पाई? इस सवाल के जवाब में प्रॉपर्टी टैक्स के अधिकारियों ने बताया कि भले ही किसी प्रॉपर्टी मालिक ने 2004 से लेकर अब तक एक बार भी प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं कराया हो, लेकिन इस योजना के तहत प्रॉपर्टी मालिक इस वित्त वर्ष के साथ पिछले 5 साल का प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराकर बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के साथ साथ ब्याज और जुर्माने से भी मुक्ति पा सकते हैं। शनिवार और रविवार को भी प्रॉपर्टी ऑफिस खुले रहे। लोग 31 मार्च तक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना खत्म होने के बाद प्रॉपर्टी मालिक से पिछला सारा प्रॉपर्टी टैक्स तो वसूला ही जाएगा, उसके साथ ब्याज और जुर्माना भी वसूला जाएगा।

इस योजना के तहत सबसे ज्यादा रिकवरी हेडक्वॉर्टर ने की है। यहां 6470 के करीब प्रॉपर्टी मालिकों से अभी तक 480 करोड़ रुपये का टैक्स जमा किया है। वहीं, एमसीडी के सभी 12 जोन की बात करें तो वेस्ट जोन में 23,858 से ज्यादा लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया। दूसरे नंबर पर शाहदरा साउथ जोन है। यहां 23,480 से अधिक लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया। 70 करोड़ की रिकवरी के साथ शाहदरा साउथ जोन टॉप पर है। दूसरे नंबर पर साउथ जोन है। यहां 66 करोड़ की रिकवरी हुई।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

अगले साल कौन सी योजना आएगी?

दिल्ली में रहने वाले लोग एक बार स्कीम का लाभ उठाने के बाद दोबारा यह सोचकर प्रॉपर्टी टैक्स भरना बंद कर देते हैं कि फिर कोई स्कीम आएगी तब टैक्स भर देंगे। साल 2022-23 इसका जीता जागता उदाहरण है। स्कीम थी तो प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी 2400 करोड़ को पार कर गई थी, लेकिन 2023-24 में कोई स्कीम नहीं आई तो प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी में भारी कमी आई। इस साल प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी ने पिछले सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। विभाग अगले फाइनेंशल ईयर में नया रेकॉर्ड बनाने की बात तो दूर इस रेकॉर्ड की बराबरी भी कर ले तो बड़ी बात रहेगी।

खाड़ी में युद्ध की गूंज, दिल्ली के बाज़ार खामोश

CP में PNG कनेक्शन के लिए तरस रहे रेस्टोरेंट कारोबारी, 20 साल से अधर में लटका है प्रोजेक्ट

NBT 9 मिनट में पढ़ें

Abhishek.Gautam1 @timesofindia.com

■ **LPG संकट से बढ़ी परेशानी, व्यापारियों का दावा- कई साल से मांग रहे हैं कनेक्शन, लेकिन किसी ने नहीं दिया ध्यान**

■ **कनॉट प्लेस में अभी महज दो रेस्टोरेंट्स में पीएनजी कनेक्शन, 200 से ज्यादा संचालक कर रहे कनेक्शन की डिमांड**

■ **NDTA लगा चुका है सीएम से लेकर मंत्रियों तक गुहार, लेकिन अभी भी करना पड़ रहा इंतजार**

हालात खराब : कई रेस्टोरेंट वाले महंगा सिलिंडर खरीदकर फिलहाल काम चला रहे हैं

■ **नई दिल्ली :** एलपीजी संकट को देखते हुए सरकार पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) कनेक्शन की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रही है, लेकिन दिल्ली के कनॉट प्लेस (CP) में स्थिति इसके उलट है। यहां रेस्टोरेंट और फूड बिजनेस चलाने वाले लोग कई साल से PNG कनेक्शन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कनेक्शन नहीं मिल रहा। दावा है कि सीपी के 200 से अधिक रेस्टोरेंट संचालकों को पीएनजी कनेक्शन की दरकार है, वे सभी कनेक्शन लेने को तैयार हैं।

नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (NDTA) के अनुसार, कनॉट प्लेस में 2006 के आसपास ही PNG लाइन बिछाने की मंजूरी मिल थी। तब दावा था कि 2012 तक काम पूरा हो जाएगा और सबको कनेक्शन मिलेगा, लेकिन 2026 में भी रेस्टोरेंट संचालक PNG कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं। मौजूदा LPG संकट ने इनकी परेशानी बढ़ा दी है। गैस न मिलने के चलते किसी को मेन्यू में कटौती करनी पड़ रही है, तो कई महंगे सिलिंडर खरीदकर काम चला रहे हैं।

गैस नहीं मिलने के चलते कई ने मेन्यू में की कटौती

NDTA के जनरल सेक्रेटरी विक्रम बधवार ने बताया कि 2024 में कनॉट प्लेस के ए और बी ब्लॉक तक पीएनजी लाइन बिछाई गई थी, लेकिन काम रुक गया। हमने IGL से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पिछले साल सीएम को भी पत्र लिखा था, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ।

'काम रुक गया था, 21 फरवरी से दोबारा हुआ शुरू' : IGL के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों के चलते सीपी में PNG लाइन बिछाने का काम रुक गया था। अब NDMC से खुदाई और सप्लाई के लिए सभी परमिशन मिल गई है। 21 फरवरी से दोबारा काम शुरू हो गया है। अभी आउटर सर्कल के पास कुछ हिस्सों में लाइन डाली है, लेकिन अप्रैल तक कनॉट प्लेस के पूरे इनर और आउटर सर्कल को कवर कर लिया जाएगा। 50 से ज्यादा रेस्टोरेंट्स कनेक्शन लेने के लिए रजिस्ट्रेशन भी करवा चुके हैं और बाकी रेस्टोरेंट संचालक भी IGL के संपर्क में हैं। लाइन डालते ही कनेक्शन लगाने का काम भी शुरू कर दिया जाएगा।

यूरिया की संभावित कमी को लेकर बाज़ार में चर्चाएं तेज़

युद्ध का असरः खेती सीज़न से पहले DAP फर्टिलाइज़र की कमी से टेंशन

■ राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

मिडल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब खेती पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है। देश में यूरिया की संभावित कमी को लेकर बाजार में चर्चाएं तेज हैं, हालांकि सरकार का दावा है कि फिलहाल पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है और कारखानों में इसका उत्पादन भी लगातार जारी है।

इस मुद्दे पर दिल्ली के विभिन्न इलाकों में यूरिया डिस्ट्रीब्यूटर्स और डीलरों से बातचीत करने पर सामने आया कि अभी राजधानी में किसी तरह की पैनिक की स्थिति नहीं है। उनका कहना है कि दिल्ली में यूरिया की खपत अन्य राज्यों के मुकाबले बहुत कम होती है और इसकी असली डिमांड जून-जुलाई के बाद देखने को मिलती है, जब धान की फसल लगती है। दिल्ली और हरियाणा में यूरिया सप्लाई करने वाले डिस्ट्रीब्यूटर सुनील खत्री के मुताबिक, फिलहाल यूरिया की कोई कमी नहीं है और डिमांड भी कम है। किसान अभी धान की बुआई की तैयारी में हैं, ऐसे में अगले 1-2 महीने बाद ही इसकी जरूरत बढ़ेगी। वहीं, बवाना इलाके के एक डीलर राकेश का कहना है कि यूरिया की स्थिति सामान्य है, लेकिन DAP फर्टिलाइजर को लेकर चिंता बनी हुई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली देहात में हरी सब्जियां और चारा उगाने वाले किसान DAP का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी सप्लाई लंबे समय से सीमित मात्रा में ही मिल रही है।

सरकार का दावा है कि पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है

विशेषज्ञों का मानना है कि जहां यूरिया का उत्पादन देश में ही होता है, वहीं DAP अक्सर आयात पर निर्भर है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय हालात इसकी सप्लाई पर असर डाल सकते हैं। फिलहाल सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अप्रैल में अगले साल की खपत का आकलन तैयार किया जाएगा, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय होगी।

खाने-पीने की दुकानों में बिक्री 45% तक गिरी

सरोजिनी नगर में LPG सिलिंडर ने बिगाड़ा मार्केट का 'ज़ायका'

खरीदारी के लिए आने वाले भी अब कम आ रहे मार्केट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सिलिंडर के लिए कई गैस एजेंसियों में लंबी लाइन लग रही है

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच दिल्ली में अब भी एलपीजी सिलिंडर का संकट बरकरार है। आलम यह है कि छोटे दुकानदारों को सिलिंडर मिल नहीं पा रहा है, जिससे सरोजिनी नगर मार्केट में कई दुकानें बंद हो गई हैं। इससे यहां शॉपिंग के लिए आने वाले लोग और अन्य दुकानदार परेशान हैं। उन्हें खाने-पीने की चीजें मिल नहीं पा रही हैं। कुछ दुकानदारों का कहना है कि खाने-पीने की कई दुकानें बंद होने से अब ग्राहक भी मार्केट में आने से कतरा रहे हैं, जिससे करीब 45 प्रतिशत तक सेल गिर गई है।

दरअसल, सरोजिनी नगर मार्केट में दिल्ली के अलावा आसपास के दूसरे शहरों से भी लोग शॉपिंग करने आते हैं। रविवार को यहां काफी भीड़ रहती है, लेकिन अब भीड़ कुछ कम दिख रही है। सरोजिनी नगर मार्केट के व्यापारी अशोक रंधावा ने बताया कि एलपीजी सिलिंडर की मारामारी के बीच सरोजिनी नगर मार्केट में खाने-पीने के कई दुकानें बंद हो गई हैं। इस वजह से दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों को बहुत दिक्कत हो रही है। दावा है कि पूरी-सब्जी, छोले-भटूरे, दाल सब्जी-रोटी बेचने वालों ने काम बंद कर दिया है। कुछ दुकानें जो अब भी चल रही हैं, उन्होंने कीमत बढ़ा दी है।

अशोक रंधावा के अनुसार, खाने की दुकानें बंद होने की वजह से मार्केट में ग्राहकों की संख्या में भी गिरावट आई है। उन्होंने दावा किया है कि बीते कुछ दिनों में मार्केट में सेल का ग्राफ 40 प्रतिशत तक गिर गया है।

फोम, प्लाई और फर्नीचर की लागत 10 से 45% तक बढ़ी

पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की बढ़ी कीमत, फर्नीचर मार्केट पर दिख रहा असर

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स प्रमुखता से चीन, ब्रिटेन और जापान से आते हैं

युद्ध के हालातों के कारण पिछले एक महीने से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स महंगे हो रहे हैं। बोर्ड प्लाई, फोम के गद्दे और उससे जुड़े सामान और फर्नीचर उद्योग के आइटम 10 से 45 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। बताया जाता है कि पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स प्रमुखता से चीन, ब्रिटेन और जापान से आते हैं। उनके महंगे होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। फर्नीचर उद्योग के शोरूम मालिकों ने बताया कि मार्केट में सन्नाटा सा पसरने लगा है। ग्राहक बहुत कम दिखाई दे रहे हैं। बोर्ड प्लाई और फोम बनाने में पेट्रोलियम प्रोडक्ट का काफी इस्तेमाल होता है। इसके चलते उससे बनने वाला सामान और अधिक महंगा हो रहा है। बोर्ड प्लाई बनाने की फैक्ट्रियां हरियाणा, यमुनानगर में हैं। फोम के गद्दे बनाने की फैक्ट्रियां NCR में ज्यादा हैं। लोकल लेवल पर भी कुछ छोटी फैक्ट्रियां हैं।

बढ़ते दामों के कारण खरीदार बाजार से दूर हो गए हैं

बोर्ड प्लाई के दुकानदार नवीन अग्रवाल ने बताया कि पेट्रोलियम प्रोडक्ट के रेट बढ़ने से प्लाई के दाम भी 10 से 15 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। हर रोज दाम बढ़ने से मार्केट की रौनक गायब हो चुकी है। होलसेलर हर्ष ने बताया कि प्लाई की बाइंडिंग में लगने वाला MR और UR ग्लू महंगा हो गया है। पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के महंगे होने से बोर्ड प्लाई लगातार महंगी हो रही है। पहले 4-5 दिन में माल की सप्लाई हो जाती थी। अब कम से कम 15 दिन लगते हैं। गांधी नगर की महिला कॉलोनी फर्नीचर मार्केट में फोम आइटम के दुकानदार अजय मनचंदा ने बताया कि फोम पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स से ही बनता है। उनके महंगे होने से फोम के गद्दों के रेट 45 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। PVC तक 25 फीसदी महंगी हो गई है।

फर्नीचर शोरूम के मालिक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि बहुत जरूरी केमिकल, हार्डवेयर और प्लाई महंगी होने से फर्नीचर 40 फीसदी तक महंगे हो गए हैं।

'कालाबाज़ारी और महंगाई के खिलाफ ऐक्शन ले सरकार'

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच महंगाई और कालाबाजारी को लेकर लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। नेशनल अकाली दल ने सरकार से युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की मांग की है। नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की घोषणा के अवसर पर कहा कि जिस प्रकार देश बाहरी चुनौतियों का सामना मजबूती से करता है, उसी तरह अब महंगाई और कालाबाजारी के खिलाफ भी सख्त और निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा संघर्ष है। सरकार को चाहिए कि वह इसे 'जन-युद्ध' मानकर ठोस और प्रभावी कार्रवाई करे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही महंगाई और कालाबाजारी पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। इस मौके पर कुलदीप सिंह मारवाह को नेशनल अकाली दल का दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया

DJB कर रहा तैयारी 45% वॉटर लॉस रोकने के लिए बनेगा मास्टर प्लान, 6 हजार किमी पुरानी पाइपलाइन भी बदलेगी

24x7 पानी सप्लाई के लिए बड़े हिस्से की होगी स्टडी

Sudama.Yadav @timesofindia.com

19.71 लाख उपभोक्ताओं को होगा इससे फायदा | **26-27%** पानी लॉस हो जाता है प्लांट तक आते-आते | **992 वर्ग** किमी दायरे में की जाएगी स्टडी के दौरान मैपिंग

इन 6 जोन में स्टडी

जोन	एरिया (वर्ग किमी में)	कनेक्शन (लाख में)
ईस्ट	65	4.26
नॉर्थ-ईस्ट	72	5.46
साउथ	214	2.79
नॉर्थ-वेस्ट	297	2.27
साउथ-वेस्ट	256	2.81
वेस्ट	88	2.12

पाइप नेटवर्क भी होगा दुरुस्त

अफसरों का कहना है कि दिल्ली में पाइप वॉटर सप्लाई के लिए कुल 15,600 किमी लंबा नेटवर्क है, जिसमें से 6000 किमी लंबे पाइप नेटवर्क को चेंज करने का प्लान है।

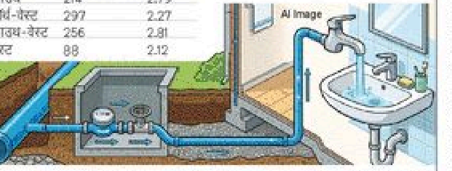

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली के 66.5% हिस्से में 24 घंटे पानी सप्लाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड (DJB) ने नेट रेवेन्यू वॉटर (NRW) सप्लाई का स्टडी प्लान तैयार किया है। इसमें कच्चे जल स्रोतों और आवंटन का आकलन किया जाएगा। जल बोर्ड के जिन 9 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांटों से पानी सप्लाई होती है, उनकी एक इन्वेंट्री भी तैयार की जाएगी। ताकि यह पता चला सके कि प्लांटों की वास्तविक ट्रीटमेंट कैपिसिटी कितनी है और भविष्य में जनसंख्या बढ़ने के बाद दिल्ली में कुल कितने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने होंगे।

इस स्टडी के लिए दिल्ली को 6 जोन में बांटा गया है, इसमें कुल 19.71 लाख उपभोक्ता हैं और दायरा 992 वर्ग किमी है। DJB कुल 1483 वर्ग किमी दायरे में पानी सप्लाई करता है।

वाटर लॉस 45% से अधिक

जल बोर्ड अफसरों के अनुसार दिल्ली में वॉटर सप्लाई पूरी तरह से दो राज्यों से मिलने वाले कच्चे पानी पर निर्भर है। इसमें हरियाणा से 929 एमजीडी और यूपी के अपर गंगा कैनाल से गंगाजल 253 एमजीडी मिलता है। दोनों राज्यों को मिलाकर कुल 1182 एमजीडी पानी मिलता है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पानी पहुंचते-पहुंचते 863 एमजीडी ही रह जाता है। यानी जितना पानी दोनों राज्यों से मिलता है, उसका 26-27% लॉस हो जाता है।

कच्चे पानी को ट्रीट कर जल बोर्ड कुल 865 एमजीडी पानी सप्लाई करता है, जिसमें से आगे करीब 45 प्रतिशत पानी लॉस हो जाता है। लॉस के कई कारण हैं। इस समस्या को सुलझाने और भविष्य में बढ़ी हुई आबादी को भरपूर पानी देने के लिए ही जल बोर्ड ने वॉटर इन्फ्रास्ट्रक्चर का व्यापक स्टडी प्लान तैयार किया है। इसके तहत DJB अपने 9 सप्लाई जोन में से 6 जोन में स्टडी कराएगा, जो कुल जोन का 66.5 प्रतिशत हिस्सा है।

चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से सप्लाई अधूरी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से वॉटर सप्लाई तो शुरू हो गई है लेकिन पूरी तरह नहीं। 58 एमजीडी पानी उत्पादन करने वाले प्लांट्स के दूसरे यूनिट में पानी को पंप करने के लिए कई मोटर्स लगे हैं, जो 91 साल से भी ज्यादा पुराने हैं। मोटर्स ठीक होने के बाद भी नमी के चलते बार-बार खराब हो रहे हैं, जिसके चलते पानी सप्लाई शत प्रतिशत नहीं हो रही है। स्थिति सुचारू होने में अभी और भी कई दिन लग सकते हैं। जल बोर्ड अफसरों के अनुसार, चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी उत्पादन के लिए दो यूनिट हैं। इसमें एक यूनिट तो चल रहा है। दूसरे यूनिट से 58 एमजीडी पानी उत्पादन होता है, लेकिन इस यूनिट के पंपिंग मोटर्स ही बार-बार ट्रिप कर रहे हैं, जिससे सप्लाई शत प्रतिशत नहीं हो पा रही है। मोटर्स 6.6 केवी रेटिंग के हैं, जिनके स्पेयर पार्ट्स आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। भारी क्षमता वाले इन मोटर्स के रख-रखाव में काफी समय लगता है। जिन इलाकों में पानी की दिक्कत है, उन इलाकों में कुल 145 टैंकर्स की व्यवस्था की गई है।

91 साल पुरानी मोटरें बार-बार हो रहीं ट्रिप

हेरिटेज साइट्स पर रिपोर्ट पेश नहीं करने पर ASI के डीजी को नोटिस

जियो-मैपिंग और सर्वेक्षण में देरी, NDMC-MCD को भी सख्त निर्देश

Rajesh.Choudhary @timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई के डीजी को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि उन्होंने दिल्ली के 173 हेरिटेज स्मारकों के संरक्षण से संबंधित हलफनामा दाखिल क्यों नहीं किया। अदालत ने निर्देश दिया कि वे अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों और जवाब दाखिल करें। जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अगुवाई वाली बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। यह याचिका राजीव सूरी ने दायर की है। यह मामला मूल रूप से लोदी काल के स्मारक शेख अली की गुमटी संबंधित था, जिसे बाद में अन्य संरक्षित ऐतिहासिक इमारतों तक एक्सटेंड कर दिया गया।

यह नोटिस राष्ट्रीय राजधानी में अधिसूचित 173 विरासत स्थलों के संरक्षण की स्थिति पर जवाब दाखिल न करने के कारण जारी किया गया। अदालत ने नोट किया कि 2 फरवरी 2026 के अपने पिछले आदेश में उसने स्मारकों के निरीक्षण से संबंधित विशेष सुझावों के साथ स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। हालांकि, कोर्ट कमिश्नर वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन ने यह बताया कि 173 स्मारक एएसआई के अधीन आते हैं, लेकिन एएसआई ने निर्देशों के अनुसार कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया। अदालत ने कहा कि विभाग द्वारा चिह्नित 19 स्मारकों का निरीक्षण किया जा चुका है और अधिकांश मामलों में अनुपालन हुआ है, सिवाय लोकेशन पहचान और जियो-मैपिंग के। इसी तरह के निर्देश एमसीडी को भी दिए गए, जहां 85 में से केवल 62 स्मारकों का सर्वेक्षण किया गया था और कुछ पहलुओं पर काम अधूरा था। एनडीएमसी के मामले में अदालत ने पाया कि 54 में से केवल 2 स्मारकों का सर्वेक्षण हुआ है। बेंच ने एनडीएमसी को निर्देश दिया कि वह हलफनामा प्रस्तुत करे, ताकि प्रभावी निगरानी और रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके।

173 हेरिटेज साइट्स के संरक्षण से जुड़ा हलफनामा क्यों नहीं किया दाखिल: कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने 16 जुलाई 2025 को दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह लोदी काल के स्मारक शेख अली की गुमटी को कानून के तहत संरक्षित स्मारक घोषित करने के लिए एक नया अधिसूचना जारी करे। स्मारक से जुड़ा विवाद तब आया जब SC ने डिफेंस कॉलोनी RWA को 25 मार्च 2025 को आदेश दिया कि वह अपने ढांचे खाली करे और 1960 के दशक से ऐतिहासिक स्थल पर अवैध कब्जा करने के लिए पुरातत्व विभाग को 40 लाख रुपये का मुआवजा अदा करे।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 03-29-2026 23:44 Color:

NHAI ने टोल दरें बढ़ाईं, रोजाना का सफर हुआ और खर्चीला

टोल टैक्स बढ़ा, 1 अप्रैल से और ढीली होगी जेब

■ NBT न्यूज, गुड़गांव

लाखों गाड़ी चलाने वालों के लिए 1 अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। एनएचएआई ने टोल दरों में बढ़ोतरी कर दी है, जिसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो रोज नौकरी, कारोबार या अन्य काम के लिए गाड़ी लेकर निकलते हैं। द्वारका एक्सप्रेसवे, घामडोज और खेड़कीदौला टोल से जाने वालों की जेब और ढीली होगी। NHAI ने फास्टैग एनुअल पास की फीस भी बढ़ा दी है, जो अब 3000 से बढ़कर 3075 रुपये हो जाएगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे टोल पर सबसे ज्यादा बढ़ा चार्ज

द्वारका एक्सप्रेसवे के बिजवासन टोल की बात करें तो यहां से हर दिन करीब 50 हजार वाहन गुजरते हैं। नई दरों के बाद कार और जीप चालकों को अब 220 की जगह 225 रुपये देने होंगे। हल्के कमर्शल वाहनों का शुल्क 355 से बढ़कर 365 रुपये हो गया है। बस और ट्रक चालकों को अब 745 की जगह 765 रुपये चुकाने होंगे। इसी तरह थ्री एक्सल वाहनों का टोल 815 से बढ़ाकर 835 रुपये कर दिया गया है, जबकि भारी निर्माण मशीनों के लिए यह सीधे 815 से 1200 रुपये तक पहुंच गया है। ओवरसाइज वाहनों का शुल्क भी 1425 से बढ़ कर 1465 हो गया है।

घामडोज टोल पर भी दरों में बढ़ोतरी की गई है। यहां रोजाना करीब 50 हजार लोगों का आना-जाना रहता है। कार चालकों को अब 125 की जगह 130 रुपये देने होंगे। हल्के कमर्शल वाहन 205 से बढ़कर 210 रुपये, बस और ट्रक को 430 से 440 रुपये देने होंगे। थ्री एक्सल वाहनों का शुल्क 470 से 480 रुपये और भारी निर्माण मशीनों का शुल्क 675 से 690 हो गया है।

खेड़कीदौला टोल पर भी वृद्धि

खेड़कीदौला टोल प्लाजा, जो गुड़गांव के सबसे व्यस्त टोल में गिना जाता है, वहां भी हर कैटिगरी में 5 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। अब कार चालकों को एक तरफ के लिए 95 नहीं 100 रुपये देने होंगे। हल्के कमर्शल वाहनों का शुल्क 155 से 160 रुपये, बस और ट्रक का 330 से 335 रुपये, थ्री एक्सल वाहनों का शुल्क 360 से 370 रुपये और ओवरसाइज वाहनों का शुल्क 630 से 645 तक पहुंच गया है।

NH के साथ KMP और KGP पर बढ़ेंगी टोल दरें

■ NBT न्यूज, पलवल: नैशनल हाइवे (NH-19), कुंडली-मानेसर-पलवल (KMP) और कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (KGP) एक्सप्रेस-वे पर 31 मार्च की आधी रात यानी एक अप्रैल से सफर और महंगा हो जाएगा। NHAI ने टोल दरों में लगभग पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। स्थानीय निवासियों के लिए बनाए जाने वाले मासिक पास भी महंगे करने की तैयारी है। दिल्ली-आगरा नैशनल हाइवे स्थित गदपुरी टोल प्लाजा पर टोल वसूलने वाली कंपनी 'स्कूबा' के प्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि नियमों के मुताबिक, टोल दरों में प्रत्येक साल थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर तीन से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की जाती है। इस साल भी पांच प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है।

महंगा होगा सफर

- दिल्ली-आगरा हाइवे के गदपुरी टोल समेत एक्सप्रेस-वे पर 5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

सर्कल रेट पर सुझाव देने के लिए अब एक दिन

■ NBT रिपोर्ट, फरीदाबाद: जिला प्रशासन की ओर से प्रस्तावित नए सर्कल रेट (कलेक्टर रेट) की सूची जारी होते ही शहर में खलबली मच गई है। एक तरफ जहां जमीनों और फ्लैट्स की दरों में 15 से 75 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है, वहीं दूसरी तरफ इन दरों पर जनता की राय, सुझाव और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए प्रशासन ने बेहद कम समय दिया है। लोगों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है कि वह इतने कम समय में आपत्ति और सुझाव कैसे दें। जबकि, सर्कल रेट जारी करने की मानक प्रक्रिया के मुताबिक, नई दरें सार्वजनिक करने के बाद आम जनता और संबंधित पक्षों को कम से कम 7 दिन का समय दिया जाना चाहिए। यह समय इसलिए आवश्यक होता है ताकि लोग अपने क्षेत्र की प्रस्तावित दरों का बाजार मूल्य से मिलान कर सकें।

आज सुबह 11 बजे तक आपत्ति व सुझाव दे सकेंगे

30 मार्च 1919 की याद में चांदनी चौक में स्मारक

घंटाघर के पास होगा इस स्मारक का निर्माण

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

30 मार्च 1919 की ऐतिहासिक घटना, जिसमें रौलेट एक्ट के खिलाफ सत्याग्रह में 50 से अधिक निहत्थे भारतीय शहीद हो गए थे, उनकी याद में चांदनी चौक के घंटाघर में स्मारक बनाया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के मकसद से दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे। यह भेंट ऐतिहासिक चांदनी चौक कांड की वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है, जिसका मकसद दिल्ली में ब्रिटिश शासन के खिलाफ जन-प्रतिरोध के सबसे शुरुआती और निर्णायक क्षणों में से एक के दौरान दिए गए बलिदानों को याद करना है।

दिल्ली में चली थी गोलियां, 50 हुए थे शहीद : विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की यह घटना वर्तमान दिल्ली विधानसभा (तत्कालीन सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली) के भीतर दमनकारी रौलेट एक्ट पारित होने के विरोध में हुई थी। 30 मार्च 1919 को दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाते हुए जुलूस को पुलिस ने रोका और गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने अपनी पुस्तक सत्य के प्रयोग में इसे लिखा है, गांधी ने आगे लिखा है कि दिल्ली में दमन का दौर हुआ और जो कुछ दिल्ली में हुआ वही लाहौर और अमृतसर में भी हुआ।

गुप्ता ने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद ने इसका नेतृत्व किया था। 30 मार्च 1919 की ऐतिहासिक घटना की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक डाक टिकट भी जारी किया था। यह टिकट रौलेट सत्याग्रह दिवस (30 मार्च 1919) की स्वर्ण जयंती और स्वामी की वीरता को श्रद्धांजलि थी।

नोएडा में 28वीं मंजिल से गिरी बीटेक स्टूडेंट, मौत

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा : सेक्टर-32 अमोरे सोसायटी के डी-ब्लॉक में शनिवार देर रात बीटेक छात्रा के 28वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। सूचना मिलने पर सेक्टर 24 थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। छात्रा के गिरने की आवाज सुनते ही उनके घरवाले दौड़े और मेन गेट के ग्राउंड फ्लोर पर खून से लथपथ पड़ी बेटी को उठाकर जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और फरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच की। पुलिस जांच में पता चला कि छात्रा मानसिक तनाव में रहती थी। टीम को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस मामले में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

नोएडा सेक्टर 32 की अमोरे सोसायटी की घटना

पुलिस ने बताया कि अमोरे सोसायटी में संजय जायसवाल परिवार संग रहते हैं। वह नोएडा में तेल का कारोबार करते हैं। उनकी छोटी बेटी अंकिता (21) जायसवाल पंजाब के एक विश्वविद्यालय से बीटेक की पढ़ाई कर रही थी।

मुआवज़ा लेने को खेत में बना रहे थे दो मंज़िला घर, लेंटर डालते ही गिरा

■ NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा : जेवर में बने नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के विस्तार के लिए तीसरे और चौथे चरण में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। वहीं कुछ लोग एयरपोर्ट के लिए होने वाले अधिग्रहण का अधिक लाभ लेने के लिए घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर अवैध रूप से कई मंजिला मकान बना रहे हैं। नीमका में बन रहा ऐसा ही दो मंजिला मकान रविवार को लेंटर डालने के बाद भरभराकर गिर गया। नीमका गांव निवासी विश्वपाल के खेत में ठेकेदार दो मंजिला मकान बना रहा था। बताया जा रहा है कि इसके निर्माण में बेहद घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था। रविवार को दूसरी मंजिल का लेंटर डाला गया था। जैसे ही लेंटर डालने का काम पूरा हुआ और मजदूर वहां से हटे, तभी मकान अचानक भरभराकर गिर गया।

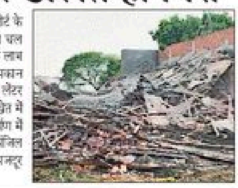

DCP ईस्ट ने 106 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : ईस्ट जिले के डीसीपी ऑफिस में रविवार को डीसीपी राजीव कुमार ने प्रशंसा और प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में 106 पुलिस अधिकारियों/कर्मियों को उनके अच्छे काम के लिए प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस समारोह में सभी एसीपी, एसएचओ और एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के प्रभारी, साथ ही पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी उपस्थित थे। इस प्रकार का सम्मान पुलिसकर्मियों को उत्कृष्टता के साथ ड्यूटी करने और पुलिसिंग के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

दिल्ली में क्राइम कंट्रोल के लिए LG उठाएं कदम: कांग्रेस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू को यहां कानून व्यवस्था नियंत्रण में लाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। राजधानी में रोज हत्या, लूट, किडनैपिंग, फायरिंग और स्नैचिंग जैसी घटनाएं हो रही हैं। दिल्ली में चाहे आम आदमी पार्टी (AAP) की सरकार हो या बीजेपी की सरकार हो, पुलिस की कार्यशैली और सुस्त व्यवस्था के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने मांग की है कि उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री को तुरंत गृहमंत्री अमित शाह के साथ बैठक कर दिल्ली के हालात को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए।

LG से की इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग

देवेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सीएम की कुर्सी संभालते ही केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात कर कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की बात कही थी, लेकिन अपराध लगातार बढ़ रहा है।

'भगवान महावीर के उपदेश अपने आचरण में भी लाएं'

■ रमेश जैन, नई दिल्ली

तीन दिवसीय महावीर जयंती समारोह रविवार को लाल किला ग्राउंड के माधवदास पार्क में आचार्य श्री श्रुतसागरजी मुनिराज के सान्निध्य में शुरू हुआ। प्रमोद जैन-वर्धमान एवं डॉ. एसके सोगानी ने ध्वजारोहण किया। मंगलाचरण महिला मंडल मयूर विहार ने किया। आचार्य श्री को पाद प्रक्षालन के साथ शास्त्र भेंट किए गए। समाज के अध्यक्ष चक्रेश जैन ने आचार्य श्री को विनयांजलि अर्पित की।

Surender Kumar
लाल किला ग्राउंड में तीन दिवसीय महावीर जयंती समारोह रविवार को हुआ शुरू

आचार्य श्री ने कहा कि भगवान महावीर के उपदेशों को आचरण में लाकर ही वर्तमान की सभी समस्याओं का समाधान हो सकता है। 2600 साल पहले उनकी जन्मस्थली वैशाली ही भारत का पहला गणतंत्र था, जिसमें 7777 संसद सदस्य थे। हमें अपने आहार-व्यवहार को सुधारना होगा। समारोह के मुख्य अतिथि रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियन, एमएमए विजेता संग्राम सिंह ने आचार्य श्री को भावभीनी विनयांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भगवान महावीर, राम व अन्य महापुरुषों से ही हमें प्रेरणा मिलती है। समारोह में क्षुल्लक विशाक्ष सागरजी भी मौजूद थे।

भारतवर्षीय दि. तीर्थक्षेत्र कमिटी के अध्यक्ष जंबू प्रसाद जैन, स्वदेश भूषण जैन, लाल मंदिर के मैनेजर पुनीत जैन, जिनेंद्र जैन, पीके जैन, विवेक जैन, नीरज जैन, अनिल जैन, अतुल जैन आदि गणमान्य व्यक्तियों ने विनयांजलि अर्पित की। संयोजन जैन मित्र मंडल ने किया। नीलम जैन व प्रीति जैन के संयोजन में गायन प्रतियोगिता हुई।

नवीन दी धर्म कर्म

जैन समाज यमुनापार ने महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आर्यिका सुज्ञानमती व दयामती माताजी के सान्निध्य में वर्धमान जैन सेवक मंडल के संयोजन में कृष्णा नगर जैन मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली। पवन जैन के अनुसार महावीर स्वामी पार्क कैलाश नगर के भव्य समारोह में केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा व यमुनापार विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली शामिल हुए। मौजपुर जैन समाज ने भी शोभायात्रा निकाली। दि. जैन मंदिर मॉडल टाउन में अध्यक्ष प्रमोद जैन के अनुसार विशाल हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। मुनिश्री सौम्य सागरजी के सान्निध्य में कुतुब मीनार से अहिंसा स्थल तक अहिंसा पदयात्रा निकाली गई।

महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए nbtreader@timesofindia.gcom पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन बना चैंपियन

सुनील डबास (53), निखिल कुमार (23), पीयूष कुमार (21), सचिन कुमार (26), सुशील (2 विकेट) सनी चढ्ढ (2 विकेट) के दम पर दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन (160/10) ने हार्मनी कप फाइनल में एएफडब्ल्यू (156/10) को 4 रन से हराकर खिताब जीता। पराजित टीम से वासु सैनी (75*) ने संघर्ष किया।

शिवम का पंजा

शिवम जुनेद (5/68), भानु यादव (77*), निशांत (76) और अहान डबास (2/25) के दम पर यमस्टर सीसी (229/4) ने दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल मौलाना आजाद (227/10) को 6 विकेट से हराया। हारने वाली टीम से दीपांशु कक्कड़ (75) ने अच्छा खेल दिखाया।

काशिफ-इमरान ने किया कमाल, जीती टीम

काशिफ (82), इमरान अली (60) और मयंक निगम (4/43) के दम पर वंडरकोल्ट्स इलेवन (216/6) ने प्रथम इलाही मेमोरियल ओल्ड दिल्ली टी-20 में सुपर किंग्स (198/7) को 18 रन से हराया। पराजित टीम से तनुज (89) ने शानदार पारी खेली।

अरविंद-प्रशांत का पंजा

अरविंद वर्मा (5/51), प्रशांत वशिष्ठ (5/44), दिशांत मिश्रा (82) और गौरव गौर (63) के दम पर मोहन मीकिन क्लब (230/8) ने सातवें बजीत और जोबन कल्सी स्पोर्ट्स ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में ज्ञाती फ्रेंड्स क्लब (210/10) को 20 रन से हराया।

अरविंद और प्रशांत वशिष्ठ

अरबाज-फहीम की फिफ्टी

अरबाज अहमद (82), फहीम मिर्जा (52) और मोहम्मद फैद (3/32) के प्रदर्शन से एपैक्स क्रिकेट क्लब (231/5) ने प्रथम इलाही मेमोरियल ओल्ड दिल्ली टी-20 में एशिया इलेवन क्लब (149/10) को 82 रन से हराया।

योगेश-इंदर का कहर

योगेश सिंह (4/26), इंदर सेन (3/06), प्रद्युम्न (3/30) और यश चौहान (33*) के दम पर आरपीसीए क्लब (63/2) ने दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल में डीएवी रोहिणी (62/10) को 8 विकेट से हराया। पराजित टीम से देवांश (31) ने संघर्ष किया।

सार्थक का ऑलराउंड शो

सार्थक

सार्थक नायक (99, 1/20), नितिन कुमार (4/33) और अमान अटलखा (51) के दम पर टर्फ स्पोर्ट्स अकैडमी (197/5) ने 12वें एचएच अंडर-14 कप में पीके स्पोर्ट्स (196/6) को 5 विकेट से हराया। हारने वाली टीम से माहिर बग्गा (69) ने अच्छा खेल दिखाया।

खुशी का शतक

खुशी (118*), एच शर्मा (64) और मीत करहाना (2 विकेट) के दम पर फरीदाबाद यूनाइटेड (260/3) ने ईएसएआर अंडर-19 गर्ल्स टूर्नामेंट में फैलकन क्रिकेट क्लब (199/10) को 61 रन से हराया। पराजित टीम से तनिष्का (61) व सोनाक्षी (51) ने फिफ्टी जमाई।

जीत में साहिल चमके

मोहम्मद साहिल (93, 4 विकेट), हरमन सिंह (60) और अक्षित आनंद (30) के दम पर यंग स्टार (239/10) ने टीसीए अंडर-19 टूर्नामेंट में पिनेकल क्लब (110) को 129 रन से हराया।

साहिल

नैतिक का ऑलराउंड प्रदर्शन

नैतिक माथुर (39, 5 विकेट), श्रेय यादव (54) और विनोद सिवाजी (39) के दम पर रोहतक रोड जिमखाना (237/7) ने ऑल इंडिया सुनील जैन मेमोरियल में टेलीकॉन क्लब (225) को 12 रन से हराया। पराजित टीम से जितिन यादव (94) ने शानदार पारी खेली।

नैतिक

श्याम लाल कॉलेज बना चैंपियन

प्रखुर सिंह जम्मी (2 गोल), पंकज (2 गोल) और रोहित के शानदार खेल से श्याम लाल कॉलेज ने पैपसीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट फाइनल में खालसा कॉलेज को 7-1 से हराकर खिताब जीता। पराजित टीम से सचिन ने एकमात्र गोल किया।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
राशि का स्वामी एकादश प्रमुख कर्म-आय भाव में वह भी सिंह राशि में है। कारोबार को मिजाज में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। तृतीय भाव में बृहस्पति होने के कारण संतान पक्ष से आशा जनक समाचार मिल सकता है।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
राशि स्वामी के नवम भाव में होने के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। शाम में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात में मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
चंद्रमा द्वितीय भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। शाम से लेकर रात तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व अच्छा समाचार मिलेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और आंखों की परेशानी होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
राशि स्वामी बुध पराक्रम में वृद्धि कर रहा है। रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद व मुकदमे में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्च व कीर्ति की वृद्धि होगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज आपके घरों और सुखद और सकारात्मक वातावरण रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों के बीच खुशहाली बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी आर्थिक समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन लाभ होने से मन को सुकून मिलेगा। विरोधियों का पराभव (हार) होगा। प्रजा का प्रबल प्रेम बनकर स्थापित हो सकता है। प्रणय संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आपकी राशि मंगल शनि योग अभी कुछ दिन और चलेगा। इसके चलते कुछ स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की आशंका में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज के दिन आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। शाम से लेकर रात तक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। शाम के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बन रहेगा।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि उदय चल रहा है। इसलिए बिना वजह विवाद और शत्रुता, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशा कारक है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन संतान की चिंता और उनके कार्यों को व्यवस्थित करने में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिनों से चला आ रहा गतिरोध आज समाप्त हो जाएगा। आज अपने सगे या करीबी से धन का लेन-देन न करें, अन्यथा संबंध खराब होने का डर है। धार्मिक यात्रा और पुण्य कार्यों पर व्यय होगा। बृहस्पति का चतुर्थ योग मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा के प्रति सचेत रहने का संकेत दे रहा है।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(30 मार्च - 5 अप्रैल 2026)

(आचार्य नंदिता पांडे)

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
इस सप्ताह आपको अपने कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी तभी आपके लिए फायदे होते दिखाई देते हैं। आर्थिक मामलों में खर्चे अधिक रहेंगे। बेवजह की तनाव की वजह से भी व्यय अधिक हो सकता है।

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
साझेदारी में किया गया कोई भी कार्य इस सप्ताह के लिए शुभ फल लेकर आएगा। प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते रहेंगे। इस सप्ताह आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनते जाएंगे।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह के कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। आप अपने प्रोजेक्ट को नए तौर तरीकों से आगे बढ़ाएंगे। हो सकता है कि किसी नए प्रोजेक्ट की तरफ भी आपका रुझान बढ़े। आर्थिक मामलों में भी नए तरीकों से निवेश करेंगे।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह किसी नए प्रोजेक्ट द्वारा सफलता हासिल होगी एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त होते जाएंगे। आर्थिक मामलों में इस सप्ताह जो भी मेहनत आप करेंगे, उसका शुभ फल आपको भविष्य में मिलेगा।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह आर्थिक मामलों में धन वृद्धि के संयोग बन रहे हैं। सप्ताह की शुरुआत में ही आपको अपनी निवेशों द्वारा धन प्राप्ति के सुखद समाचार मिल सकते हैं। प्रेम संबंध में एक नई सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ेंगे तो वो आपसी प्रेम में वृद्धि होगी।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति के संयोग बन रहे हैं एवं आप अपने जीवन में सुख-समृद्धि हासिल करेंगे। आपकी वाकपटुता एवं व्यवहार कुशलता आपके जीवन में मान-सम्मान में वृद्धि करेगी। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बन रही हैं एवं इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं आप अपने प्रोजेक्ट्स की सफलता को देखकर प्रसन्न रहेंगे। इस सप्ताह आपको उन्नति प्राप्त करने के कई अवसर अपने कार्यक्षेत्र में मिलते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं आप अपने बेहतर भविष्य के लिए कुछ ठोस निर्णय ले सकते हैं।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
इस सप्ताह आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी एवं किसी नए निवेश द्वारा धन लाभ की स्थितियां भी बनती जाएगी। यह सप्ताह आर्थिक मामलों के लिए शुभ सप्ताह है। कार्यक्षेत्र में भावनात्मक कारणों की वजह से कष्ट बढ़ सकते हैं।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। जीवन में सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे। इस सप्ताह किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है जो भविष्य में आपके कार्य को सफल बनाने में मदद करे।

सुडोकू

		1	6		4	2		
			1		9			
5	6			2			1	3
	9						2	
1	7		8		2		3	5
	8						9	
8	5			7			4	6
			9		1			
		2	5		6	7		

कल के सुडोकू का जवाब

6	4	2	8	5	3	7	1	9
7	9	1	4	6	2	5	8	3
3	8	5	9	7	1	4	6	2
4	6	7	1	8	9	3	2	5
5	1	9	2	3	7	8	4	6
2	3	8	6	4	5	9	7	1
9	5	6	7	2	4	1	3	8
8	7	3	5	1	6	2	9	4
1	2	4	3	9	8	6	5	7

TELEVISION

big magic

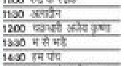

09:00	बदलू हथ्लू
10:00	बदरूद बुद्धक
11:00	रुद्र के रक्षक
11:30	अलादीन
12:00	चक्रवर्ती अशोक कृष्णा
13:30	भ से भडे
14:30	हम पांच
15:00	अजब देश की गजब कहानी
16:30	प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
19:30	रुद्र के रक्षक
21:00	चैंप

कल का पंचांग

(मंगलवार, 31 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 10, शक 1948, चैत्र शुक्ल, त्रयोदशी, मंगलवार, विक्रम संवत 2083। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 18, शव्वाल 11, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 31 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, बसंत ऋतु। राहुकाल अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक। त्रयोदशी तिथि प्रातः 06 बजकर 57 मिनट तक उपरांत चतुर्दशी तिथि का आरंभ। पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र अपराह्न 03 बजकर 21 मिनट तक उपरांत उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का आरंभ। गण्ड योग अपराह्न 03 बजकर 42 मिनट तक उपरांत वृद्धि योग का आरंभ। तैतिल करण प्रातः 06 बजकर 57 मिनट तक उपरांत वणिज करण का आरंभ। चन्द्रमा रात्रि 09 बजकर 33 मिनट तक सिंह उपरांत कन्या राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार भौम प्रदोष व्रत। श्री विष्णु दमनोत्सव, अनंग त्रयोदशी।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष मंगल बुध चन्द्र के प्रभाव क्षेत्र में रहेगा। मार्च महीने के आखिरी दिन आयात-निर्यात के व्यापार से जुड़े लोगों को बारम्बार समस्याओं से जूझना पड़ेगा। इससे आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। 24 अप्रैल से लेकर 28 मई तक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। गत वर्ष के सभी बचे हुए प्रसंग उभरकर सामने आएंगे। जून माह की बात करें तो आर्थिक कष्ट व्यथित कर सकते हैं। जुलाई से लेकर अगस्त माह के आखिरी तक जहां आपको किसी भाग्यवर्धक कार्यक्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा। वहीं सितंबर महीने की बात करें तो आपके कार्य कौशल और एकाग्रता से सभी जोखिम के कार्य सरल हो जाएंगे। इस वर्ष के उत्तरार्ध अक्टूबर से लेकर नवंबर माह के आखिर तक आपका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा, सब लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। आपके सामने कुछ नया प्रोजेक्ट भी आ सकता है। दिसंबर से लेकर जनवरी 2027 तक की बात करें तो यदि कष्ट चिंता हो तो शनिवार सुबह स्टील की कटोरी में सरसों का तेल भरकर उसमें अपना मुख देखकर लें और कटोरी को तेल सहित डकोत को दान कर दें। इस तरह फरवरी तक पांच शनिवार करें, इससे आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। विद्यार्थियों के लिए वर्ष उत्तम है। बस आपको कड़ी मेहनत करना नहीं छोड़ना है।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 03-29-2026 22:50 Color:

संडे को पारा 36 के पार, अब बादलों की एंट्री होगी ज़ोरदार!

मार्च की विदाई, अप्रैल की दस्तक- अब हफ्ते भर मौसम रहेगा मूडी

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

बारिश थमने और धूप के तेज होने की वजह से तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है। रविवार को 17 दिन बाद तापमान बढ़कर 36 डिग्री के पार पहुंच गया। हालांकि आज और कल बूंदाबांदी व बौछारों की वजह से तापमान में कमी आ सकती है। अप्रैल की शुरुआत में तापमान 37 डिग्री पर जा सकता है। इसके बावजूद अप्रैल के पहले हफ्ते में बूंदाबांदी और बारिश के आसार बने हुए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा। हवा में नमी का स्तर 36 से 83 प्रतिशत रहा। बारिश की संभावनाओं के बीच इसका इंतजार रहा। अधिकांश इलाके शुष्क ही रहे। पूर्वानुमान के अनुसार, आज बादल छाए रहेंगे। दोपहर तक तेज हवाएं चलेंगी। इनकी गति 30 से 50 किमी प्रति घंटे रह सकती है। हल्की बूंदाबांदी या बौछारें पड़ सकती हैं। दोपहर के बाद भी एक दो स्पैल में बारिश हो सकती है। इस दौरान भी तेज हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम 21 डिग्री तक रह सकता है।

मार्च के अंतिम दिन बादल छाए रहेंगे। बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 30 से 32 और न्यूनतम 17 से 19 डिग्री तक रह सकता है। एक और दो अप्रैल को मौसम शुष्क रहेगा। तीन की शाम से बौछारें वापसी कर सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 से 22 डिग्री तक रह सकता है। 3 और 4 अप्रैल को बूंदाबांदी की संभावना है। जिसकी वजह से तापमान में गिरावट आ सकती है।

PTI

बादल लगाएंगे ब्रेक : बारिश की संभावनाओं के बीच रविवार को इसका इंतजार रहा, आज बूंदाबांदी

खराब स्तर के करीब पहुंचा प्रदूषण

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कई दिन बाद रविवार को प्रदूषण का स्तर बढ़कर खराब के करीब पहुंच गया है। पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार से इसमें फिर से कमी आ सकती है। अगले दस दिनों तक इसके सामान्य स्तर पर ही रहने की संभावना है।

सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई 198 रहा। मुख्य प्रदूषक पीएम 10, पीएम 2.5 और ओजोन रहे। रविवार को हवाओं की कम गति, तेज धूप और बढ़ता तापमान प्रदूषण की वजह रहा। एनसीआर में भी कई जगहों पर प्रदूषण रविवार को बीते कई दिनों की तुलना में अधिक रहा। फरीदाबाद का एक्यूआई 172, गाजियाबाद का 229, ग्रेटर नोएडा का 260, गुरुग्राम का 230 और नोएडा का 204 रहा।

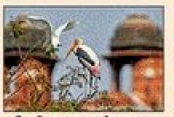

दिल्ली का एक्यूआई 198 रहा

पूर्वानुमान के अनुसार, 30 मार्च से एक अप्रैल तक प्रदूषण सामान्य स्तर पर रहेगा। इसके बाद भी छह दिनों तक प्रदूषण का स्तर सामान्य रह सकता है। रविवार को हवाओं की गति 20 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रही। आज हवाओं की गति 10 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे, मंगलवार को 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है।

कई तालाब सूख चुके

जहां होने थे तालाब, वहां कंक्रीट और कब्जे

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: 1300 से अधिक वॉटर बॉडीज (तालाबों) में से कई को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया मुश्किल हो रही है। इसकी वजह यह है कि इन तालाबों में या तो पूरी तरह अतिक्रमण हो चुका है या फिर वह पूरी तरह सूख चुके हैं। दिल्ली स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी (डीएसडब्ल्यूए) ने डिमार्केशन की प्रक्रिया के तहत यह जानकारी एनजीटी में दी है।

अथॉरिटी, एनजीटी के निर्देश पर 1300 से अधिक तालाबों की पहचान और उनके डिमार्केशन की प्रक्रिया में लगी हुई है। एफिडेविट के अनुसार, विभिन्न एजेंसियों ने अपने तालाबों को लेकर जानकारी दी है कि उनका पुनर्जीवन संभव नहीं है। इन एजेंसियों में डीडीए, रेवेन्यू डिपार्टमेंट और आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया शामिल हैं। इन्होंने कहा है कि कई तालाब या तो पूरी तरह सूख गए हैं या उनके अधिकांश क्षेत्र पर अतिक्रमण हो चुका है।

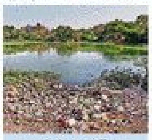

तालाबों के पुनर्जीवन पर सवाल, दिल्ली वेटलैंड अथॉरिटी ने NGT में दी जानकारी

डीडीए ने अथॉरिटी को जानकारी दी है कि कुछ तालाबों पर अतिक्रमण है। कुछ जगहों का जॉइंट इंस्पेक्शन भी किया गया। तालाब की जगह का इस्तेमाल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाउसिंग और विकास की दूसरी गतिविधियों के लिए हो रहा है। बीते साल फरवरी में एनजीटी ने वॉटर बॉडी अथॉरिटी को निर्देश दिए थे कि हर तालाब के एरिया की पहचान करें और उसके रिकॉर्ड का रेवेन्यू विभाग के रिकॉर्ड से मिलान करें।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

भूजल स्तर बढ़ाने के लिए बेहद अहम है तालाब

स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी के अनुसार, राजधानी के रेवेन्यू रिकॉर्ड में कुल 1045 तालाब हैं। इसके अलावा, सैटलाइट इमेज से भी 322 अन्य तालाबों की पहचान हुई है। पहले हुए असेसमेंट में इनमें से जमीन पर महज 674 तालाब पाए गए थे। जबकि तालाबों से संबंधित विभागों को उनकी टेस्टिंग और मॉनिटरिंग करनी होती है। बता दें कि भूजल स्तर बढ़ाने और अर्बन फ्लडिंग से बचने में तालाब काफी अहम भूमिका निभाते हैं।

बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने गाड़ी चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित (22) के रूप में हुई है। चोरी की एक बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 25 मार्च को शिकायतकर्ता बबलू कुमार ने बेरी वाला बाग इलाके से बाइक चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। सीसीटीवी और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे दबोच लिया।

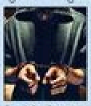

बदमाश अरेस्ट, स्कूटी बरामद

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: हरि नगर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक चाकू, चोरी की स्कूटी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। गाड़ी चोरी और मोबाइल चोरी के एक-एक मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 26 मार्च को पुलिस चौकी हरि नगर की टीम स्वर्ग आश्रम रोड स्थित डीडीए पार्क के पास पट्रोलिंग कर रही थी। स्कूटी सवार एक संदिग्ध युवक दिखा। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

कार मिकैनिक था बैटरी चोरी में शामिल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पालम गांव थाना पुलिस ने दो चोरों और एक रिसीवर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच चोरी की बैटरियां और एक बाइक बरामद की है। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार, बैटरी चोरी पर विशेष टीम गठित की गई थी। 26 मार्च को महावीर एन्क्लेव से योगेश उर्फ योगी (24) और नीरज उर्फ एके (26) को दबोचा गया। उनकी निशानदेही पर रिसीवर निखिल चौहान (20) को पकड़ा। जांच में सामने आया कि नीरज मिकैनिक है और कार का बोनट खोलने में माहिर है।

युवक को चाकू मारा, घायल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दयालपुर इलाके में झगड़े के दौरान एक युवक को कुछ लड़कों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। युवक को उसके दोस्तों ने इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अमन (22) अपने पिता महराजुद्दीन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बी ब्लॉक ईदगाह के पास गुलशनाबाद में रहते हैं। वह पीतल की मूर्ति बनाने का काम करते हैं।

दो कारों में हुई भिड़ंत, हादसे में युवक घायल

पीतमपुरा में हुआ सड़क हादसा, दोनों गाड़ियों को पहुंचा काफी नुकसान

■ NBT रिपोर्ट, पीतमपुरा

नॉर्थ वेस्ट जिले के पीतमपुरा इलाके में रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा सामने आया, जिसमें 21 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सुबह करीब 5:30 बजे आरपी चौक के पास, जीडी गोयंका स्कूल के सामने हुआ।

पुलिस के मुताबिक, 29 मार्च को थाना मौर्य एन्क्लेव में एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें कॉलर ने बताया कि एनएसपी (नेताजी सुभाष प्लेस) की ओर से आरपी चौक की तरफ आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी गाड़ी मारुति ब्रेजा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा।

इस हादसे में पीतमपुरा निवासी 21 वर्षीय पार्थ गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत पास के फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। उनकी हालत को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, घटना की सूचना देने वाले राघव माथुर को मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार और मेडिकल जांच के लिए भगवान महावीर अस्पताल ले जाया गया। हादसे में शामिल दूसरे गाड़ी के ड्राइवर को भी पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के लिए उसी अस्पताल में भर्ती कराया है।

> 21 वर्षीय युवक पार्थ गंभीर रूप से घायल हो गए

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों गाड़ियों को कब्जे में लेकर थाना मौर्य एन्क्लेव पहुंचा दिया है, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

5 मंज़िला इमारत में आग, बालकनी से कूदे लोग

सूझबूझ से बिल्डिंग में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया | पांच परिवारों के 30 लोग फंसे, चादर तानकर बचाई चार जिंदगियां

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के चांद बाग इलाके में शनिवार देर रात एक 5 मंजिला इमारत में आग लग गई। आग एक-ब्लॉक की गली नंबर-23 के एक करीब 50 गज के मकान में लगी। इमारत में रह रहे पांच परिवारों के 25 से 30 लोग फंस गए। कुछ आग से बचने के लिए बालकनी से भी कूद गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची फायर कर्मियों की टीम और पड़ोसियों ने फंसे हुए सभी लोगों को बाहर निकाला। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, आग ग्राउंड फ्लोर की पार्किंग में खड़ी दो स्कूटी और एक बाइक में लगी। लपटें और धुआं तेजी से ऊपर की मंजिलों तक पहुंच गया। दम घुटने से लोगों की नींद टूटी तो वे मदद के लिए चिल्लाने लगे। पहली मंजिल पर हालात सबसे ज्यादा खतरनाक थे। दमकल विभाग के अनुसार रात करीब 2:30 बजे आग की सूचना मिली और एक-एक कर 11 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

इधर दमकल के पहुंचने से पहले ही आरिफा (28), फरहा (14), सुवेद (12) और दुवैद (10) ने बालकनी से छलांग लगा दी। नीचे मौजूद पड़ोसियों ने पहले ही चादर तान दी थी, जिससे चारों को मामूली चोटें आईं और उन्हें तुरंत जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। उधर, दमकल के एडीओ दीपक हुड्डा की देखरेख में टीम ने लोगों की मदद से पास की इमारत के जरिए छत पर पहुंचे और वहां से गेट खोलकर दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल से निशा (22), साजिदा (50), सोनी (25) और दो वर्षीय आसिफ को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अलावा पड़ोसियों ने लकड़ी की सीढ़ी लगाकर भी काफी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकल विभाग के अनुसार, करीब 3:50 पर आग पर काबू पा लिया गया, जबकि सुबह 6:20 बजे तक कूलिंग ऑपरेशन चलता रहा।

चांद बाग इलाके में: करीब 50 गज के मकान में लगी आग। सुबह तक चला कूलिंग ऑपरेशन

बवाना में प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग

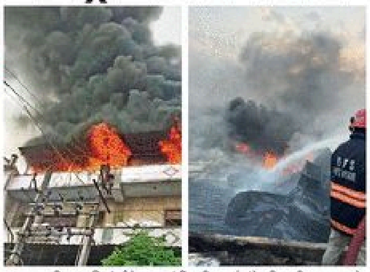

दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

बवाना औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार शाम एक पन्नी में प्रिंट करने वाली फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घटना डीएसआईआईडीसी बवाना के सेक्टर-5 स्थित डी-20, सम्मेलन चौक के पास की है। दमकलकर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

दमकल विभाग के अनुसार दमकल कंट्रोल रूम को शाम करीब 4:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पहले दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। बढ़ती आग को देखते हुए पांच और गाड़ियों को भेजा।

दमकल अधिकारी के अनुसार, आग तेजी से फैल रही थी, क्योंकि फैक्ट्री में प्लास्टिक का सामान और ज्वलनशील सामग्री बड़ी मात्रा में मौजूद था। आग फैक्ट्री की तीसरी मंजिल पर टीन शेड में लगी थी। यहां पन्नी में प्रिंट करने की मशीन रखी हुई थी। वहीं सीढ़ियों और मशीनों के आसपास काफी मात्रा में प्लास्टिक रखा हुआ था जिससे आग फैली। यह फैक्ट्री 150-150 गज के दो हिस्सों में बनी हुई है। पुलिस के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

रिकवरी एजेंट बनकर करते थे उगाही और ठगी, 4 अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : थाना शकरपुर पुलिस ने ठगी और जबरन वसूली करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग खुद को बैंक रिकवरी एजेंट बताकर सड़कों पर लोगों को निशाना बनाता था और ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करवाकर ठगी करता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लोनी निवासी आकाश उर्फ अक्कू (25), बागपत निवासी प्रिंस (22), शिवम (23) और टीटू (22) के तौर पर हुई है। इनके पास से 5 मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल एक ब्रेजा कार बरामद हुई है।

₹10 करोड़ की मांगी थी रंगदारी, शूटर अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के एक नामी जूलर से 10 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले गैंगस्टर वीरेंद्र चरण के गुर्गे को स्पेशल सेल ने पकड़ा है। वह कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा-गोल्डी बराड़-वीरेंद्र चरण गैंग का शूटर है। आरोपी की पहचान दीपक उर्फ दिलावर के रूप में हुई है।

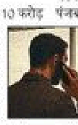

स्पेशल सेल डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के मुताबिक हाल के दिनों में गैंगस्टर रोहित गोदारा-गोल्डी बराड़-वीरेंद्र चरण गैंग ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और अन्य राज्यों में कई लोगों को वसूली के कॉल किए हैं।

ऐसे ही एक मामले में दिसंबर 2025 में वीरेंद्र चरण की तरफ से एक्सटॉर्शन का मामला सामने आया। दिल्ली के एक जूलर से 10 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। इस बारे में अमर कॉलोनी थाने में केस दर्ज किया गया। इसके बाद रोहित, राहुल, लक्ष्मण, मोहित और पंकज राजपूत को गिरफ्तार किया गया। पंकज राजपूत पर पंजाब में 20 से ज्यादा केस हैं।

2025 में वीरेंद्र चरण ने पंजाब के नकोदर में बख्शी ट्रैवल कंपनी के मालिक मनीष बख्शी से 5 करोड़ मांगे थे। वहां केस रजिस्टर किया गया था। पीड़ित पर दबाव बनाने के लिए वीरेंद्र ने 13 जनवरी को ट्रैवल के ऑफिस पर फायरिंग करने के लिए अपने तीन लोकल गुर्गों को ऑर्डर दिया था। तीन शूटरों में से एक की पहचान दीपक कुमार उर्फ दिलावर के रूप में हुई।

₹4.5 करोड़ की ड्रग्स बरामद, गैंग का भंडाफोड़

मेडिकल स्टोर में छापेमारी, चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने एक बड़े ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करीब 4.5 करोड़ रुपये कीमत की साइकोट्रॉपिक दवाएं बरामद की गई हैं। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई सीक्रेट जानकारी के आधार पर की गई

पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई पूरी तरह सीक्रेट जानकारी के आधार पर की गई। 17 मार्च 2026 को एएनटीएफ को उत्तर-पूर्वी दिल्ली इलाके में ड्रग्स की खेप की सूचना मिली थी। इसके बाद इंस्पेक्टर प्रवीण राठी की अगुआई में टीम ने शिव विहार तिराहा, जोहरीपुर रोड पर जाल बिछाया। यहां एक युवक को एक नाबालिग के साथ बाइक पर ड्रग्स ले जाते हुए पकड़ा। आरोपी की पहचान नितिन पाठक के रूप में हुई। उसके पास से मौके पर 11,900 अल्प्राजोलम टैबलेट (1.912 किलोग्राम) और 325 ट्रामाडोल टैबलेट (0.491 किलोग्राम) बरामद की गईं। पूछताछ के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के लोनी स्थित एक मेडिकल स्टोर पर छापा मारा, जहां से 1.218 किलोग्राम ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए गए।

इस मामले में दुकान मालिक प्रेम सिंह यादव को 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया। जांच आगे बढ़ाते हुए 21 मार्च को पुलिस ने लक्ष्मी नगर निवासी शानू कुमार के घर पर छापा मारा।

नकली सप्लिमेंट रैकेट में एक और पकड़ा

नकली प्रोटीन सप्लिमेंट बनाने और बेचने वाले गिरोह से जुड़े एक आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। इसकी निशानदेही पर भारी मात्रा में कच्चा माल, पैकेजिंग सामग्री और मशीन बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों मोहित तिवारी और मोहित दीक्षित से पूछताछ के बाद की गई। इससे पहले पुलिस ने इनके पास से 150 किलो नकली न्यूट्रिशन सप्लिमेंट और अलग अलग ब्रांड्स के फर्जी स्टिकर बरामद किए थे। इसी कड़ी में अब हरियाणा निवासी नवीन कुमार उर्फ बजारा को गिरफ्तार किया है।

द्वारका में सेंधमारी गैंग का खुलासा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: द्वारका साउथ थाना पुलिस ने घरों में सेंधमारी करने वाले एक शातिर गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गैंग के सरगना सोनू मिश्रा समेत तीन आरोपियों को पकड़ा है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपये का चोरी का सामान बरामद हुआ है।

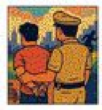

पुलिस का दावा है कि इनके पकड़े जाने से इलाके में हुई सेंधमारी की पांच वारदात का खुलासा हुआ है। डीसीपी कुशल पाल सिंह ने बताया कि 16 मार्च को सेक्टर-7 द्वारका स्थित एक मकान में चोरी की शिकायत मिली थी।

चाणक्यपुरी इलाके में बड़ा हादसा

होटल में गिरी LED स्क्रीन, तीन घायल

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

चाणक्यपुरी इलाके में एक होटल के क्लब में बड़ा हादसा हो गया। पार्टी के दौरान क्लब में लगी हाइड्रोलिक ग्राफिक एलईडी स्क्रीन अचानक टूटकर नीचे गिर गई, जिससे वहां मौजूद तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में घायलों के बयान पर लापरवाही का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना 28 मार्च की रात करीब 2:30 बजे की है। लेह-लद्दाख निवासी सोनम आंगमो (27) अपने दोस्त अर्नोल्ड क्रिस्टोफर (26) और रिंचेन डोलकर के साथ छह दिन पहले दिल्ली घूमने आई थी। सोनम आंगमो लेह-लद्दाख में सरकारी विभाग में काम करती हैं। सूत्रों के अनुसार तीनों क्लब में पार्टी कर रहे थे, तभी छत से हाइड्रोलिक चेन के सहारे लगी ग्राफिक एलईडी स्क्रीन अचानक टूटकर नीचे गिर गई और तीनों उसकी चपेट में आ गए। हादसे में तीनों के सिर में चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही चाणक्यपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें मैक्स अस्पताल, साकेत रेफर कर दिया गया। जांच के दौरान पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया, जहां टूटी हुई एलईडी स्क्रीन फर्श पर पड़ी मिली। यह स्क्रीन हाइड्रोलिक लिफ्ट की चेन से छत पर लगी हुई थी। पुलिस ने क्राइम टीम और एफएसएल की मदद से साक्ष्य जुटाए और मौके की फोटोग्राफी कराई। एफएसएल टीम ने पांच अहम साक्ष्य भी जब्त किए हैं। आरोप है कि एलईडी स्क्रीन को बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों के लगाया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

AI Image

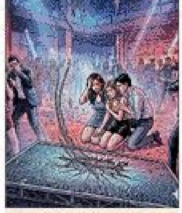

पार्टी के दौरान क्लब में लगी एलईडी स्क्रीन अचानक टूटकर नीचे गिर गई

हिंदी भवन में ढाई आखर साहित्योत्सव के आखिरी दिन लगा सितारों का जमावड़ा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

> जब भी नई पीढ़ी का लेखन सामने आता है, उसे अक्सर एक तय खांचे में रखकर देखा जाता है। नीलोत्पल मृणाल

हिंदी भवन में आयोजित ढाई आखर साहित्योत्सव का रविवार को समापन हो गया। इस कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन पीयूष मिश्रा, गौरव द्विवेदी और अमित सियाल जैसे सिलेब्स ने सेशंस में हिस्सा लिया।

साहित्योत्सव के साहित्यिक पत्रकारिता सेशन में ओम थानवी ने कहा कि पत्रकारिता में साहित्य को स्थान देने वाली पत्रकारिता ही साहित्यिक पत्रकारिता है। उनके अनुसार पत्रकार को साहित्य की समझ होना अत्यंत आवश्यक है।

चौथा खंभा सेशन में रूपेश कुमार शुक्ल ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया को चौथा खंभा कहा जाता है, क्योंकि यह समाज की चिंताओं और प्रश्नों को सामने लाने का कार्य करता है। इस पर अपने विचार रखते हुए संकेत उपाध्याय ने कहा कि मीडिया आज भी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, हालांकि उसका स्वरूप बदल चुका है। पहले समाचार केवल अखबारों और पत्रिकाओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचते थे, फिर रेडियो और टेलीविजन ने इस दायरे को व्यापक बनाया। अब डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रवाह और तेज तथा व्यापक हो गया है। उनके अनुसार, माध्यम बदल सकते हैं, लेकिन मीडिया की मूल भूमिका समाज के सामने सत्य को रखना ही है।

वहीं नई जुबान नए किस्से सेशन में नीलोत्पल मृणाल ने कहा कि जब भी नई पीढ़ी का लेखन सामने आता है, उसे अक्सर एक तय खांचे में रखकर देखा जाता है। उनके अनुसार साहित्य में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन संवेदना के स्तर पर होता है। समय के साथ मूल्यांकन के औजार भी बदलते हैं और साहित्य को समाज की बदलती संवेदनाओं के अनुरूप समझने की आवश्यकता होती है।

इसी सेशन में दिव्यप्रकाश दुबे ने कहा कि समाज बहुत तेजी से बदल रहा है और साहित्य को भी इन परिवर्तनों के साथ संवाद करना होगा।

पीयूष मिश्रा, गौरव द्विवेदी और अमित सियाल जैसे सिलेब्स ने सेशंस में हिस्सा लिया

> युवा दौर को समझना चाहिए जिस दिशा में दुनिया जा रही है उससे अवश्य ही बदलाव होगा। हमें अपनी भाषिक क्षमता को समझना चाहिए, जो हमें भाषाई बनाती है। हम अपनी भाषा को समझ नहीं पाते हैं, जो हमें आधार देती है। AI कविता बना सकती है लेकिन भावना नहीं दे सकती। हिंदी को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए।
> –पीयूष मिश्रा

31 मार्च तक फेस्टिवल में हो सकते हैं शामिल

संडे को भी इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल में छाई रही रौनक

Hritik.Joshi
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** भारत मंडपम् में चल रहे इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली के पांचवें दिन भी सिनेमा प्रेमियों की भीड़ जुटी। रविवार को यहां चर्चित फिल्म 'डीमन हंटर्स' से लेकर मम्मूटी स्टारर मलयालम फिल्म 'जन गण मन' की स्क्रीनिंग हुई।

'AI से कोई भी बन जाएगा फिल्ममेकर'

सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार ने सिनेमैटोग्राफी पर मास्टरक्लास सेशन में बताया कि कैसे आने वाले समय में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) कैमरे के पीछे काम करने वालों के लिए खतरा नहीं, बल्कि उनका एक साथी की तरह हाथ बंटाएगा। उन्होंने कहा, AI एक ऐसी चीज है जो पूरी दुनिया में तहलका मचाने वाली है, इसमें कोई शक नहीं। इसलिए जब फिल्ममेकिंग की बात आती है, तो ये फील्ड भी इससे बच नहीं सकता इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि जो लोग AI का इस्तेमाल करेंगे, वे उन लोगों से काफी आगे रहेंगे, जो इसका इस्तेमाल नहीं करते।

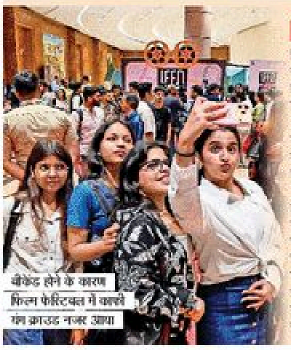

वीकेंड होने के कारण फिल्म फेस्टिवल में काफी फंस क्राउड नजर आया

AI करेगा मदद

सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार ने सिनेमैटोग्राफी पर मास्टरक्लास सेशन में आगे बताया कि समय के साथ चलते रहना बेहद जरूरी है इसलिए जितनी जल्दी हो सके, आप फिल्मों में AI का इस्तेमाल करना शुरू कर दें, क्योंकि मैं एक ऐसा भविष्य देख रहा हूं, जहां दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी इंसान पूरी तरह AI की मदद से फिल्म बना सकेगा।

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने ताज़ा की दिल्ली की यादें

रविवार को इस इवेंट में शामिल होने दिग्गज फिल्ममेकर शेखर कपूर, रंग दे बसंती फेम राकेश ओम प्रकाश मेहरा, ऐक्ट्रेस दिव्या दत्ता और बाहुबली फ्रैंचाइजी के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार पहुंचे। शेखर कपूर ने दिल्ली से जुड़ी अपनी यादें भी साझा कीं।

> संडे को किसी बड़े सितारे से नहीं मिल पाए सिनेमा प्रेमी

उन्होंने कहा, 'मेरी दिल्ली की कई सारी यादें हैं। बाराखंबा और मॉडर्न स्कूल, यहां तक वह जोर-जोर से आवाज लगाने वाला सब्जीवाला भी मुझे याद है।' गौरतलब है कि शेखर कपूर की पहली फिल्म मासूम (1983) दिल्ली पर ही आधारित थी। फिल्म स्क्रीनिंग में आई कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते यहां आए लोगों को परेशानी हुई। मयूर विहार से आए नवीन ने कहा, हमने बंगाली फिल्म पुरातन का शो बुक किया था। हमारा शो 2:30 बजे शुरू होना था, लेकिन कुछ दिक्कतों के चलते 3:15 बजे तक भी शुरू नहीं हो पाया है। मैं और मेरा भाई तभी से लाइन में लगे हुए हैं। वहीं कुछ सिनेमा प्रेमी इसलिए भी निराश थे कि वह किसी बड़े सितारे से नहीं मिल पाए। उन्हीं में से एक आशीष ने बताया, मैं अपने दोस्त के साथ ओखला से यहां आया। हमें संडे के दिन ही समय मिला, लेकिन कोई बड़ा फिल्म स्टार नहीं आया है। आमिर खान, सिद्धांत चतुर्वेदी या तो पहले दिन आए थे या आ कर चले गए।

शेखर कपूर की पहली फिल्म मासूम (1983) दिल्ली पर ही आधारित थी

ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस ने की घोषणा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस ने देशभर में संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विभिन्न राज्यों के प्रांतीय अध्यक्षों और महासचिवों की घोषणा कर दी है। यह घोषणा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर मुश्ताक अहमद की ओर से की गई। घोषणा के अनुसार, दिल्ली में डॉ. शकील अहमद को अध्यक्ष और डॉ. गयासुद्दीन सिद्दीकी को महासचिव बनाया गया है। वहीं कई राज्यों में भी नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

एम्स में ST कर्मचारियों के साथ संवेदनशील व्यवहार पर ज़ोर, सख्त अडवाइज़री जारी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** एम्स ने अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए सख्त एडवाइजरी जारी की है। एम्स ने साफ किया है कि वर्कप्लेस पर किसी भी तरह का भेदभाव या उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

> अडवाइजरी को एम्स की वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश

एम्स प्रशासन की तरफ से जारी निर्देशों में सभी अधिकारी और कर्मचारी समानता, सम्मान और किसी के साथ भेदभाव न हो, ऐसा माहौल बनाए रखने के लिए जरूरी सिद्धांतों का पालन करें। विशेष रूप से अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े कर्मचारियों के खिलाफ जाति आधारित टिप्पणी, उत्पीड़न, डराने-धमकाने या मानसिक प्रताड़ना जैसी गतिविधियों को गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा।

एम्स प्रशासन ने चेतावनी दी है कि ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सेवा नियमों और कानूनों के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। संस्थान ने सभी विभागों के एचओडी और सेंटर के चीफ को निर्देश दिया है कि वे इस एडवाइजरी को सभी कर्मचारियों तक पहुंचाएं और कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही, इस एडवाइजरी को एम्स की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों तक इसकी जानकारी पहुंच सके।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

शोक सन्देश

पुण्यतिथि

DR. BIR SINGH
05.09.1956 - 30.03.2012
In fond remembrance
Mrs. Bettina Singh
and family
Ph.: 9811702808

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss'.

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि हम अपने मुवक्किल की ओर से, श्री ... भाटिया, पुत्र स्वर्गीय श्री पवन भाटिया, और श्रीमती संगीता भाटिया, पत्नी स्वर्गीय श्री पवन भाटिया ("मालिक") के अधिकार, पूर्ण और एकमात्र स्वामित्व और कानूनी कब्जे की जांच कर रहे हैं, जो कि ... भूमि के ... 10.525 एकड़ (84K-4M) से संबंधित है, जो ग्राम ..., सेक्टर 63ए, तहसील वजीराबाद, जिला गुरुग्राम, हरियाणा ("भूमि") में स्थित है और जिसका विस्तृत विवरण नीचे दी गई अनुसूची में है।

उपरोक्त भूमि के संबंध में विक्रय, विनिमय, किराये, पट्टे, लाइसेंस, बंधक, उत्तराधिकार, उपहार, ... या किसी अन्य प्रकार से कोई भी अधिकार, दावा या हित रखने वाला कोई भी व्यक्ति, जो भूमि के मालिकों के अधिकार, पूर्ण और एकमात्र स्वामित्व और कानूनी कब्जे के विरुद्ध हो, उसे इस दिनांक से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर दस्तावेजी साक्ष्य सहित इसकी सूचना अधोहस्ताक्षरी को देनी होगी, अन्यथा ऐसे व्यक्ति के किसी भी दावे को उसके द्वारा अपरित्यक्त और बिना शर्त के त्याग दिया गया समझा जाएगा।

उपरोक्त में संदर्भित अनुसूची:

संपत्ति के सभी अंश एवं खण्ड, जिसका कुल माप लगभग 10.525 एकड़ (84K-4M) है, जिसमें किल्ला संख्या 11/1 (3K-13M), 11/2 (7K-3M), 12 (7K-8M), 13 (8K-0M), 14/1 (0K-12M), 14/2/1 (2K-6M), 17/2 (2K-18M), 18 (8K-0M), 19 (7K-8M), 20/1 (3K-8M), 22/1/2 (0K-8M) और 23/2 (6K-15M) शामिल हैं, जो मुरब्बा संख्या 43 में आते हैं; किल्ला संख्या 6/2 (4K-0M), 7 (8K-14M), 14 (4K-4M), और 15 (5K-4M) मुरब्बा संख्या 44 में आते हैं, और किल्ला संख्या 3/2/2 min (6K-2M) और 8/2/1 min (0K-1M) मुरब्बा संख्या 46 में आते हैं; यह जमीन गांव ..., सेक्टर 63ए, तहसील वजीराबाद, जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है।

दिनांक 29 मार्च, 2026

रोहित बजाज
शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी
अमरचंद टावर्स, 216 ओखला औद्योगिक एस्टेट, फेज III, नई दिल्ली–110 020, भारत

I, Ruby, W/o Naushad Ali & D/o ZULFIQUAR AHMAD, R/o F-B/4, Flat-123, 4th Floor Shaheen Bagh Jamia Nagar Okhla, New Delhi 110025, have changed my name to Ruby Naushad.

मैं, साधना त्यागी उर्फ शशि प्रभा त्यागी, स्वर्गीय श्री बाबू राम त्यागी की पुत्री तथा स्वर्गीय श्री दिग्विजय सिंह त्यागी की पत्नी, आयु 83 वर्ष, निवासी C-9 टॉवर 7, एनबीसीसी रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स, न्यू मोती बाग, नई दिल्ली - 110023, एतद् द्वारा घोषणा करती हूँ कि मैं दो नामों - साधना त्यागी तथा शशि प्रभा त्यागी - से जानी जाती हूँ, और दोनों नाम एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं। यह घोषणा पहचान एवं संपत्ति अभिलेखों के स्पष्टीकरण के उद्देश्य से की जा रही है।

मैं, सोहम, पुत्र प्रभात त्यागी, निवासी सी-9, टॉवर 7, एनबीसीसी रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स, न्यू मोती बाग, नई दिल्ली-110023, ने अपना नाम "सोहम त्यागी" रख लिया है। भविष्य में मैं "सोहम त्यागी" के नाम से जाना जाऊँगा।

I, Aahil Gandhi, son of Atul Gandhi, resident of 1202, Tower 12, The Close South, Sector 50, Gurgaon, Haryana 122018 do hereby declare that I have changed my name to Advika Gandhi and my gender from Male to Female. I shall hereafter be known as Advika Gandhi for all purposes.Dated - 28.03.26, Gurgaon, Haryana

I Shilpa Khanna D/o Harbans Lal Madan R/o 172, Ghalib Apartment,Pitampura Delhi-110034 have changed my name to Shilpa Madaan for all Purposes.

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

EDUCATION FORUM

PILLAI UNIVERSITY
ENTRANCE EXAMINATION
B. TECH. | B.DES | B.B.A. | B.C.A. | M.B.A. M.B.A.(INTEGRATED)
PILLAI UNIVERSITY LEVEL SCHOLASTIC EXAM
PULSE 2026
Mode: On Campus
Register now: www.pillai.edu.in
TEST ON APRIL 18 AND 19
100% SCHOLARSHIPS OFFERED
For more information
881 882 8837
ENGINEERING | DESIGN | ARCHITECTURE
COMPUTER APPLICATION | AVIATION
SPORTS MANAGEMENT | AI & DS
ANALYTICS | BUSINESS
NAVI MUMBAI'S FIRST STATE PRIVATE UNIVERSITY
WITH A LEGACY OF OVER 30 YEARS IN THE FIELD OF HIGHER EDUCATION

टेंडर और नोटिस

सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

PUBLIC NOTICE

It is for general information that my client MOHAMMAD MUZAMMIL, DATE OF BIRTH: 25/02/1980, PLACE OF BIRTH: 496, GALI TIKEY WALI, CHURIWALAN, DELHI-110006, S/O FATHER NAME: MOHD ADAM AND MOTHER NAME: SHAMIMA SULTAN, R/O 2793-2795, GALI BADLIYAN, BAZAR CHOORIWALAN, BAZAR SITA RAM, CHAWRI BAZAR, DELHI-110006, hereby declare that his name has been wrongly recorded as MOHAMMAD IRFAN in the Birth Certificate ..., issued by MCD. That my client Name in his childhood was changed from MOHAMMAD IRFAN to MOHAMMAD MUZAMMIL which was not recorded/updated in the birth certificate. The correct name of my client is MOHAMMAD MUZAMMIL and shall be treated as same. Therefore, it is requested that the necessary correction/amendment be made in the Birth Certificate accordingly.
RAHUL SHARMA (Advocate)
CH. NO 1, OLD COURT, KASHMERE GATE, DELHI - 110006

निविदाएं (टेंडर्स)

Notice for Registration of Atta Millers
KENDRIYA BHANDAR
'E' Wing, Pushpa Bhawan, Madangir Road, NEW DELHI-110 062
Kendriya Bhandar invites applications for registration of firms from Atta millers for participation in KB tenders for supply of Agmark Grade standard Chakki Wheat Atta. Application forms along with detailed T&C can be downloaded from KB website:- (www.kendriyabhandar.org) Last date for receipt of application: 15.04.2026

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021

निविदा सूचना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्य विवरण के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जीईएम बोली संख्या – जीईएम/2026/ बी/ 7388265 दिनांक: 24.03.2026. सीआईएसएस अनुप्रयोग के लिए आईबीएम वेब स्फीयर एप्लिकेशन सर्वर लाइसेंस के लिए एटीएस प्रदान करने के लिए विक्रेता के चयन के लिए आरएफपी. निविदा प्रकाशन की तारीख – 24.03.2026 सुबह 11 बजे. बोली पूर्व बैठक – 06.04.2026 सुबह 11 बजे. प्रस्ताव प्राप्ति की अंतिम तारीख –21.04.2026 दोपहर 16 बजे. अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें.

भर्ती

रिक्त पद

ART Institute-Studio A3- All About Art in South Delhi is looking for an Art Teacher with finearts background.Mb-9868904741

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I Lalit S/o Praveen Arora, R/o B-280 Baljeet Vihar Nithari Delhi-110086 have changed my name to Lalit Arora

मैं, दीपक सिंह, पुत्र दर्शन सिंह बिष्ट, निवासी डी-79बी, सेक्टर-15, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201301, ने अपना नाम बदलकर दीपक सिंह बिष्ट रख लिया है और भविष्य में मुझे दीपक सिंह बिष्ट के नाम से जाना जाएगा।

HEALTH & WELLNESS

बचपन की गलतियों से बने गुप्त रोगों के लिए
चेतन आयुर्वेदा
▸ बदरपुर ▸ दरियागंज ▸ भजनपुरा ▸ छतरपुर
E-2, Opp Petrol Pump Bhajanpura
9817469817

SEX रोगों के लिए
सबलोक फार्मेसी
चाँदनी चौक
फतेहपुरी, (बीकानेर वाला के ऊपर)
9811195025
मिलते जुलते नाम से सावधान

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | PROPERTY | BUSINESS | RECRUITMENT, EDUCATION | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | SHOPPING | TENDER, PUBLIC NOTICE | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड
(गेल (इंडिया) लिमिटेड, बीपीसीएल और एनसीटी दिल्ली सरकार का एक संयुक्त उपक्रम)
सीआईएन : एल23201डीएल1998पीएलसी097614

अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रण सूचना

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), जो एक प्रमुख शहरी गैस वितरण कंपनी है, अपने औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों के लिए आंतरिक पाइपिंग कार्य (आईपीडब्ल्यू) के निष्पादन हेतु ठेकेदारों को सूचीबद्ध करना चाहती है। आईजीएल इच्छुक ठेकेदारों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) - ईओआई संख्या: आईजीएल/प्रोजे/आईपीडब्ल्यू/2025–26/01 आमंत्रित करती है। विस्तृत जानकारी आईजीएल की वेबसाइट www.iglonline.net पर (टैब वेंडर ज़ोन ⇒ अभिरुचि की अभिव्यक्ति ⇒ आईजीएल/प्रोजे/आईपीडब्ल्यू/2025–26/01 के अंतर्गत) उपलब्ध है। इच्छुक ठेकेदार विवरण देख सकते हैं और 28 अप्रैल, 2026 को दोपहर 2 बजे या उससे पहले ईओआई जमा कर सकते हैं।

हर एक काम देश के नाम

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण

Airports Economic Regulatory Authority of India (AERA)

भारत सरकार/Government of India

तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली – 110003, फोन: 011-24695044

सार्वजनिक सूचना

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नवी मुंबई के लिए प्रथम नियंत्रण अवधि (01.04.2025 – 31.03.2030) हेतु वैमानिक सेवाओं के लिए टैरिफ निर्धारण पर हितधारकों की परामर्श बैठक

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (AERA) ने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नवी मुंबई के लिए प्रथम नियंत्रण अवधि (01.04.2025 – 31.03.2030) हेतु वैमानिक सेवाओं के टैरिफ निर्धारण के संबंध में परामर्श पत्र संख्या 08/2025-26 दिनांक 17.03.2026 को जारी किया है (जो एरा की वेबसाइट www.aera.gov.in पर उपलब्ध है)।

एरा (AERA) अधिनियम, 2008 की धारा 13(4) के प्रावधान के अनुसार, परामर्श पत्र में निहित प्राधिकरण के विभिन्न टैरिफ प्रस्तावों को हितधारकों के परामर्श के लिए प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में एक हाइब्रिड मोड (भौतिक/ऑनलाइन) में हितधारकों की परामर्श बैठक **02 अप्रैल, 2026 (गुरुवार) को दोपहर 3:00 बजे** निम्नलिखित स्थान पर निर्धारित है:

हितधारक कक्ष, तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली – 110003

सभी हितधारकों जैसे यात्री/यात्री संघ, आम जनता, हवाई अड्डा संचालक, एयरलाइंस, उद्योग संघ/निकाय, कार्गो के लिए स्वतंत्र सेवा प्रदाता, ग्राउंड हैंडलिंग फ्यूल फार्म आदि से अनुरोध है कि वे उक्त बैठक में शामिल हों और नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टैरिफ प्रस्ताव पर उपर्युक्त परामर्श पत्र पर अपने बहुमूल्य सुझाव/टिप्पणियाँ/विचार प्रस्तुत करें।

व्यक्तिगत रूप से शामिल होने वाले प्रतिभागी 01 **अप्रैल, 2026** तक AERA को ईमेल द्वारा अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और वाहन नंबर (director-ps@aera.gov.in और rajan.gupta1@aera.gov.in पर) भेजकर अपनी पुष्टि कर सकते हैं। हितधारकों की बैठक से पहले ऑनलाइन लिंक AERA की वेबसाइट (https://aera.gov.in) पर "समाचार और घोषणाएँ" टैब के तहत साझा किया जाएगा।

CBC 03112/12/0028/2526

हस्ता./-
सचिव, एरा (AERA)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: cci Time: 03-29-2026 22:15 Color:

फ्री सुविधाओं से बढ़ा सब्सिडी का खर्च

दिल्ली सरकार ने आईटी प्रोजेक्ट्स के बजट में की भारी कटौती

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का बिजली सब्सिडी और महिलाओं की फ्री बस यात्रा योजना पर खर्च 2025-26 में काफी बढ़ गया है। वहीं, महत्वाकांक्षी आईटी प्रोजेक्ट्स के बजट में भारी कटौती की गई है। यह खुलासा वित्त विभाग की ओर से जारी संशोधित अनुमान (RE) में हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक, बिजली सब्सिडी का बजट बढ़ाकर करीब 4,200 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पहले बजट अनुमान (BE) में 3,849 करोड़ रुपये था। यह बढ़ोतरी बकाया भुगतान निपटाने और बढ़ते उपभोक्ताओं के कारण बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए की गई है।

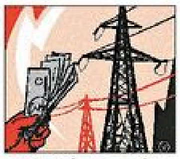

दिल्ली में 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाती है, जबकि 201 से 400 यूनिट तक इस्तेमाल करने वालों को 50 फीसदी सब्सिडी मिलती है। वहीं, परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, डीटीसी बसों में महिलाओं के फ्री सफर के लिए सब्सिडी बढ़ाकर 328 करोड़ रुपये कर दी गई है, जो पहले 240 करोड़ रुपये थी। क्लस्टर बसों में फ्री यात्रा के लिए

■ 4,200 करोड़ रुपये कर दिया गया है बिजली सब्सिडी का बजट बढ़ाकर, जो पहले बजट अनुमान (BE) में 3,849 करोड़ रुपये था

सब्सिडी 200 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 342 करोड़ रुपये कर दी गई है। इस तरह महिला यात्रियों के लिए कुल सब्सिडी 440 करोड़ रुपये से बढ़कर 670 करोड़ रुपये हो गई है।

दूसरी ओर, आईटी विभाग के बजट में बड़ी कटौती की गई है। 2025-26 के लिए 690.5 करोड़ रुपये का प्रावधान था, लेकिन संशोधित अनुमान में वास्तविक खर्च घटकर सिर्फ 215 करोड़ रुपये रह गया, जो करीब 69 फीसदी की कमी है।

धीमी पड़ सकती है इन योजनाओं की रफ्तार

अधिकारियों के मुताबिक, कई आईटी प्रोजेक्ट्स जैसे यूनिफाइड डेटा हब प्रोजेक्ट के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे घटाकर अब सिर्फ 6 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वहीं ई-गवर्नेंस से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का बजट भी 150 करोड़ रुपये से घटाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे इन योजनाओं की रफ्तार धीमी पड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

बच्चे के विडियो पर AAP ने CM पर उठाए सवाल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बच्चे के विडियो को सोशल मीडिया एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि घर टूटने के नोटिस पर इस मासूम बच्चे ने सीएम रेखा गुप्ता से सवाल किया है। पूछा है कि अगर हमारे घर टूट जाएंगे तो क्या आप हमें अपने घर में रखोगी? सौरभ ने कहा कि नई पीढ़ी के जो लोग आ रहे हैं, वे बीजेपी से डरते नहीं हैं। सौरभ ने दावा करते हुए कहा कि यह बच्चा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के ही निर्वाचन क्षेत्र का रहने वाला है। एक साल के भीतर ही सीएम रेखा गुप्ता ने यह सम्मान हासिल कर लिया है कि मासूम बच्चे भी उनकी सरकार की पोल खोल रहे हैं। अब छोटे-छोटे बच्चे भी अपने हक के लिए सीएम से सवाल पूछने लगे हैं।

सौरभ भारद्वाज

वहीं, दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने सौरभ भारद्वाज के दावे को खारिज करते हुए इसकी निंदा की है। बीजेपी नेता ने कहा कि सौरभ की मुश्किल यह है कि दस साल की सत्ता में 'आप' विधायकों ने दिल्ली भर में अवैध कब्जे करवाए और आज जब दिल्ली के विकास के लिए अवैध कब्जे हटने का सिलसिला शुरू हुआ है तो इसे जनहित का मामला बनाने का दबाव बना रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा है कि अब शालीमार बाग का यह अतिक्रमण हटाने का मामला न्यायालय के आधीन है।

6573 जगहो पर सुनी 'मन की बात'

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 132वें संस्करण का आयोजन रविवार को हुआ। दिल्ली में 6,573 जगहों पर 8,250 बूथ कार्यकर्ताओं ने स्थानीय विधायकों, पार्षदों, प्रदेश, जिला और मंडल कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को सुना। केंद्रीय राज्य मंत्री व पूर्वी दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा ने विश्वास नगर मंडल के बूथ 14 पर मंडल अध्यक्ष पवन कुमार और बूथ कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' को सुना। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह कार्यक्रम एक अद्वितीय जनसंवाद मंच है, जो विश्व के किसी भी राष्ट्र अध्यक्ष द्वारा संचालित सबसे लंबे समय तक चलने वाले प्रेरणादायी कार्यक्रमों में से एक है।

कनॉट प्लेस पहुंचे LG, लोगों से की बातचीत

उपराज्यपाल टीएस संधू ने आम लोगों के साथ खाना भी खाया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने लोगों से सीधे जुड़ने की अपनी पहल को जारी रखते हुए रविवार को कनॉट प्लेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग वर्गों के लोगों, खासकर प्रोफेशनल्स और युवाओं से लंबी बातचीत की। यह दौरा उनकी पिछली यात्राओं की तरह ही बिना किसी पूर्व योजना के अचानक किया गया।

अपने दौरे के दौरान एलजी संधू मशहूर जैन चावल वाले की दुकान पर पहुंचे और लाइन में लगकर कढ़ी-चावल खरीदा। इसके बाद वहीं खड़े होकर आम लोगों के साथ खाना खाया। यहां भी उन्होंने लोगों से उनके मुद्दों, समस्याओं, करियर, रोजगार और आकांक्षाओं पर चर्चा की।

दौरे के दौरान उन्होंने युवाओं से कई मुद्दों पर की चर्चा

इसके बाद वह एक और स्टोर पर पहुंचे और वहां से मिल्क शेक लिया और लोगों से बातचीत जारी रखी। एलजी ने कनॉट प्लेस में साफ-सफाई और ट्रैफिक की स्थिति का भी जायजा लिया। साथ ही, अलग-अलग इलाकों से आए लोगों से उनके क्षेत्रों की समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली।

उपराज्यपाल ने कहा कि शासन लोगों के केंद्र में होना चाहिए और समस्याओं के समाधान भी लोगों से ही निकलने चाहिए।

उन्होंने दोहराया कि शासन 'टॉप-डाउन' के बजाय 'बॉटम-अप' होना चाहिए। अब तक एलजी मॉडल टाउन, वसंत विहार, चितरंजन पार्क और लाल किला जैसे इलाकों में भी इस तरह के संवाद कार्यक्रम कर चुके हैं।

विचार

अगर आपके जीवन में कोई समस्या नहीं आ रही है, तो समझ लीजिए कि आप गलत मार्ग पर है। चुनौतियां प्रमाण है कि आप सही दिशा में सफलता की ओर प्रगति कर रहे है। — स्वामी विवेकानंद

उम्मीद का फैक्ट

TB पर जीत की ओर भारत! तेज़ी से घट रहे नए मामले

AI image

भारत टीबी के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ रहा है और अब इसके असर साफ दिखने लगे हैं। सरकार की नई रणनीति, टेक्नोलॉजी और लोगों की भागीदारी से देश तेज़ी से टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

- **मामलों में आई भारी कमी:** 2015 से 2024 के बीच भारत में टीबी के नए मामलों में 21% की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इसी दौरान टीबी से होने वाली मौतों में भी 28% की कमी आई है।
- **ग्लोबल एवरेज से आगे भारत:** भारत में टीबी के इलाज की सफलता दर (Success Rate) अब बढ़कर 90% हो गई है, जो 88% के ग्लोबल एवरेज (वैश्विक औसत) से भी ज्यादा है।
- **20 करोड़ लोगों की हुई जांच:** 100 दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत रिकॉर्ड 20 करोड़ से ज्यादा लोगों की जांच की गई। इसमें 28 लाख मरीजों की पहचान कर उनका तुरंत इलाज शुरू किया गया।
- **मरीजों के खातों में भेजे पैसे:** 'निक्षय पोषण योजना' के तहत मरीजों को अच्छी डाइट के लिए हर महीने 1,000 रुपये दिए जा रहे है। अब तक 1.37 करोड़ मरीजों के बैंक खातों में सीधे 4,406 करोड़ रुपये भेजे जा चुके है।

सोर्स: PIB की रिपोर्ट

एक वीकेंड पर गांव ने दिखाया अपना ज़ोर, अब फिर चमकता है तालाब का हर छोर

तालाब का पानी लौटाया, गांव मुस्कुराया

Sudha.Nambudiri
@timesofindia.com

जलकुंभी ने पानी की सतह को एक मोटी हरी चादर से ढककर निगल लिया था, नीचे गाद-कीचड़ जमा थी

■ **त्रिशूर जिले** के चेरपू पंचायत में 'पेरुवनम महादेव मंदिर' के पास मौजूद थोट्टुकुलम तालाब के किनारे भीड़ जमा थी। उस पल तक लोग वही कर रहे थे जो अक्सर भीड़ करती है... तमाशा देखना, मोबाइल से विडियो बनाना। क्रेन अपना काम कर रही थी, तालाब से काले कीचड़ के बड़े-बड़े ढेर निकालकर किनारे डाल रही थी। पंचायत के करीब दर्जन भर मजदूर घुटनों तक पानी में उतरकर सफाई में लगे थे। तभी वहां से पेरुवनम कुट्टन मारार गुजरे। वह मशहूर चेंडा (एक वाद्य यंत्र) उस्ताद है, जिनका नाम इस पेरुवनम महादेव मंदिर की पहचान से ही जुड़ा है। वह मंदिर से लौट रहे थे जब उन्होंने यह सारा शोर-शराबा देखा। वह रुके, तालाब को देखा, पलटे और घर चले गए। कुछ ही मिनटों बाद वह वापस लौटे। इस बार उनका मुंडु (केरल में पुरुषों के पहने जाने वाली इस पारंपरिक धोती) घुटनों से ऊपर फोल्ड था और बिना एक शब्द कहे वो उस गंदे पानी में उतर गए। किनारे पर अचानक सन्नाटा छा गया। नौजवानों के हाथों से फोन नीचे आ गए। फिर एक-एक करके वो युवा भी उस पानी में उतरने लगे।

दरअसल, थोट्टुकुलम तालाब कई साल से तिल-तिल कर मर रहा था। जलकुंभी ने पानी की सतह को एक मोटी हरी चादर की तरह निगल लिया था। नीचे गाद और कीचड़ बैठ गया था। करीब एक एकड़ में फैला यह तालाब कभी इस गांव की जान हुआ करता था। शाम ढलते ही लोग वहां जुटते थे, त्योहारों के वक्त 'प्रोसेशन' से पहले हाथियों को इसके किनारे आराम कराया जाता था। लेकिन अब हालत ये थी कि लोग बिना इसकी तरफ देखे वहां से गुजर जाते।

फिर सांस ले रहा तालाब

'पेरुवनम पूरम' त्योहार की 'आराट्टु' रस्म के लिए तालाब की सफाई जरूरी थी। लेकिन सरकारी सुस्ती, रुके हुए रेनोवेशन के कारण तालाब गंदा पड़ा था। थक-हारकर पंचायत अध्यक्ष सिजो जॉर्ज ने 14 मार्च (शनिवार) को वट्सऐप पर गांव वालों से मदद मांगी। जब बुजुर्ग कुट्टन मारार गंदे पानी में उतरे, तो उन्हें देख ग्रामीण भी खुद को रोक नहीं पाए। लोगों ने जलकुंभी की जड़ें खींची, हाथों-हाथ काई के गुच्छे बाहर फेंके। कोई फिसला तो लोग हंसे, फिर एक-दूसरे को संभाला। दोपहर होते-होते पानी नजर आने लगा, रविवार शाम तक तालाब फिर सांस लेने लगा था।

सुस्त सिस्टम अब जागा

हैरानी की बात देखिए, सरकारी जवाब अगली सुबह सोमवार को आया, वो भी तब, जब गांव वालों की इस मेहनत का विडियो वायरल हो चुका था। दावा किया गया कि उन्होंने तो पहले ही सफाई के ऑर्डर दे दिए थे। उल्टे उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि पंचायत ने बिना परमिशन के यह काम क्यों किया।

दिखावा OUT... खुशियां IN

राजस्थान में सादगी से शादी का राज!

Photos: Arvind Sharma

सामाजिक कार्यकर्ता परसराम बिश्नोई के बेटे जयदीप बिश्नोई ने जोधपुर में एक सादे समारोह में हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री की पोती से शादी की

ShoebKhan
@timesofindia.com

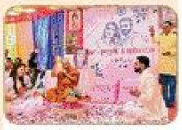

संविधान और आंबेडकर की तस्वीर के सामने की ममता मेघवंशी और कृष्ण कुमार ने सादगी भरी शादी

■ **जोधपुर:** राजस्थान में शादियों को हमेशा से हैसियत और दिखावे का प्रतीक माना जाता रहा है, लेकिन अब इस सोच में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव आ रहा है। लोग महंगी और भव्य शादियों को नकार कर सादगी को अपना रहे है। इस बदलाव की एक बड़ी मिसाल पिछले साल दिसंबर में जोधपुर में देखने को मिली। सामाजिक कार्यकर्ता परसराम बिश्नोई ने अपने बेटे की शादी हरियाणा के पूर्व मंत्री की पोती से की, लेकिन 51 लाख रुपये का 'टीका' लेने से साफ इनकार कर दिया। इस शादी में मेहमानों को कुल्हड़ में पानी और बेहद सादा खाना परोसा गया। इसका मकसद समाज को यह संदेश देना था कि शादियों में लाखों का खर्च परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ डालता है।

दरअसल, दिखावे की होड़ में मध्यम और गरीब वर्ग के लोग भी कर्ज लेकर या जमीन बेचकर शादियों में पैसा बहाने लगे थे। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, जीवन भर की बचत शादी के एक इवेंट में खत्म हो जाती थी। इस बर्बादी को रोकने के लिए अब बाड़मेर, बीकानेर और जोधपुर सहित कई जिलों में बिश्नोई, जैन, जाकिड़, जाट और कुमावत समाजों ने कड़े कदम उठाए है। डीजे, शराब, महंगे गिफ्ट्स और फिजूल सजावट पर रोक लगाई जा रही है, जिससे शादियों का खर्च 40 से 60 प्रतिशत तक कम हो गया है। बांसवाड़ा में पटेल समाज ने तो प्री-वेडिंग शूट पर रोक लगाकर नियम तोड़ने वालों पर जुर्माने का प्रावधान तक कर दिया है।

युवाओं की पसंद भी बदल रही है, वे महंगे कपड़ों के बजाय हल्के कपड़े और छोटी गेस्ट लिस्ट को तरजीह दे रहे है। विशेषज्ञों का मानना है कि यद्यपि इसे अभी पूरी तरह से 'ट्रेंड' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह साफ है कि राजस्थान में लोगों की सोच बदल रही है और वे दिखावे को छोड़कर सादगी की राह पर चल पड़े है।

सादगी की यह लहर हर धर्म-वर्ग में

सादगी की यह लहर हर धर्म और वर्ग में दिख रही है। कारोबारी मोहम्मद सलीम सिद्दीकी ने अपनी बेटी का निकाह बिना किसी भव्य दावत के मस्जिद में बेहद सादगी से किया। वहीं, दलित समाज में 'अंबेडकराइट' शादियों का चलन बढ़ रहा है, जहां महापुरुषों की तस्वीरों के सामने बिना किसी आडंबर के विवाह संपन्न कराए जा रहे है। मार्च 2023 में भवर मेघवंशी ने बेटी की शादी इसी तरह की थी।

J&K की पहली पोस्टवुमन हर सुबह चिट्ठियां लेकर निकल पड़ती हैं पैदल

बर्फ हो या बारिश, नहीं थमा सफर

■ बिलाल बहादुर, श्रीनगर

30+ साल की नौकरी के बाद भी 55 साल की उल्फत बानो का नहीं बदला है रूटीन

> पुरुषों के दबदबे वाले पेशे में उल्फत पुरुष कलीग्स के बराबर काम करती है, कोई रियायत नहीं चाहती

दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में हर सुबह एक ऐसा नजारा दिखता है, जो पिछले तीस सालों से नहीं बदला है। यह कहानी है 55 साल की उल्फत बानो की, जो जम्मू-कश्मीर की पहली 'पोस्टवुमन' है। हर सुबह उल्फत डिस्ट्रिक्ट पोस्ट ऑफिस से करीब पचीस चिट्ठियां समेटती है और पैदल ही निकल पड़ती है। उनके पास न तो पोस्टल वैन है और न ही साइकिल। उनका सफर सिर्फ मजबूत कदमों के सहारे तय होता है।

अपने पुश्तैनी गांव 'हीरापोरा' की पगडंडियों, पत्थर की दीवारों और खलिहानों को पार करते हुए वह चलती है। सर्दियों में घुटनों तक जमी बर्फ के बीच से गुजरती हुए वह तय करती है कि हर लिफाफा सही हाथों तक पहुंचे। तीस से ज्यादा सालों से उनका यह रूटीन नहीं बदला है। आज भी वह उसी जोश के साथ काम करती है, जैसे किसी नए इंसान ने जॉइन किया हो। हीरापोरा के लोगों के लिए वह बाहरी दुनिया से जुड़ने का इकलौता जरिया है।

55 साल की उम्र लेकिन वही जोश, वही शिद्दत

पोस्टल डिपार्टमेंट अपनी इस कर्मचारी पर आंख बंद करके भरोसा करता है। चाहे तेज धूप हो, भारी बारिश या कंपा देने वाली बर्फबारी, एक हाथ में छाता और दूसरे में चिट्ठियां लिए उल्फत कभी रुकती नहीं है। पुरुषों के दबदबे वाले इस प्रोफेशन में उल्फत महीने के बाईस हजार रुपये कमाती है। वह पुरुष कलीग्स के बराबर ही काम करती है और किसी रियायत की मोहताज नहीं है।

अब उनके रिटायरमेंट में मुश्किल से पांच साल बचे है। 55 की उम्र में शरीर पर थकान साफ महसूस होती है। उल्फत भावुक होकर मानती है कि कभी-कभी यह बहुत मुश्किल होता है, लेकिन उनका पैशन उन्हें रुकने नहीं देता।

देवों का रथ, आस्था का पथ

PTI

चेन्नै के माइलापुर में आस्था का महाकुंभ: ऐतिहासिक कपालेश्वर मंदिर के वार्षिक 'कार फेस्टिवल' में रविवार को श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सजे-धजे रथ पर विराजे भगवान के दर्शन को हजारों श्रद्धालु सड़कों पर उतरे।

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

उत्तराखंडी नाटक 'जै जिया' का मंचन 31 मार्च को होगा

> मंडी हाउस के श्री राम सेंटर में किया जाएगा मंचन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** उत्तराखंडी नाट्य एवं फिल्म निर्माण में सक्रिय प्रज्ञा आर्ट्स थिएटर ग्रुप अपना नया नाटक 'जै जिया' 31 मार्च को मंडी हाउस के श्री राम सेंटर में प्रस्तुत करने जा रहा है। इस नाटक को लिखा है मदन मोहन सती ने जबकि इसकी परिकल्पना और निर्देशन किया है लक्ष्मी रावत ने। आयोजन से जुड़े जगमोहन रावत ने बताया कि यह नाटक उत्तराखंड की एक वीर महिला के जीवन पर आधारित है। एक वीरांगना जो जीवित रहते मां के रूप में मृत्यु पश्चात देवी के रूप में पूजी गई। नाटक शाम 6 बजे से शुरू होगा।

भोजपुरी नाट्य संस्था रंगश्री ने किया 'न्याय' का मंचन

> महेन्द्र प्रसाद सिंह के निर्देशन में हुआ नाटक

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** भोजपुरी नाट्य संस्था रंगश्री ने शनिवार को मुक्तधारा ऑडिटोरियम में चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह कृत भोजपुरी नाटक 'न्याय' का मंचन किया। महेन्द्र प्रसाद सिंह के निर्देशन में हुए इस नाटक में दिखाया गया है कि कैसे गवाहों के बयान पर आधारित अंग्रेजों की दी हुई खर्चीली न्यायिक व्यवस्था में लंबी प्रक्रिया से गुजरते हुए अदालत के गलत फैसले को पंचायत कुछ ही देर में पलटकर दूध का दूध और पानी का पानी कर देती है।

सौमित्र वर्मा और अखिलेश कुमार पाण्डेय ने क्रमशः वादी और प्रतिवादी की भूमिका में दर्शकों का दिल जीता। प्रज्ञा श्री, रुस्तम कुमार, विजय यादव, प्रभात रंजन, मुन्ना कुमार, दीपक सिंह, सत्यदेव सिंह, रविकांत यादव, कृति कुमारी, सौरभ कुमार, अशोक, रश्मि सहित अन्य कलाकारों ने अपनी-अपनी भूमिकाओं को बखूबी निभाया।

चंद्रमणि झा को दिया जाएगा रवींद्र साहित्य सम्मान

> 5 अप्रैल को राजेंद्र भवन में होंगे सम्मानित

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मिथिला के महाकवि रवींद्रनाथ ठाकुर की याद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम रवींद्रनाथ ठाकुर जन्मोत्सव में इस बार मिथिला के वरिष्ठ गीतकार चंद्रमणि झा को रवींद्र साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। 5 अप्रैल को ITO स्थित राजेंद्र भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ललितेश चन्द्र को रवींद्र नाट्य एवं चलचित्र सम्मान, गोविंद सरस्वती को रवींद्र मैथिली संगीत सम्मान और प्रियम्वदा सिंह को रवींद्र शिक्षा अलंकार सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम को लेकर रवींद्र सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष अखिलेश मिश्र ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने गीत के माध्यम से मिथिला की परंपराओं और लोकजीवन को जीवंत बनाया। संस्था के महासचिव अवनींद्र ठाकुर ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान गीत-संगीत का आयोजन भी किया जाएगा।

बलिराजगढ़ की खुदाई से मिथिला के प्राचीन इतिहास की मिलेगी जानकारी

Roushan.Jha
@timesofindia.com

> ASI ने फिर से सभ्यता के अवशेषों की खोज की शुरू, टूटेंगे कई मिथक

■ **नई दिल्ली:** बलिराजगढ़, मतलब राजा बलि का गढ़। मिथिला के मधुबनी जिले में करीब एक किलोमीटर तक फैले इस जगह को प्राचीन मिथिला की राजधानी माना जाता है। यहां वर्ष 1962 से अब तक कई चरणों में खुदाई हुई है और हर बार कई प्राचीन अवशेष मिले है। हर बार कहा जाता रहा है कि अगर इस जगह की सही से खुदाई हुई तो 2000 साल पहले मिथिला कैसा था, इसकी सही-सही जानकारी मिल सकती है। इसी के तहत शनिवार से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने एक बार फिर से इसकी खुदाई शुरू कर दी है। पहले की खुदाई कई कारणों से बीच में ही रोक दी गई थी। लेकिन, इस बार इस कार्य को एक बार में ही पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शनिवार को खुदाई का शुभारंभ करते हुए राज्यसभा सांसद और मिथिला के दिग्गज नेता संजय झा ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि बलिराजगढ़ में उत्खनन कार्य का शुभारंभ हो रहा है। अपनी जड़ों को जानने की ललक से मैं निरंतर इस दिशा में प्रयास कर रहा था। अब वह प्रयास पूर्ण हो रहा है। ASI द्वारा स्वीकृत इस पहल से मिथिला की प्राचीन सभ्यता के कई अनछुए पहलुओं पर नया प्रकाश पड़ने की उम्मीद है। इस दौरान झंझारपुर के सांसद रामप्रीत मंडल सहित कई और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कहते है कि ईसा से 200 साल पूर्व यहां शुंग काल का शासन हुआ करता था। तब यहां, मतलब करीब 4-5 हजार साल पहले विशाल राजभवन हुआ करता था जिसे एकीकृत मिथिला की राजधानी कहा जाता था। भवनों के अवशेष अब भी मौजूद है जो ऊंचे-ऊंचे टीलों के भीतर दबे हुए है। इससे पूर्व हुई खुदाई में यहां से मौर्यकालीन सिक्के, ईंट, बर्तन भी मिले है। इस बार की खुदाई से मिथिला से संबंधित कई मिथक टूट सकते है।

हनुमान जयंती पर होगा आस्था संग सम्मान समारोह का आयोजन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

- फरीदाबाद में प्रतिभा सम्मान समारोह के साथ होगा कार्यक्रम
- अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा की ओर से होगा कार्यक्रम का आयोजन
- मिहिर भोज की प्रतिमा देकर बढ़ाया जाएगा कार्यकर्ताओं का मान

अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी 2 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन फरीदाबाद के मेवला महाराजपुर स्थित अनुराग फार्मिंग में होगा, जिसमें धार्मिक आस्था और सामाजिक सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग गुर्जर ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद दोपहर 12 बजे भोजन प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का आयोजन खासतौर पर राजस्थान के गुर्जर समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। महासभा द्वारा राजस्थान से जुड़े कार्यकर्ताओं को गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। यह पहल समाज के गौरवशाली इतिहास को याद करने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आयोजन में बड़ी संख्या में समाज के लोग, पदाधिकारी और श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, संस्कृति और परंपराओं को मजबूत करना है। महासभा ने सभी श्रद्धालुओं और समाज के लोगों से कार्यक्रम में पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

जीत सिंह नेगी शताब्दी श्रृंखला समारोह मनाया

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** 22 मार्च, 2026 को उत्तराखण्ड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली द्वारा मयूर पब्लिक स्कूल, विनोद नगर, दिल्ली में उत्तराखण्ड के कालजयी लोक गायक स्वर्गीय जीत सिंह नेगी शताब्दी श्रृंखला समारोह का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली के दिनेश ध्यानी ने बताया कि अगले साल 2 फरवरी, 2027 को जीत सिंह नेगी की सौवीं जयंती है। हमारी कोशिश है कि नई पीढ़ी को स्वर्गीय जीत सिंह नेगी जी के बारे में जानकारी हो। इसी कड़ी में यह आयोजन मयूर पब्लिक स्कूल में किया गया। इस आयोजन में मयूर पब्लिक स्कूल के चेयरमैन मनवर सिंह रावत ने भजन और नेगी जी के गीत गाकर नेगी जी को याद किया। जीत सिंह नेगी की सुपुत्री पुष्पा रावत व छोटे दामाद राजेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

NBT जन्मदिन मुबारक

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

आप भी भेज सकते है देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिनकी बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

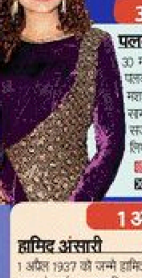

30 मार्च

पलक मुच्छल
30 मार्च 1992 को जन्मी पलक मुच्छल बॉलिवुड की मशहूर प्लेबैक सिंगर है। वह सामाजिक कार्यों, बच्चों की हार्ट सर्जरी के लिए फंड जुटाने के लिए भी जानी जाती हैं।
@palakmuchhal3
@palakmuchhal3

3 अप्रैल

प्रभु देवा
3 अप्रैल 1973 को जन्मे प्रभु देवा 'इंडियन माइकल जैक्सन' कहे जाते है। डांस, एक्टिंग और डायरेक्शन, तीनों में सुपरहिट करियर।
@prabhudevaofficial

विक्रांत मैसी
3 अप्रैल 1987 को जन्मे विक्रांत मैसी '12th Fail', 'Mirzapur' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज से दमदार एक्टर के रूप में उभरे है।
@vikrantmassey
@VikrantMassey

1 अप्रैल

हामिद अंसारी
1 अप्रैल 1937 को जन्मे हामिद अंसारी भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति (2007-2017) और वरिष्ठ राजनयिक रहे है। उन्होंने कई देशों में भारत के राजदूत के रूप में सेवा दी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भी रहे।

जैजी बी
1 अप्रैल 1975 को जन्मे जैजी बी पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के आइकॉन माने जाते है। 'ओह हो हो हो', 'नचदी' जैसे गानों से इंटरनेशनल पहचान बनाई और भांगड़ा म्यूजिक को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। @jazzyb

जया प्रदा
3 अप्रैल 1962 को जन्मी जया प्रदा बॉलिवुड और साउथ की सफल अभिनेत्री रही और बाद में राजनीति में आकर सांसद भी बनीं।
@jayapradaofficial
@realjayaprada

4 अप्रैल

पल्लवी जोशी
4 अप्रैल 1969 को जन्मी पल्लवी जोशी ने 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्मों और टीवी में दमदार अभिनय किया है। वह नैशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस है और प्रोड्यूसर भी है।
@pallavijoshiofficial

2 अप्रैल

अजय देवगन
2 अप्रैल 1969 को जन्मे एक्टर और डायरेक्टर अजय देवगन 'सिंघम', 'दृश्यम', 'तान्हाजी' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते है। 2 नैशनल अवॉर्ड और पद्म श्री से सम्मानित।
@ajaydevgn
@ajaydevgn

कपिल शर्मा
2 अप्रैल 1981 को जन्मे पॉपुलर कॉमेडियन कपिल शर्मा ने टीवी और फिल्मों दोनों में सफलता पाई और कई अवॉर्ड जीते है।
@kapilsharma
@KapilSharmaK9

5 अप्रैल

रश्मिका मंदाना
5 अप्रैल 1996 को जन्मी रश्मिका मंदाना पुष्पा, एनिमल जैसी फिल्मों से पैन-इंडिया स्टार बन चुकी है। हाल ही में साउथ के बड़े स्टार विजय देवरकोंडा से शादी की है।
@rashmika_mandanna
@iamRashmika

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 03-29-2026 22:17 Color:

देश के नक्सल फ्री होने के टारगेट में सिर्फ दो दिन बचे

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के देश को 31 मार्च तक नक्सल फ्री करने के टारगेट में अब दो दिन बचे हैं। इन 48 घंटों में सरकार देश को नक्सल फ्री होने की घोषणा कर सकती है। लेकिन, इससे पहले देशभर में नक्सलियों के टॉप कैडर में बचे गणपति उर्फ मुपल्ला लक्ष्मण राव और मिशिर बेसरा का कोई हल निकालना होगा।

File Photo

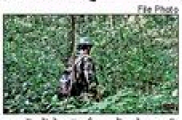

इनमें गणपति से अब कोई खतरा नहीं है। 80 साल का गणपति बूढ़ा हो गया है। बाकी बचा, मिशिर बेसरा। इसके बारे में इनपुट है कि वह अपने 50 से अधिक साथियों के साथ झारखंड में दुर्गम सारंडा जंगलों में छिपा हुआ है। झारखंड पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सारंडा जंगलों में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। कोशिश की जा रही है कि एक करोड़ रुपए से अधिक का इनामी मिशिर 31 मार्च तक ही आत्मसमर्पण कर दें, नहीं तो वह मुठभेड़ में भी मारा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ भी एक तरह से नक्सल फ्री होने की कगार पर है। रविवार को सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना इलाके की पहाड़ी पर मुचाकी कैलाश नाम का एक नक्सली मारा गया।

चुनावी ड्यूटी के लिए BSF में असिस्टेंट कमांडेंट की 'कमी'

File Photo

ड्यूटी पर सीनियर अफसर यानी डिप्टी कमांडेंट को लगाने के आदेश

■ मनीष अग्रवाल, नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए पैरामिलिट्री (CAPF) के जवानों को तैनात करने के बीच एक समस्या सामने आती दिख रही है। बीएसएफ के कई असिस्टेंट कमांडेंट खासतौर से पश्चिम बंगाल में चुनावी ड्यूटी के लिए उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इनकी जगह अब इनके सीनियर डिप्टी कमांडेंट को लगाने के आदेश दिए गए हैं। इस वजह से जो डीसी छुट्टी पर गए थे, उनकी छुट्टियां रद्द की जा रही हैं।

समय से प्रमोशन न मिलना वजह? सूत्रों का कहना है, इसके पीछे वजह पैरामिलिट्री यानी CRPF, BSF, CISF, ITBP और SSB में काडर अधिकारियों को समय से प्रमोशन ना मिलने और 'ऑर्गेनाइज्ड ग्रुप-ए सर्विस' के इन अधिकारियों के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू ना करने से उपजी असंतुष्टि को भी माना जा रहा है।

SSB में भी आ रही ऐसी ही समस्या

एसएसबी की तरफ से मैसेज में चुनावी ड्यूटी के लिए असिस्टेंट कमांडेंट की जगह इंस्पेक्टरों को कंपनी कमांडर बनाने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब बीएसएफ में असिस्टेंट कमांडेंट की जगह डिप्टी कमांडेंट को लगाने की बात कही गई है। सूत्रों का कहना है कि इससे साफ जाहिर है कि सीएपीएफ के काडर-ए अधिकारियों में समय से प्रमोशन ना मिलने और अन्य मांग पूरी ना होने से कई अधिकारी चुनावी ड्यूटी से बचना चाह रहे हैं।

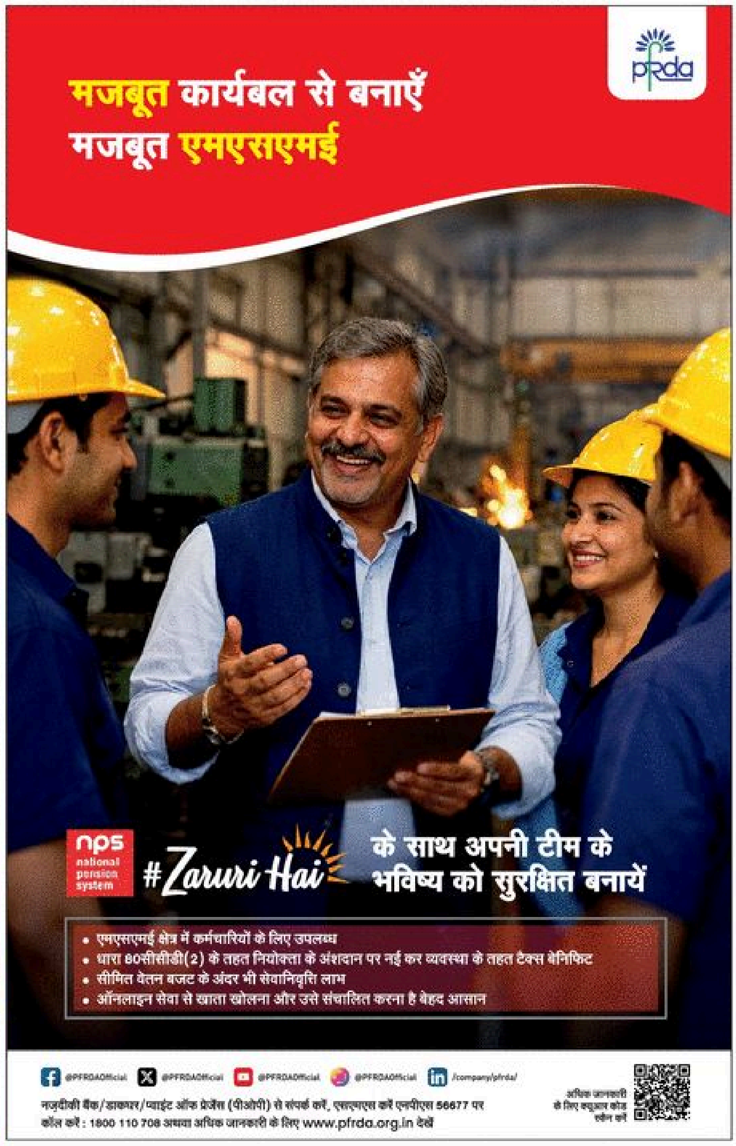

ओरिएंट इलेक्ट्रिक का 'उज्जवल' कार्यक्रम इलेक्ट्रिशियनों के के लिए बना प्रगति का मजबूत आधार

भारत की प्रगति केवल बड़े शहरों या उद्योगों से नहीं, बल्कि उन लाखों हाथों से बनती है, जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी को चलाते हैं। इलेक्ट्रिशियन उन्हीं में से एक हैं, जो हमारे घरों, बाजारों और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बिना रुके चलने में सक्षम बनाते हैं।

देश के कई हिस्सों में आज भी इलेक्ट्रिशियनों को औपचारिक प्रशिक्षण, नई तकनीकों की समझ और उद्योग में उचित पहचान नहीं मिल पाती। इसी वास्तविक जरूरत को समझते हुए, ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने अपनी सीएसआर पहल 'उज्जवल' के माध्यम से एक ठोस और दीर्घकालिक प्रयास शुरू किया है जो इलेक्ट्रिशियनों को केवल प्रशिक्षित नहीं करता, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने का सही अवसर देता है।

इस पहल के तहत, ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने स्किल इंडिया और समारम्भ फाउंडेशन के सहयोग से तीन वर्षों में 15,000 से अधिक इलेक्ट्रिशियनों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें से 4,000 से अधिक केवल पिछले एक वर्ष में जुड़े हैं। आज 'उज्जवल' सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय स्तर का स्किल मूवमेंट बन चुका है, जिसकी पहुँच देश के कई शहरों और औद्योगिक क्लस्टर्स तक है।

अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा संचालित ये सत्र सिर्फ जानकारी नहीं देते, बल्कि प्रतिभागियों को वह व्यावहारिक समझ और आत्मविश्वास देते हैं, जिससे वे अपने काम को बेहतर तरीके से कर सकें और अपनी कमाई के अवसर बढ़ा सकें। 'उज्जवल' की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसका स्किल इंडिया के साथ संरेखण है, जिससे प्रशिक्षण को एक संरचित रूप मिलता है और प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन भी प्रदान किया जाता है।

यह सर्टिफिकेट केवल एक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिशियनों के लिए एक नई पहचान और भरोसे का प्रतीक बनता है, जो उन्हें बेहतर अवसरों से जोड़ता है। निरंतर प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सही दिशा के साथ, ओरिएंट इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रिशियनों को एक मजबूत, सम्मानजनक और सुरक्षित भविष्य की ओर आगे बढ़ा रहा है, ताकि वे न सिर्फ अपने जीवन में बदलाव ला सकें, बल्कि देश के विकास में भी अपनी भूमिका और मजबूती से निभा सकें।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in